हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्ष: 8, अंक: 144, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 24 नवम्बर, 2023 दिन शुक्रवार गाजीपुर/वाराणसी

गहलोत सरकार की वापसी कभी नहीं होगी : पीएम मोदी

प्रधानमंत्री ने चुनाव प्रचार के अंतिम दिन देवगढ़ में की जनसभा

जयपुर। राजस्थान विधानसभा चुनाव 2023 के लिए शनिवार 25 नवंबर को मतदान सुबह 7 बजे से शुरू होकर शाम 6 बजे खत्म हो जाएगा। एक चरण में ही समूचे प्रदेश में चुनाव कार्यक्रम किया जाएगा। 23 नवंबर को शाम पांच बजे के बाद प्रत्याशियों का चुनाव प्रचार भी थम गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी गुरुवार को चुनाव प्रचार के अंतिम दिन राजसमंद के देवगढ़ में जनसभा करने पहुंचे। यहां विजय संकल्प सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि साथियों आज मैं इस सभा में बता दूं कि चुनाव परिणाम निश्चित है।

साथियों बीते दिनों मुझे राजस्थान के कोने-कोने में जाने को मिला। हर जगह बस एक ही बात सुनाई देती है, 'गहलोत जी, कोनी मिले वोट जी'। इस चुनाव की एक और खास बात ये है कि हमारी माताओं-बहनों ने भाजपा का झंडा उठा लिया है। राजस्थान ने आज तक इससे बड़ी महिला विरोधी सरकार नहीं देखी है। इसलिए राजस्थान के जन-जन ने कांग्रेस सरकार को उखाड़ फेंकने का संकल्प ले लिया है। प्रधानमंत्री मोदी ने भरी सभा में दावा करते हुए कहा कि अब राजस्थान में गहलोत सरकार की वापसी कभी नहीं होगी। राजस्थान चुनाव के लिए अब एक दिन शेष है। भाजपा के स्टार प्रचारक आज राजस्थाने अलग-अलग दौरे करने में जुटे हुए हैं। आज गुरुवार को चुनाव प्रचार का अंतिम दिन भी है, ऐसे में केंद्रीय मंत्री अमित शाह भी जयपुर पहुंचे हुए हैं। यहां शाह ने प्रेसवार्ता के दौरान कांग्रेस सरकार पर निशाना साधा। साथ ही भाजपा की केंद्र सरकार की योजनाओं का बखान भी किया। शाह ने कहा कि मैं पिछले काफी समय से कांग्रेस सरकार से एक सवाल पूछ रहा हूं, लेकिन कांग्रेस ने कभी जवाब नहीं दिया। मैंने उनसे कई बार पूछा कि, जब आपकी सरकार केंद्र में थी तब आपने राजस्थान के लिए क्या किया। मैं राजस्थान की जनता को बताना चाहता हूं कि 2004 से 2014 तक दो लाख करोड़ रुपया राजस्थान सरकार ने कांग्रेस को दिया था। मतलब दस साल में दो लाख करोड़ दिया। वहीं, भाजपा ने नौ साल में आठ लाख 70 हजार करोड़ रुपया राजस्थान को दिया है। इसके साथ-साथ 7 लाख करोड़ के काम केंद्रीय प्रोजेक्ट के रूप में किए हैं, जैसे नेशनल हाईवे, रेलवे स्टेशनों का अपग्रेडेशन, नई रेलवे लाइन बिछाई, छह हजार करोड़ से कोटा में नया ग्रीनफील्ड हवाई अड्डा बनाने जैसे काम किए हैं। राजस्थान चुनाव के लिए अब एक दिन शेष है। पूरे प्रदेश में सभी पार्टियों के दिग्गज चुनाव प्रचार में लगे हुए हैं। आज गुरुवार को चुनाव प्रचार का अंतिम दिन भी है। ऐसे में मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजस्थान चुनाव प्रचार के अंतिम दिन पत्रकार वार्ता की। इस दौरान मुख्यमंत्री अशोक गहलोत भाजपा पर पूरी तरह से हमलावर दिखे। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि भाजपा को दुख है कि वो हमारी सरकार गिरा नहीं पाए। इसलिए राजस्थान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, शाह और अन्य नेताओं ने धावा बोला हुआ है। सीएम ने दावा किया कि ये लोग 25 के बाद यहां मुंह नहीं दिखाएंगे। ये षड्यंत्रकारी लोग हैं। मुझे पूरा यकीन है कि जानता बीजेपी को सबक सिखाएगी। हमारी स्कीमें शानदार हैं। मैं उनकी तकलीफ समझता हूं, हॉर्स ट्रेडिंग करके भी सरकार नहीं गिरा पाए हैं। राजेश पायलट को लेकर गुर्जर समाज को भड़का रहे हैं।

इनकी पार्टी में 22 बार फायरिंग हुई थी, जिसमें 72 गुर्जर मारे गए। मेरे वक़्त में फायरिंग छोड़ो मैंने लाठीचार्ज तक नहीं होने दिया। मुझे यकीन है कि इस बार जानता हमें केरल की तरह रिपीट करेगी। केरल में भी 77 साल में सरकार बदल रही थी। बीजेपी ने गुर्जर समाज को भड़काया है। पांच प्रतिशत आरक्षण हमने दिया उनको। सीएम ने कहा कि पीएम अभिनेता हैं। कहते हैं मैं ओबीसी का हूं। मुझे नीच कह दिया। किसी ने नीच नहीं कहा। गुजरात में कहा ये राजस्थानी आ गया, इसकी बात मानोगे तो मैं कहां जाऊंगा। हम नहीं कह रहे कि गुजरती वोट मांगने आ गया, मैं कहां जाऊंगा। ये भविष्यवक्ता हैं क्या? जो कह रहे हैं कि अबकी बार मैं सीएम नहीं बनूंगा, लेकिन खुद फिर से पीएम बनने की भविष्यवाणी कर रहे हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 की धारा 126 के अनुसार मतदान की समाप्ति के लिए नियत किए गए समय के साथ समाप्त होने वाले 48 घंटों की अवधि 23 नवंबर को सायं 6:00 बजे से आरम्भ होकर मतदान समाप्ति अवधि 25 नवंबर को सायं 6:00 बजे तक प्रभावी रहेगी।

राजोरी में बलिदान कैप्टन शुभम गुप्ता को सीएम योगी ने दी श्रद्धांजलि, 50 लाख की आर्थिक मदद की घोषणा की

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जम्मू-कश्मीर के राजोरी में कर्तव्य पालन के दौरान शहीद हुए जनपद आगरा निवासी सेना के कैप्टन शुभम गुप्ता को श्रद्धांजलि अर्पित की है। सीएम योगी ने अपने एक्स अकाउंट पर शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा है कि उत्तर प्रदेश सरकार इस दुःख की घड़ी में शोकाकुल परिजनों के साथ है। मुख्यमंत्री योगी ने शहीद के परिजनों को 50 लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान करने की घोषणा की है। उन्होंने शहीद के परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी देने तथा जनपद की एक सड़क का नामकरण शहीद शुभम गुप्ता के नाम पर करने की भी घोषणा की है। बता दें कि जम्मू के राजोरी में सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच हुई मुठभेड़ में चार सैन्यकर्मी बलिदान हो गए। इनमें आगरा के सपूत कैप्टन शुभम गुप्ता भी शामिल हैं। शुभम वर्ष 2015 में सेना में भर्ती हुए थे। वर्ष 2018 में उन्हें कमीशन मिला था। शुभम की पहली पोस्टिंग ऊधमपुर में हुई थी।

शीतलहरी से बचाव को लेकर योगी सरकार ने दिए निर्देश, बोले- गरीबों को उच्च गुणवत्ता का कंबल दें

लखनऊ। शीतलहरी से उत्पन्न होने वाली समस्याओं से निराश्रित, असहाय एवं कमजोर वर्ग के असुरक्षित लोगों को राहत देने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि शीतलहरी के दौरान गरीबों में वितरित किये जाने वाले कंबलों की गुणवत्ता उच्च क्वालिटी की होनी चाहिए। योगी सरकार ने इसके लिए बजट की पहली किस्त जारी करते हुए सभी मंडलायुक्त एवं जिलाधिकारियों को पुख्ता इंतजाम के दिशा-निर्देश भी दे दिये हैं। सरकार ने शीतलहरी के दौरान निराश्रित व्यक्तियों, शरणार्थियों और प्रभावितों के अस्थायी आवास, भोजन, वस्त्र एवं चिकित्सा सुविधा के लिए राहत विभाग को 120 करोड़ की धनराशि आवंटित की है। इसके सापेक्ष विभाग की ओर से भी सीएम योगी के निर्देश पर सभी जिलाधिकारियों को शीतलहरी से निपटने के लिए पहली किस्त करीब बीस करोड़ की धनराशि जारी कर दी गई है। राहत आयुक्त जीएस नवीन ने बताया कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ प्रदेश के हर कमजोर वर्ग के साथ खड़े हैं। इसके लिए योगी सरकार की ओर से कई कल्याणकारी योजनाएं भी चलायी जा रही हैं। वहीं सरकार कमजोर, असहाय वर्ग के लोगों को किसी भी आपदा से बचाने के लिए प्रतिबद्ध है। इसी क्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर ठंड की शुरूआत के साथ ही शीतलहरी से निपटने के लिए 351 तहसील को कंबल के लिए पहली किस्त के रूप में 17 करोड़ 55 लाख रुपये जारी किए गए हैं। वहीं अन्य राहत सामग्री के लिए एक करोड़ 75 लाख 50 हजार रुपये जारी किए गए हैं। ऐसे में विभाग ने पहली किस्त के रूप में कुल उन्नीस करोड़ तीस लाख पचास हजार रुपये जारी किए हैं। इसमें सबसे अधिक धनराशि 38 लाख 50 हजार गाजीपुर, बुलंदशहर, गोरखपुर, सीतापुर और लखीमपुर खीरी के लिए जारी की गई है। साथ ही सभी मंडलायुक्त एवं जिलाधिकारियों को ठंड से निपटने के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। शीतलहरी से निपटने के लिए जिलाधिकारियों, अपर जिलाधिकारियों, मुख्य विकास अधिकारियों, उपजिलाधिकारियों एवं तहसीलदारों को अपने-अपने क्षेत्रों में भ्रमण कर निराश्रित, असहाय एवं कमजोर वर्ग के लोगों को चिह्नित करने के निर्देश दिये गये हैं। साथ ही अत्यधिक एवं शीतलहरी से प्रदेश के किसी भी व्यक्ति की मृत्यु न हो यह सुनिश्चित करने को कहा गया है। वहीं सभी नगर पंचायत, नगर पालिका, नगर निगम एवं ग्रामीण इलाकों के सार्वजनिक स्थलों पर आवश्यकतानुसार अलाव जलाया जाए। इसके अलावा हर शहर की सीमा के तहत मुख्य मार्गों एवं विशेषकर दुर्घटना बाहुल्य क्षेत्रों में सफेद थर्मोप्लास्टिक पेंट द्वारा पट्टियों को दर्शानें, रिफलेक्टर, सोलरकैट साईन एवं डेलिवेटर लगाने का काम समय से पूरा कर लिया जाए ताकि कोहरे के समय कोई दुर्घटना न हो।

इसके अलावा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में कृषि कार्यों में उपयोग में आने वाली ट्रैक्टर ट्रालियों के पीछे रेडियम की पीली पट्टी अभियान चलाकर लगवाई जाए, जिससे कोहरे के कारण होने वाली दुर्घटनाओं पर नियत्रंण किया जा सके। सभी नगर निगम, नगर पालिका, नगर पंचायत में समय रहते रैन बसेरे एवं शेल्टर होम आदि की स्थापना कर ली जाए। इन रैन बसेरे एवं शेल्टर होम पर व्यवस्थापक का नाम और मोबाइल नंबर अवश्य दशार्या जाए। साथ ही रात में जिले के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा औचक निरीक्षण किया जाए।

रोजगार देने और रोजगार मांगने वालों में नोएडा के साथ लखनऊ शीर्ष पर, प्रयागराज से पिछड़ा कानपुर

लखनऊ। रोजगार सृजन और रोजगार की मांग करने वाले शहरों में अब तक गौतमबुद्ध नगर और कानपुर ही सबसे आगे थे। पहली बार रोजगार और रोजगार पंजीकरण के मामले में गौतमबुद्धनगर के साथ लखनऊ ने संयुक्त रूप से शीर्ष स्थान प्राप्त किया है। अप्रत्याशित रूप से प्रयागराज तीसरे स्थान पर आ गया है। कानपुर चौथे स्थान पर खिसक गया है। श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के नेशनल कैरियर सर्विस के मुताबिक यूपी में रोजगार के अवसर चार जिलों से फैलकर 29 जिलों से भी ज्यादा हो गए हैं। छोटे जिलों में भी नौकरियों के लिए न केवल भारी संख्या में आवेदन आ रहे हैं बल्कि नौकरियों के अवसर पर तैयार हो रहे हैं। प्रदेश से रोजगार के लिए पलायन करने वालों की संख्या में कमी आ रही है। इसी का परिणाम है कि केवल बड़े ही नहीं बल्कि छोटे-छोटे जिलों में भी रोजगार के लिए पंजीकरण में अप्रत्याशित तेजी आई है। इसकी वजह स्थानीय बेल्ट में ही रोजगार के बढ़ते अवसर हैं जो युवाओं को पलायन से रोक रहे हैं। सकारात्मक बदलाव ये हुआ है कि रोजगार की संभावनाएं केवल नोएडा-गाजियाबाद तक सिमट कर नहीं रह गई हैं। लखनऊ इस मामले में सबसे बड़ा शहर बनकर उभरा है। पहले पायदान पर काबिज गौतमबुद्ध नगर (नोएडा) को तगड़ी चुनौती देते हुए शीर्ष स्थान संयुक्त रूप से साझा किया है। प्रदेश के कुल रोजगार सृजन और मांग का कुल

32 फीसदी (16-16 फीसदी) अकेले नोएडा और लखनऊ के हिस्से आ गया है। प्रयागराज औद्योगिक विकास की वजह से रोजगार का सबसे तेजी से उभरता नया केन्द्र बनकर सामने आया है। प्रदेश के कुल रोजगार सृजन और संभावनाओं का लगभग 9.57 फीसदी हिस्से पर प्रयागराज का कब्जा है। कानपुर का (8.51 फीसदी) के साथ चौथा स्थान है। जबकि पहले नोएडा के बाद इस मामले में कानपुर का नाम था। दिलचस्प बात ये है कि झांसी और आगरा इस मामले में कानपुर को चुनौती दे रहे हैं। इन दोनों शहरों की हिस्सेदारी करीब 15 फीसदी (7.45 फीसदी प्रत्येक) है। यानी दोनो ही शहर रोजगार के मामले में कानपुर से महज एक फीसदी दूर रह गए हैं।

65 फीसदी रोजगार और मांग अकेले इन 6 शहरों में – नोएडा, लखनऊ, प्रयागराज, कानपुर, आगरा, झांसी

रोजगार के मामले में इन 7 शहरों की लंबी छलांग – बाराबंकी (3.19 फीसदी), कन्नौज (3.19), काशीराम नगर (2.13 फीसदी), मथुरा (2.13 फीसदी), मेरठ (3.19 फीसदी), सहारनपुर (2.13 फीसदी) वाराणसी (3.19 फीसदी)

ये 17 छोटे जिले भी रोजगार के केन्द्र – अलीगढ़, बलिया, चंदौली, फैजाबाद, फरुखाबार्द, गाजीपुर, ज्योतिबा फुले नगर, कौशांबी, ललितपुर, मऊ, मिरजापुर, रायबरेली, सहारनपुर, संभल और भदोही

कानपुर देहात में दर्दनाक हादसा, बेकाबू होकर पेड़ से टकराई कार, भाई-बहन समेत चार की मौत, पांच घायल

कानपुर देहात। कानपुर देहात में गजनेर थाना क्षेत्र के हृदयपुर पामा के पास गुरुवार तड़के तेज रफ्तार कार बेकाबू होकर सड़क किनारे पेड़ से जा टकराई। हादसे में भाई-बहन समेत चार लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी एक समारोह में शामिल होने के लिए बिधूना औरैया से गजनेर भैथाना गांव आ रहे थे। घटना की जानकारी पर एसपी बीबीजीटीएस मूर्ति समेत अन्य पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे। घायलों को जिला अस्पताल लाया गया। यहां से सभी को हैलट अस्पताल रेफर किया गया है। गजनेर के भैथाना निवासी राजपाल सिंह के बेटे जय सिंह की 28 नवंबर को शादी थी। बुधवार शाम जय सिंह किराए की गाड़ी लेकर बड़ी बहन प्रिया सेंगर पत्नी प्रीतम व अन्य रिश्तेदारों को लेने औरैया जिले के बंथरा बिधूना गया था। रात डेढ़ बजे के करीब वापस लौटते समय गजनेर थाना क्षेत्र के हृदयपुर पामा के पास कार बेकाबू होकर पेड़ से जा टकराई।

घायलों को जिला अस्पताल से कानपुर रेफर किया– हादसे में कार सवार जयसिंह (25) पुत्र राजपाल निवासी भैथाना, बहन प्रिया सेंगर (40) पत्नी प्रीतम सिंह निवासी बंथरा बिधूना, पारिवारिक दादी रैननो देवी (70), प्रिया (14) पुत्री रामप्रकाश बंथरा बिधूना की मौत हो गई। जबकि चालक प्रदीप कुमार (35) निवासी भगीरथपुर गजनेर, पारुल उर्फ प्रज्ञा (14), पलक उर्फ प्रतीक्षा (16), कन्हैया (10), अंश (8) गंभीर रूप से घायल हो गए। घायलों को जिला अस्पताल से कानपुर रेफर किया गया है।

मजदूरों ने 11 दिन बाद किया ब्रश, बदले कपड़े... बताया सुरंग के अंदर गुजरे एक-एक दिन का हाल

सिलक्यारा (उत्तरकाशी)। सुरंग के भीतर फंसे 41 मजदूरों ने बुधवार को जहां ब्रश किया तो वहीं कपड़े भी बदले। मजदूरों के लिए जरूरी खाद्य सामग्री के साथ ही कपड़े और दवाइयां भी भेजी गई। एनएचआईडीसीएल के एमडी महमूद अहमद ने बताया कि चार और छह इंच के लाइफ पाइप से लगातार मजदूरों को खाद्य सामग्री भेजी जा रही है। उन्होंने बताया कि बुधवार को उन्हें रोटी, सब्जी, खिचड़ी, दलिया, संतरे और केले भेजे गए। वहीं उन्हें टीशर्ट, अंडर गारमेंट, टूथपेस्ट और ब्रश के साथ ही साबुन भी भेजा गया। मजदूरों ने कपड़े बदले, मुंह हाथ धोया और भोजन किया है। उन्होंने बताया कि टेलीस्कोपिक कैमरे की मदद से सभी मजदूरों को देखा गया है। अभी तक केवल टेलीस्कोपिक कैमरे से ही सुरंग के भीतर मजदूरों की सूरत देखी जा रही थी लेकिन बुधवार को दिन में एसडीआरएफ और एनडीआरएफ की टीम ने यहां ऑडियो सिस्टम भी तैयार किया। इसके लिए सुरंग के भीतर छह इंच के पाइप के माध्यम से माइक्रो फोन और स्पीकर भेजे गए। सभी से बातचीत कर-के चिकित्सकों ने उनके हालचाल जाने। सचिव डॉ. नीरज खैरवाल ने बताया कि दो मजदूरों ने सुबह पेट दर्द की शिकायत बताई थी, क्योंकि लंबे समय से वह बिना अन्न थे। केवल ड्राई फ्रूट आदि खा रहे थे। उन्हें पाइप के माध्यम से तत्काल दवाएं भेजी गईं, जिसके बाद शिकायत नहीं आई। सिलक्यारा, उत्तरकाशी में 11 दिन से सुरंग में कैद 41 मजदूरों को निकालने के लिए बुधवार देर रात पाइप उनके करीब पहुंच गया था।

टेक कंपनियों के साथ सरकार की बैठक संपन्न, डीपफेक के खिलाफ 10 दिन के अंदर बनेगा नया कानून

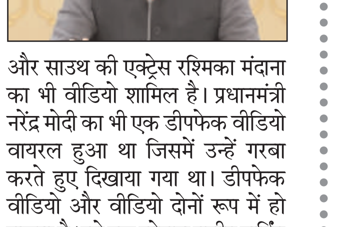

नई दिल्ली। डीपफेक के मुद्दे पर सोशल मीडिया कंपनियों के साथ बैठक के बाद केंद्रीय संचार, इलेक्ट्रॉनिक्स और आईटी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा है कि हम सभी इस बात पर सहमत हुए हैं कि अगले लगभग 10 दिनों के भीतर डीपफेक के खिलाफ स्पष्ट और कार्रवाई योग्य कानून लेकर आएंगे। सभी टेक कंपनियों ने कहा है कि डीपफेक को फ्री स्पीच के तहत नहीं रखा जा सकता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और अन्य टेक कंपनियों ने कहा है कि डीपफेक कुछ ऐसा है जो वास्तव में समाज के लिए हानिकारक है। आज इसे रेगुलेट करने के लिए मसौदा तैयार करना शुरू कर दिया जाएगा। बहुत ही कम समय में डीपफेक को लेकर नया कानून जनता के सामने हाजिर होगा। मंत्री ने कहा कि डीपफेक लोकतंत्र के लिए एक नया खतरा बनकर उभरा है। वैष्णव ने कहा, "हमारी अगली बैठक दिसंबर के पहले सप्ताह में होगी जो आज के फैसलों पर आधारित होगी। अगली बैठक में यह तय होगा कि डीपफेक को रेगुलेट करने वाले नियमों में क्या शामिल किया जाना चाहिए। बता दें कि पिछले कुछ दिनों में कई सारे डीपफेक वीडियोज वायरल हुए हैं जिनमें सचिन तेंदुलकर की बेटी और साउथ की एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना का भी वीडियो शामिल है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भी एक डीपफेक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें उन्हें गरबा करते हुए दिखाया गया था। डीपफेक वीडियो और वीडियो दोनों रूप में हो सकता है। इसे एक स्पेशल मशीन लर्निंग का इस्तेमाल करके बनाया जाता है जिसे डीप लर्निंग कहा जाता है। डीप लर्निंग में कंप्यूटर को दो वीडियोज या फोटो दिए जाते हैं जिन्हें देखकर वह खुद ही दोनों वीडियो या फोटो को एक ही जैसा बनाता है। यह ठीक उसी तरह है जैसे बच्चा किसी चीज की नकल करता है। इस तरह के फोटो वीडियोज में हिडेन लेयर्स होते हैं जिन्हें सिर्फ एडिटिंग सॉफ्टवेयर से ही देखा जाता है। एक लाइन में कहें तो डीपफेक, रियल इमेज-वीडियोज को बेहतर रियल फेक फोटो-वीडियोज में बदलने की एक प्रक्रिया है। डीपफेक फोटो-वीडियोज फेक होते हुए भी रियल नजर आते हैं।

राजोरी मुठभेड़ में बड़ी सफलता : ढांगरी हमले का मास्टरमाइंड आतंकी कॉरी समेत दो ढेर, हथियार बरामद

राजोरी। जम्मू संभाग के जिला राजोरी के बाजीमाल में गुरुवार दूसरे दिन भी मुठभेड़ हुई। इस ऑपरेशन में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार, यहां दो आतंकियों को मार गिराया गया है। उनके पास से हथियार और गोला बारूद भी बरामद किया गया है। अभी तलाशी अभियान जारी है। पीआरओ डिफेंस ने बताया कि गोलीबारी के दौरान पाकिस्तानी आतंकवादी कॉरी मारा गया है। उसे पाक और अफगान मोर्चे पर प्रशिक्षित किया गया है। कॉरी लश्कर-ए-तैयबा का उच्च रैंक आतंकवादी कमांडर था। वह पिछले एक साल से अपने ग्रुप के साथ राजोरी और पुंछ में सक्रिय था। उसे ढांगरी और कंडी हमलों का मास्टरमाइंड भी माना जाता है। इन आतंकियों को इन क्षेत्रों में आतंकवाद को पुनर्जीवित करने के लिए भेजा गया था। वह आईईडी लगाने, गुफाओं से छिपकर हमला करने और प्रशिक्षित स्नाइपर था। इस साल एक जनवरी को राजोरी के ढांगरी में दोहरे आतंकी हमले को अंजाम दिया गया था, जिसमें सात लोगों की मौत हो गई थी। इमसें पांच लोग गोलीबारी में और दो लोग आईईडी ब्लास्ट में मारे गए थे। जिला राजोरी के धर्मसाल के बाजीमाल इलाके में सेना व जम्मू-कश्मीर पुलिस के संयुक्त बलों और आतंकवादियों के बीच मुठभेड़ गुरुवार सुबह एक बार फिर शुरू हुई। बुधवार सुबह 10 बजे शुरू हुई मुठभेड़ रात सात बजे तक जारी रही। अंधेरा होने के कारण नौ घंटे बाद गोलीबारी बंद कर दी गई लेकिन सुरक्षाबलों ने दोनों दहशतगर्दों को घेरा डाले रखा। बलिदान अधिकारियों की पहचान कर्नाटक के कैप्टन एमवी प्रांजल, 63 आरआर/ सिग्नल, आगरा के कैप्टन

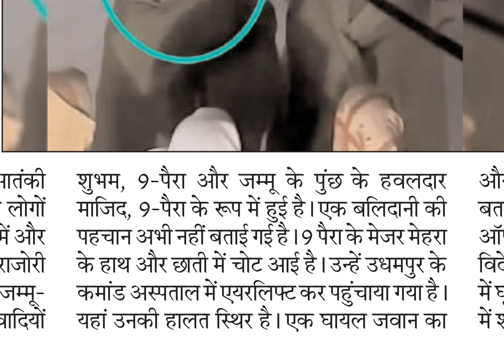

शुभम, 9-पैरा और जम्मू के पुंछ के हवलदार माजिद, 9-पैरा के रूप में हुई है। एक बलिदानी की पहचान अभी नहीं बताई गई है। 9 पैरा के मेजर मेहरा के हाथ और छाती में चोट आई है। उन्हें उधमपुर के कमांड अस्पताल में एयरलिफ्ट कर पहुंचाया गया है। यहां उनकी हालत स्थिर है। एक घायल जवान का इलाज राजोरी में 50 जनरल अस्पताल में चल रहा है। जानकारी के अनुसार, रविवार देर शाम इलाके में दो आतंकियों के मौजूद होने की सूचना के बाद से सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ के जवान चार दिन से तलाशी अभियान चला रहे थे। रविवार शाम को सुरक्षाबलों को सूचना मिली थी कि ब्रेवी क्षेत्र में किसी घर में दो बंदूकधारी संदिग्ध लोग घुसे हैं और खाना खाने बाद फरार हो गए। इसके बाद बड़े पैमाने पर सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया था। ऑपरेशन में खोजी कुत्तों के अलावा ड्रोन से भी तलाशी ली जा रही थी। सीआरपीएफ ने अपने कोबरा कमांडो भी आतंकियों की तलाश में उतारे थे। बुधवार सुबह सुरक्षाबलों ने क्षेत्र में घुसे आतंकियों को ढूंढ निकाला और इसके बाद दोनों ओर से गोलीबारी शुरू हो गई जो रात 7 बजे जाकर थमी। सैन्य सूत्रों ने बताया कि घिरे हुए दोनों आतंकवादियों को ढेर करने के लिए अतिरिक्त सैन्य बल बुलाए गए हैं। घेरे को और मजबूत बनाया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि अतिरिक्त सैनिकों को शामिल करके ऑपरेशन तेज कर दिया गया है। दोनों आतंकवादी विदेशी नागरिक प्रतीत होते हैं और रविवार से इलाके में घूम रहे थे। उन्होंने कहा कि उन्होंने एक पूजा स्थल में शरण ले रखी थी।

डिफेंस एंड स्पेस सहित विभिन्न सेक्टर में साझेदारी करेगा बेल्जियम, सीएम योगी से मिले राजदूत

लखनऊ। यूरोपियन देश किंगडम ऑफ बेल्जियम के भारत में राजदूत डिडिएर वेंडरहासेल्ट ने गुरुवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके सरकारी आवास पर मुलाकात की। इस दौरान उनके साथ आये चार सदस्यीय दल ने उत्तर प्रदेश में विभिन्न सेक्टरों में साझेदारी के लिए इच्छा व्यक्त की है। खासकर वेस्ट मैनेजमेंट, डिफेंस एंड स्पेस, सोलर प्रोजेक्ट और सेमी कंडक्टर निर्माण के क्षेत्र में बेल्जियम की ओर से गहरी रुचि दिखाई गई है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात के दौरान किंगडम ऑफ बेल्जियम के राजदूत डिडएर वेंडरहासेल्ट ने उत्तर प्रदेश में हुए अभूतपूर्व विकास कार्यों की तारीफ की। इस दौरान वीटो अरबिया साइंस एंड टेक्नोलॉजी एलएलसी के साउथ एशिया और इंडिया ऑपरेशंस के लीड इब्राहिम हफीउर रहमान ने कंपनी द्वारा वेस्ट मैनेजमेंट के क्षेत्र में किये गये उल्लेखनीय कार्यों का विवरण भी मुख्यमंत्री के सामने प्रस्तुत किया गया। मुलाकात के दौरान मुख्य रूप से भारत में बेल्जियम दूतावास में प्रथम सचिव पाउला पुपे और फ्लैंडर्स इन्वेस्टमेंट एंड ट्रेड व बेल्जियम की व्यापार आयुक्त बैबेट डेसफोसेज भी शामिल रहीं।

संपादकीय

पढ़ाई करने के लिए घर से निकले बच्चे आखिर क्यों मौत को चुन लेते हैं?

इससे बड़ी विडंबना क्या होगी कि माता-पिता यह चाहते हैं कि उनका बच्चा पढ़ाई-लिखाई पूरी कर जिंदगी में ऊंचा मुकाम हासिल करे, लेकिन इसके लिए जो दबाव की स्थितियां पैदा की जाती हैं, उसमें कई बच्चों की जिंदगी तक छिन जाती है। पिछले कुछ सालों से यह हकीकत लगातार सामने आ रही है कि इंजीनियरिंग या चिकित्सा की पढ़ाई करने के लिए बच्चों का दाखिला राजस्थान के कोटा जैसे कुछ खास शहरों में कराया जाता है, मगर वहां उपजे दबाव को नहीं सह पाने की वजह से कई बच्चे आत्महत्या तक कर ले रहे हैं। ऐसी घटनाओं में इजाफे ने हर तरफ चिंता पैदा की है, मगर आज भी बहुत सारे अभिभावक यह समझ पाने में नाकाम हैं कि अपना सपना पूरा करने निकले बच्चे आखिर क्यों मौत को चुन लेते हैं। इस मसले पर अब सुप्रीम कोर्ट ने भी चिंता जताई है कि वक्त के साथ ज्यादा सख्त होते प्रतिस्पर्धा के मानदंड के समांतर अभिभावकों की ओर से पैदा किए गए अत्यधिक दबाव को कई बच्चे नहीं झेल पाते हैं और आत्महत्या का रास्ता अख्तियार कर लेते हैं। अदालत की टिप्पणी एक याचिका पर सुनवाई के दौरान सामने आई, जिसमें तेजी से बढ़ते कोचिंग संस्थानों के विनियमन का अनुरोध किया गया है और विद्यार्थियों की आत्महत्या के आंकड़ों का हवाला दिया गया है। इसमें कोई संदेह नहीं कि मेडिकल या इंजीनियरिंग की शिक्षा के लिए उच्च शिक्षण संस्थानों में दाखिले के लिए जो पाठ्यक्रम तैयार किया गया है, उसकी जटिलता के मद्देनजर बच्चों को सामान्य से ज्यादा पढ़ाई करने की जरूरत पड़ती है। इसके लिए उनके अभिभावक वैसे कोचिंग संस्थानों में बच्चों का दाखिला कराते हैं, जिनके बारे में आम धारणा होती है कि वहां से पढ़ाई करने वाले विद्यार्थी आसानी से परीक्षा पास कर जाते हैं। मगर इसके बरक्स हाल के वर्षों में यह हकीकत भी सामने आई है कि इस क्षेत्र में बढ़ती भीड़ की वजह से कड़ी प्रतिस्पर्धा खड़ी हुई है, पैमाने ज्यादा सख्त हुए हैं। कोचिंग संस्थान अपनी छवि चमकाने की मंशा से विद्यार्थियों पर परीक्षा में खुद को सबसे बेहतर साबित करने के लिए जरूरत से ज्यादा दबाव डालते हैं। इसी दबाव से उपजे तनाव को कई बार कुछ बच्चे नहीं झेल पाते हैं और जिंदगी से हार जाते हैं। हालांकि कोचिंग संस्थानों की हकीकत किसी से छिपी नहीं है और आए दिन वहां से बच्चों की आत्महत्या की घटनाएं सामने आती रहती हैं। इसके बावजूद ऐसे तमाम अभिभावक हैं, जो अपने बच्चों को चिकित्सक या इंजीनियर बनाने के लिए वहां पढ़ाई करने भेजते हैं। कई बार ऐसा भी होता है कि जिन बच्चों की रुचि किसी अन्य विषय में पढ़ाई करने की होती है, उन्हें भी उनके अभिभावक मेडिकल या इंजीनियरिंग की तैयारी करने भेज देते हैं। इस होड़ में शामिल अभिभावकों की ओर से उपजे दबाव और तनाव का सामना बच्चों को करना पड़ता है। कोचिंग संस्थानों की अव्यवस्था से लेकर उनके पढ़ाई के स्वरूप निश्चित रूप से कठघरे में हैं और उन्हें जिम्मेदारी से मुक्त नहीं किया जा सकता। मगर अपनी महत्त्वाकांक्षा का बोझ बच्चों से पूरा कराने की होड़ में शामिल अभिभावकों को क्या यह सोचने की जरूरत नहीं है कि इस होड़ का हासिल क्या है? किसी भी समस्या का हल निकालना तभी संभव हो पाता है, जब उसके मुख्य कारणों की पहचान कर ली जाती है। कोटा या कहीं भी पढ़ाई के क्रम में उपजे तनाव का बोझ अगर बच्चों की जिंदगी पर ही भारी पड़ रहा है तो अभिभावकों को यह सोचने की जरूरत है कि आखिर उनका चुनाव क्या है- बच्चों की जिंदगी या फिर ऐसी पढ़ाई, जो उन्हें जानलेवा तनाव के संजाल में झोंक दे!

युद्ध के बजाय शांति और संवाद ही किसी समस्या के समाधान का रास्ता

इजराइल और हमास के बीच जारी युद्ध में प्राथमिक जरूरत इस बात की है कि किसी भी आधार पर सबसे पहले हमले रोके जाएं, क्योंकि इससे अब वहां मानवता के सामने संकट गहराने की स्थिति खड़ी हो चुकी है। निश्चित तौर पर आतंकवाद को करारा जवाब दिया जाना चाहिए, लेकिन अगर इस क्रम में व्यापक पैमाने पर आम लोग मारे जाने लगें और आतंकवादियों को बहुत ज्यादा फर्क नहीं पड़ रहा हो तो ऐसे हमले हमेशा ही सवालों के कठघरे में होंगे। इसलिए ब्रिक्स की बैठक में भारत की यह मांग काफी अहम है कि आतंकवाद से कोई समझौता नहीं होना चाहिए, लेकिन फिलिस्तीन की चिंता का स्थायी समाधान हो। यह छिपा नहीं है कि हमास के हमले के बाद इजराइल की प्रतिक्रिया से शुरू हुए युद्ध ने जो शक्ल अख्तियार कर ली है, उसका शिकार केवल आम लोग हो रहे हैं, भारी तादाद में बच्चे तक मारे जा रहे हैं। दूसरी ओर, युद्ध में बंधक बनाए गए लोगों का मुद्दा एक अलग मानवीय सवाल खड़ा कर रहा है कि दो सशस्त्र पक्षों के टकराव में साधारण लोगों को अपना कवच क्यों बनाया जा रहा है। दरअसल, पिछले कुछ दिनों से हमास और इजराइल के बीच युद्ध के दौरान बंधक बनाए गए लोगों की रिहाई की मांग जोर पकड़ रही है और इसके साथ ही दुनिया भर में इस इलाके में युद्ध रोकने की आवाजें गूंजने लगी हैं। शायद यही वजह है कि बुधवार को इजराइल की कैबिनेट ने एक अस्थायी युद्ध विराम को मंजूरी दे दी है। हालांकि इसकी मुख्य वजह उन पचास बंधकों की रिहाई है, जिनकी सुरक्षित वापसी के लिए इजराइल ने हमास के साथ एक समझौता किया है। इसके तहत चार दिनों के युद्ध विराम के दौरान बंधक रिहा किए जाएंगे। साथ ही अतिरिक्त दस बंधकों की रिहाई पर युद्ध विराम को एक और दिन के लिए बढ़ाया जाएगा। यों यह विचित्र है कि एक ओर बंधकों को आजाद कराने के लिए युद्ध को अस्थायी तौर पर रोका जाएगा, मगर दूसरी ओर गाजा पट्टी में बड़े पैमाने पर जारी इजराइली गोलाबारी, मिसाइल हमलों में अगर आम लोगों की जान जा रही है तो उसे रोकना किसी की प्राथमिकता में नहीं है। हालत यह हो गई है कि युद्ध के दौरान सुरक्षित पनाहगाह के तौर पर घोषित अस्पतालों को भी हमलों का निशाना बनाया जा रहा है और साधारण नागरिकों की जान जा रही है। जाहिर है, यह अंतरराष्ट्रीय कानूनों का स्पष्ट उल्लंघन है, मगर इस पर सवाल उठने के बावजूद इजराइल के हमले जारी हैं और इसमें वैसे आम लोग मारे जा रहे हैं, जो किसी भी रूप में युद्ध के लिए जिम्मेदार नहीं हैं। ऐसे में सबसे पहली जरूरत हमलों पर रोक लगाने की होनी चाहिए। अस्थायी युद्ध विराम जैसे तात्कालिक उपायों के मुकाबले स्थायी समाधान की राह निकालने के लिए सभी स्तर पर पहल की जानी चाहिए। इस लिहाज से देखें तो भारत की मांग की अपनी प्रासंगिकता है। भारत पहले भी आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई का हमेशा समर्थन करता रहा है। इसलिए ब्रिक्स की बैठक में भी भारत का यही स्पष्ट रुख है कि आतंकवाद से कोई समझौता नहीं होना चाहिए। मगर इस क्रम में फिलिस्तीनी नागरिकों के सामने जिस स्तर का संकट खड़ा हो गया है, उसकी चिंता भी वाजिब है। एक स्थायी, ठोस और नीतिगत हल ही मौजूदा समस्या को खत्म कर सकता है। फिलिस्तीन की चिंताओं को दूर करने का आह्वान करते हुए भारत ने जो दो राज्य नीति के तहत समाधान की बात कही है, वह इसी सरोकार से जुड़ा है। यह ध्यान रखने की जरूरत है कि युद्ध के बजाय शांति और संवाद ही किसी समस्या के समाधान का रास्ता है।

भारत में धड़ल्ले से हलाल प्रमाणन प्रमाण पत्र जारी किया जाना चिंता की बात है

प्रह्लाद सबनानी

पिछले कुछ समय से भारत सहित, पूरे विश्व में इस्लाम मजहब के अनुयायियों के लिए हलाल प्रमाणन प्रमाण पत्र प्राप्त उत्पादों के उपयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। हालांकि हलाल प्रमाणन प्रमाण पत्र जारी करने के सम्बंध में कोई प्रक्रिया तय नहीं की गई है और न ही सरकारी तौर पर इस सम्बंध में कोई दिशा निर्देश जारी किए गए हैं, परंतु फिर भी भारत में हलाल प्रमाणन प्रमाण पत्र जारी करने का कार्य विभिन्न संस्थानों द्वारा धड़ल्ले से किया जा रहा है एवं कई विनिर्माण इकाईयों से भारी भरकम राशि हलाल प्रमाणन प्रमाण पत्र जारी करने के एवज में वसूली जा रही है। साथ ही, विनिर्माण इकाईयों पर भी दबाव बनाया जाता है कि वे अपने संस्थानों में इस्लाम मजहब के अनुयायियों की नियुक्ति करें। अब यह भी समझ से परे है कि फैशन, सौंदर्य साधनों, किराने के सामान, सब्जियों, वित्तीय सुविधाओं एवं ढाबे आदि जैसी गतिविधियों को हलाल प्रमाणन प्रमाण पत्र किस प्रकार प्रदान किया जा सकता है? इसी संदर्भ में अभी हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार एवं सुप्रीम कोर्ट ने हलाल प्रमाणन प्रमाण पत्र जारी करने के सम्बंध में जांच के आदेश जारी किए हैं।

दरअसल, इस्लाम मजहब के अनुयायियों के लिए हलाल शब्द बहुत महत्व भरा शब्द है। हलाल का आशय यह बताया जाता है कि मुस्लिम मतावलंबियों के लिए जो वस्तु वैद्य है वह हलाल है और जो वैध नहीं है वह हराम है। ऐसा भी बताया जाता है कि प्रारम्भ में इस्लाम-कुरान में खाने की वस्तुओं, विशेष रूप से मांसाहार, के साथ हलाल शब्द को जोड़ा गया था अर्थात किन वस्तुओं (किस प्रकार के मांसाहार) का खाना हलाल है एवं किन वस्तुओं (किस प्रकार के मांसाहार) का खाना हराम है। परंतु, अब तो हलाल को दैनिक जीवन के प्रत्येक क्षेत्र के साथ जोड़ दिया गया है। जैसे हलाल मांस, हलाल फैशन एवं सौंदर्य के साधन, हलाल किराने का सामान, हलाल सब्जियां, हलाल वित्तीय सुविधाएं, हलाल ढाबे, आदि आदि। कई इस्लामी देशों ने यह तय कर लिया है कि उनके नागरिक केवल हलाल प्रमाणित खाद्य पदार्थों एवं अन्य सुविधाओं का उपयोग करेंगे एवं इन देशों ने हलाल प्रमाणन को कानूनी रूप दे दिया है। कोई उत्पाद हलाल प्रमाणित है इसके लिए बाकायदा विशेष संस्थाओं का गठन किया गया है जोकि हलाल प्रमाणन का प्रमाण पत्र जारी करने में सक्षम है एवं उस प्रमाणन के आधार पर ही सम्बंधित उत्पाद बाजार में बेचा जा सकता है। इन मुस्लिम मजहब बहुल देशों में विदेशों से आयात किए जाने उत्पादों को भी हलाल प्रमाणन के लिए प्रमाण पत्र सबंधित संस्थानों से लेना आवश्यक होता है ताकि ये कम्पनियां अपने उत्पादों को इन इस्लामी देशों को निर्यात कर सकें। चूंकि पूरे विश्व में 50 से अधिक इस्लामी देश हैं एवं मुस्लिम मजहब को मानने वाली बहुत बड़ी आबादी इन देशों में निवास करती है अतः गैर इस्लामी देशों की कम्पनियों को भी हलाल प्रमाणित उत्पाद ही इन देशों को भेजने होते हैं।

वैसे तो हलाल प्रमाणित वस्तुओं का चलन इस्लामी देशों में बहुत लम्बे समय से चला आ रहा है। परंतु हाल ही के समय में इसका कार्य क्षेत्र बढ़ाकर इसे गैर इस्लामी देशों में भी तेजी से फैलाया गया है अर्थात मुस्लिम मजहब के मतावलंबियों को यह प्रेरणा दी जाती है कि वे केवल हलाल प्रमाणित वस्तुओं एवं सेवाओं का ही उपयोग करें। वर्ष 1945 में दक्षिण अफ्रीका की राजधानी केपटाउन में मुस्लिम जुडीशियल कौंसिल हलाल ट्रस्ट की स्थापना की गई थी। इसके बाद हलाल पंजीयन की शुरूआत थाईलैंड में वर्ष 1969 में हुई जो केवल कुवैत में मुर्गी पालन उद्योग से निर्मित पदार्थों के निर्यात तक सीमित था। एक सुनियोजित इस्लाम केंद्रित व्यापार की वास्तविक शुरूआत दक्षिण पूर्वी एशिया के एक देश मलेशिया से हुई थी। वहां वर्ष 1974 में एक डिपार्टमेंट ऑफ इस्लामिक डेवलपमेंट मलेशिया की स्थापना की गई। यह विश्व का ऐसा पहला देश था, जिसने हलाल व्यापार को परिभाषित करने का एक कानून बना दिया। इस प्रक्रिया की गति इतनी तीव्र थी कि वर्ष 1980 तक मलेशिया को ग्लोबल हलाल हब बनाने के प्रयासों को आकार दिया जाने लगा था। वर्तमान में डिपार्टमेंट ऑफ इस्लामिक डेवलपमेंट मलेशिया का नेटवर्क लगभग 45 देशों में फैला हुआ है और कुल लगभग 78 हलाल पंजीयन संस्थाएं इससे जुड़ी हुई हैं। भारत की भी तीन प्रमुख संस्थाएं- हलाल इंडिया, जमियत उलेमा हलाल फाउंडेशन, जमियत उलेमा ए हिंद हलाल ट्रस्ट इसके सदस्य रहे हैं। अब तो विश्व के लगभग सभी इस्लामी देशों एवं अन्य कई गैर इस्लामी देशों में भी हलाल प्रमाणन संस्थाओं का गठन किया जा चुका है। हलाल प्रमाणन संस्थाएं हलाल प्रमाणन प्रमाण पत्र जारी करने के पूर्व एक मोटी रकम विभिन्न वस्तुओं का उत्पादन करने वाली संस्थाओं से हलाल प्रमाणन प्रमाण पत्र जारी करने के एवज में लेती हैं। हलाल प्रमाणन प्रमाण पत्र जारी करने वाली इन संस्थाओं की आय आज करोड़ों अमेरिकी डॉलर में हो गई है। दीनार स्टैंडर्ड, द कैपिटल ऑफ इस्लामिक इकॉनमी और सलाम गेटवे द्वारा प्रकाशित स्टेट आफ ग्लोबल इस्लामिक इकॉनमी रिपोर्ट 2018-19 के अनुसार, हलाल अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों की आय अब अरबों डॉलर में पहुंच गई है और अर्थव्यवस्था के कुछ क्षेत्रों की आय इस प्रकार बताई गई है- हलाल ट्रैवल क्षेत्र- 17,700 करोड़ अमेरिकी डॉलर; हलाल फूड क्षेत्र- 130,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर; हलाल वित्तीय क्षेत्र- 243,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर; हलाल फैशन क्षेत्र- 27,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर, हलाल फार्मा क्षेत्र- 8,700 करोड़ अमेरिकी डॉलर; हलाल कासमेटिक क्षेत्र- 6,100 करोड़ अमेरिकी डॉलर। अब यह अनुमान लगाया जा रहा है कि हलाल प्रमाणित व्यापार यदि इसी रफ्तार से आगे बढ़ता रहा तो वर्ष 2023 तक हलाल अर्थव्यवस्था का अनुमानित व्यापार 3 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर का हो जाएगा, जोकि विश्व के कई विकसित देशों जैसे कनाडा, दक्षिण कोरिया, ब्राजील, इटली, स्पेन, आदि के सकल घरेलू उत्पाद से भी कहीं अधिक होगा। विश्व में चूंकि मुस्लिम मतावलंबियों की संख्या बहुत अधिक है अतः अब विभिन्न वस्तुओं एवं सेवाओं को धर्म के आधार पर बेचे जाने के प्रयास किए जा रहे हैं ताकि मुस्लिम मतावलंबियों द्वारा उपयोग की जाने वाली वस्तुओं एवं सेवाओं को मुस्लिम संस्थानों द्वारा ही निर्मित किया जा सके एवं अगर अन्य धर्मों को मानने वाले अनुयायियों द्वारा इन उत्पादों का निर्माण किया जाता है और यदि वे अपने उत्पादों को मुस्लिम मतावलंबियों के बीच बेचना चाहते हैं तो उनके लिए भी हलाल प्रमाणन प्रमाण पत्र प्राप्त करना आवश्यक हो जाए। इस प्रकार, विभिन्न उत्पाद निर्माण करने वाली कम्पनियों को अपने व्यापार का विस्तार करने के उद्देश्य से हलाल प्रमाणन प्रमाण पत्र लेना अब एक आवश्यकता बन चुका है।

इसराइल हमास युद्ध-सीमित अवधि का मानवीय संघर्ष विराम समझौता लागू

वैश्विक स्तरपर कुछ देशों में आपसी मनमुटाव के संघर्ष जैसे रूस-यूक्रेन व इजरायल-हमास युद्ध का रूप धारण कर लिया है,जिसके पीछे पूरी दुनिया के देशों का पक्ष, विपक्ष समर्थन और न्यूट्रल के रहने से दुनियां तीन खेमों में बट गई थी है, जिसका परिणाम तीसरे विश्व युद्ध की ओर बढ़ते कदमों से पूरी मानव जाति चिंतित है। परंतु दिनांक 22 नवंबर 2023 को अमेरिका मिस्त्र और कतर की मध्यस्थता का सराहनीय परिणाम मानवीय संघर्ष विराम समझोता जो अभी चार-पांच दिनों का है और पूरी संभावना है कि इसकी अवधि जरूर बढ़ेगी,उसने फिर एक बार दिखा दिया है कि आपसी वार्ता में दम है, यही वह अस्त्र है जिससे बढ़ती मानवीय जनहानि,प्राकृतिक संसाधनों का विनाश और भयंकर युद्ध के प्रकोप को रोका जा सकता है। एक ओर यह सफलता मिली है तो दूसरी ओर अब रूस-यूक्रेन युद्ध में भी यह प्रयास किए जाने चाहिए। चूंकि कूटनीतिक जीत के सफल नतीजे आए हैं। इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, इजराइल कैबिनेट ने मानवीय संघर्ष विराम समझौता 35/3 से पारित कर वार्ता से सफलता मिलने की कहावत पर मोहर लगाई है।

साथियों बात अगर हम इजराइल हमास युद्ध विराम के लिए मानवीय संघर्ष विराम समझौते की करें तो,बुधवार को सुबह कतर के विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में इसकी घोषणा की गई और इसे मिस्त्र, अमेरिका और कतर द्वारा मानवीय संघर्ष विराम के लिए की गई मध्यस्थता की वार्ता का नतीजा बताया।बयान में कहा गया है, युद्धविराम चार दिन का होगा। इसमें विस्तार की भी संभावना है।बयान के अनुसार, समझौते के तहत, इजराइल द्वारा पकड़े गए फलस्तीनी कैदियों की रिहाई के बदले में हमास द्वारा कब्जे में लिए गए 50 बंधकों की रिहाई होगी। दोनों पक्षों द्वारा रिहा किए जाने वालों में महिलाएं और बच्चे शामिल हैं। बाद के चरणों में रिहा किए जाने वाले बंधकों की संख्या बढ़ सकती है।बयान के मुताबिक, इस समझौते से गाजा में मानवीय सहायता की आपूर्ति भी बढ़ेगी और युद्धविराम से बड़ी संख्या में मानवीय सहायता एवं राहत सामग्री आपूर्ति वाहनों के काफिलों को जाने की अनुमति मिल जाएगी जिनमें ईंधन की आपूर्ति भी शामिल है। इजराइल कैबिनेट बैठक से पहले जोर दिया कि समझौता इजराइल की सेना के अभियान से हमास पर दबाव बढ़ने का नतीजा है। उन्होंने कहा कि हमास को खत्म करने, सभी बंधकों की रिहाई सुनिश्चित करने और इजराइल की सुरक्षा को गाजा से कोई खतरा नहीं होने की पुष्टि समेत सारे लक्ष्य हासिल होने तक युद्ध जारी रहेगा। इजराइल और हमास बुधवार को चार दिन के अस्थायी युद्ध विराम पर सहमत हो गए जिससे 150 फलस्तीनी कैदियों की रिहाई के बदले गाजा में चरमपंथी समूह द्वारा बंधक बनाए गए 50 लोगों की रिहाई होगी और क्षेत्र में मानवीय सहायता आपूर्ति की अनुमति मिलेगी।

साथियों बात अगर हम समझौते पर अमेरिका इजरायल की टिप्पणियों की करें तो, अमेरिका के राष्ट्रपति ने एक बयान में कहा, मैं कतर के शेख और मिस्त्र के राष्ट्रपति के अहम नेतृत्व और इस समझौते पर पहुंचने में उनकी भागीदारी के लिए उनका शुक्रिया अदा करता हू।उन्होंने कहा, मैंइजराइल प्रधानमंत्री और उनकी सरकार की उस प्रतिबद्धता की सराहना करता हूं जिन्होंने इस समझौते को पूरी तरह से लागू करने और गाजा में निर्दोष फलस्तीनी परिवारों की पीड़ा को कम करने के लिए अतिरिक्त मानवीय सहायता के प्रावधान सुनिश्चित करने के वास्ते एक विस्तारित विराम का समर्थन किया।यह घोषणा इजराइल के प्रधानमंत्री की उस टिप्पणी के बीच आई है जिसमें उन्होंने कहा था, हमारे सभी लक्ष्य हासिल होने तक युद्ध जारी रहेगा।तेल अवीव में करीब छह घंटे चली बैठक बुधवार को सुबह खत्म हुई। बैठक के बाद इजराइल कैबिनेट ने कतर, मिस्त्र और अमेरिका की मध्यस्थता वाले समझौते को तीन के मुकाबले 35 वोट से मंजूरी दी।

साथियों बात अगर हम इस समझौते में अमेरिका कतर मिस्त्र तुर्की के योगदान की करें तो, बाइडेन ने इस डील को संभव बनाने के लिए कतर के शेख और मिस्त्र के राष्ट्रपति को धन्यवाद दिया। कतर पिछले समय में भू-राजनीतिक गतिविधियों का बड़ा केंद्र बनकर उभरा है। बता दें कि अमेरिका हमास के साथ डायरेक्ट डील में शामिल न होकर कतर के जरिये इसमें साथ रहा। ऐसा इसलिए है क्योंकि इजरायली हमले में अमेरिकी नागरिक भी मारे गए थे, और कुछ अमेरिकी अभी हमास की कैद में हैं।कतर के प्रधान मंत्री ने रविवार को कहा था कि अस्थायी युद्धविराम के बदले में कुछ बंधकों को मुक्त करने का समझौता मामूली व्यावहारिक मुद्दों की वजह से रुका है और इसमें जल्द कामयाबी मिलेगी। वहीं सोमवार को, अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा था कि उनका मानना ??है कि बंधकों को मुक्त करने का समझौता करीब है।जब उनसे पूछा गया कि क्या बंधक समझौता निकट है, तो उन्होंने कहा मुझे ऐसा विश्वास हैइस पीस डील के सिलसिले में पिछले कुछ दिनों में मोसाद चीफ कतर की राजधानी दोहा के दौरे पर भी गए थे। यहां उनकी कई शीर्ष नेताओं से गुप्त मुलाकात हुई थी, लेकिन तब बात नहीं बनी थी। दरअसल इजरायली पीएम अपने रुख में किसी किस्म की नरमी का संकेत दुनिया को नहीं देना चाहते थे। वे हमेशा से यही कहते रहे कि वे अपने सभी 240 बंधकों की रिहाई चाहते हैं इसके अलावा वे हमास का खात्मा भी चाहते हैं। यही वजह है कि सीजफायर के बावजूद वे कह रहे हैं कि जंग को बंद समझना बकवास है। इस पीस डील को मुकाम पर पहुंचाने में कतर, मिस्त्र के अलावा तुर्किये ने भी अहम भूमिका निभाई है। तुर्किये कुछ मुस्लिम देशों के सीनियर अधिकारियों को मिलाकर बने ग्रुप में सक्रियता से काम कर रहा था। ये ग्रुप इजरायल हमास में सीजफायर के लिए सुरक्षा परिषद के स्थायी सदस्यों और दूसरे अहम देशों से बात कर रहा था। इस ग्रुप में तुर्किये, कतर, मिस्त्र, जॉर्डन, नाइजीरिया, सऊदी अरब, इंडोनेशिया, फिलिस्तीन के विदेश मंत्री और प्रतिनिधि शामिल हैं।इजरायली पीएम को युद्ध विराम का फैसला लेने के लिए कैबिनेट की मंजूरी लेनी पड़ी। कैबिनेट की मीटिंग शुरू होने से पहले पीएम ने कहा- आज रात हमारे सामने एक कठिन फैसला लेना है, लेकिन ये सही फैसला है। दरअसल उनपर बंधकों के परिवारों का दबाव है जो चाहते हैं कि उनके प्रियजन हमास की कैद से बाहर निकलें। लेकिन वे नरमी का कोई संकेत नहीं देना चाहते हैं. इधर बिना नरमी यानी कि युद्धविराम के हमास से बात बनने वाली नहीं है।कैबिनेट मीटिंग के दौरान इजरायल की विपक्ष ने सरकार को आगाह किया कि इस डील से हमास की कैद में मौजूद सभी इजरायली बंधकों को छुड़ाने की इजरायल की काबिलियत पर नकारात्मक असर पड़ेगा। इसके अलावा हमास को मिटाने के इजरायल के मिशन को और भी जटिल बनादेगा। विपक्षी नेताओं ने कहा कि एक बार जंग को अस्थायी रुप से रोकने के बाद इसे फिर से शुरू करने में कई दिक्कतें आएंगी।

युद्ध से किसी का भला नहीं होता, इजराइल-हमास की तरह रूस-यूक्रेन को भी संघर्षविराम करना चाहिए

ललित गर्ग

इजरायल-हमास के बीच जारी युद्ध किस करवट बैठेगा, इसकी कोई भविष्यवाणी नहीं कर सकता। डेढ़ माह से चल रहे इस युद्ध को विराम देने की कामना पूरी दुनिया कर रही है। सब शांति चाहते हैं, अयुद्ध चाहते हैं, अमन-चैन की भावना सभी के दिलों में है। लेकिन शांति एवं अयुद्ध की कामना के साथ कहीं-न-कहीं सोच में भयंकर भूल है। प्रतीत ऐसा हो रहा है बात युद्ध-विराम की हो और कार्य हों युद्ध के तो युद्ध-विराम कैसे होगा? इतने लम्बे युद्ध की विडम्बना यही है कि इजरायल पूरी ताकत लगाने के बावजूद अपने मिशन में कामयाब नहीं हो पाया है। न तो वह हमास को खत्म कर पाया है और न ही बंधक बनाए गए अपने लोगों को छुड़ा पाया है। 47 दिन से चल रहे इस युद्ध का एक और सार तत्व जो सामने आ रहा है वह यह कि करीब चौदह हजार लोगों की मौत हो चुकी है और इससे दोगुने घायल हुए हैं। इस युद्ध की एक और बड़ी विसंगति यही है कि मरने वालों में अधिकतर आमजन, महिलाएं और बच्चे हैं। युद्ध अनिवार्य हो सकता है, फिर भी युद्ध के बारे में उसका अंतिम सुझाव या निर्णय यही है कि युद्ध में किसी भी पक्ष की जीत निश्चित हो। लेकिन इस युद्ध में तो कोई भी जीतता हुआ प्रतीत ही नहीं हो रहा है।

हिंसा एवं जनसंहार तो निश्चित है पर यह समस्या का स्थायी समाधान नहीं है। युद्ध आज के विकसित मानव समाज पर कलंक का टीका है। युद्ध करने वाले और युद्ध को प्रोत्साहन देने वाले किसी भी पक्ष को आज तक ऐसा कोई महत्वपूर्ण प्रोत्साहन नहीं मिला, जो उसे गौरवान्वित कर सके। निश्चित ही युद्ध तो बबार्दी है, अशांति है, विकास का अवरोध है, अस्थिरता है और जानमाल की भारी तबाही है। ऐसे युद्ध का अन्तिम निर्णय जब समझौते की टेबल पर ही होना है तो क्यों नहीं पहले ही टेबल पर बैठा जाये? युद्ध तो एक आग है, जो सब कुछ भस्म कर देती है। हम इजरायल-हमास एवं रूस-यूक्रेन के युद्ध में ऐसी ही भारी तबाही, जनसंहार एवं विभीषिका देख रहे हैं। इन दोनों युद्ध से जुड़े अनेक सवाल अहम हैं, लेकिन इनका जवाब देने वाला कोई नहीं है। दो देशों के बीच युद्ध में निर्णायक अथवा मध्यस्थ की भूमिका निभाने वाला संयुक्त राष्ट्र भी युद्ध समाप्त करने की अपील से अधिक कुछ नहीं कर पा रहा। भारत ने भी ऐसे अनूठे प्रयास किये, लेकिन उनकी निर्णायक भूमिका नहीं बन पायी। भले ही भारत के प्रयास सफल न हो रहे हों, लेकिन ऐसे ही प्रयासों की आज प्रासंगिकता है। इन्हीं में युद्ध का अंधेरा नहीं, शांति का उजाला है, जो विश्व मानवता के हित में है। भारत ने युद्ध विराम की कोशिशों के साथ मानवीय दृष्टिकोण भी दर्शाया है। भारत ने लगातार पीड़ित लोगों की सहायता के लिये राहत सामग्री एवं दवाइयां भिजवाई हैं। भारत की पहल की संयुक्त राष्ट्र महासभा में रुचिरा कंबोज ने प्रशंसा करते हुए कहा कि भारतीय नेतृत्व का संदेश स्पष्ट और सुसंगत रहा है। हम आतंकवाद के सभी स्वरूपों का दृढ़ता से विरोध करते हैं। इस्राइल और हमास के बीच पिछले कई दिनों से युद्ध जारी है, कम्बोज ने भारत के मानवीय आधार पर युद्ध विराम के प्रयासों को सराहा। इसके साथ ही अंतरराष्ट्रीय समुदाय के उन प्रयासों की भी सराहना की है जिनका उद्देश्य तनाव कम करना और फिलीस्तीन के लोगों को तत्काल मानवीय सहायता प्रदान करना है। कंबोज ने 70 टन आपदा राहत सामग्री पहुंचाने सहित फिलीस्तीन के लोगों को मानवीय सहायता प्रदान करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया। इनमें दो किस्तों में 17 टन दवाएं और चिकित्सा आपूर्ति शामिल हैं।

युद्ध की स्थितियां लगातार विकराल होती जा रही हैं, इस संघर्ष में एक तरफ है इजरायल की सेना और दूसरी तरफ है आतंकी संगठन हमास, जो फिलीस्तीन को फिर से जिंदा करने के पक्ष में हैं। इजरायल ने हमास को नेस्तनाबूत करने की घोषणा की है, जबकि हमास ने दशकों पहले दुनिया के नक्शे से इजरायल का नामो-निशान मिटा देने की कसम खा रखी है। इस संघर्ष को लेकर दुनिया के देश भी अलग-अलग गुटों में बंट गए हैं, विरोधाभासी सोच सामने आ रही है। सब इस बात को भलीभांति जानते हैं कि ऐसे युद्ध के विनाश से उपजे हालात सदियों तक मानवता को भोगने पड़ते हैं। युद्ध भौतिक हानि एवं विनाश के अतिरिक्त मानवता के अपाहिज और विकलांग होने में भी बहुत बड़ा कारण है। इससे पर्यावरण इतना प्रदूषित हो जाता है कि सालों तक इंसानों को शुद्ध सांस और भोजन मिलना मुश्किल हो जाता है। वैज्ञानिक इस बात की घोषणा कई बार कर चुके हैं कि युद्ध में प्रत्यक्ष रूप से भाग लेने वाले कम और दुष्परिणामों का शिकार बनने वाले संसार के सभी प्राणी होते हैं।

युद्ध कितना भी लम्बा चले, उसका अंत समझौते से ही संभव है, यह अन्तिम शरण प्रारंभिक शरण बननी चाहिए। इसके लिये दुनिया की महाशक्तियों को सच्चे एवं शुद्ध मन से प्रयास करने चाहिए। गाजा पट्टी में मानवीय सहायता की अपील करने वाला अमेरिका, इजरायल को हथियार और गोला-बारूद मुहैया करवा रहा है। वहीं गोला-बारूद गाजा पट्टी के निहत्थे लोगों पर दागा जा रहा है। कुछ एक्सपर्ट्स का कहना है कि इजरायल पर अचानक हुए हमले में ईरान का हाथ हो सकता है। ईरान के नेता हमास के हमले को प्रोत्साहन और समर्थन के साथ युद्ध को आक्रामक बनाये रखने और इजरायल को ध्वस्त करने पर बल दे रहे हैं। हालातों को देखते हुए यही प्रतीत होता है कि हालिया जंग के पीछे ईरान है और वो अपने मंसूबे में कामयाब होता दिख रहा है। निश्चित ही दोनों पक्षों के हजारों लोग पीड़ित होंगे, लेकिन जब धुआं शांत हो जाएगा, तो केवल एक ही देश के हित पूरे होंगे और वो देश है ईरान। इन हालातों में युद्ध को समाप्त करने की कोई भी पहल सार्थक साबित हो तो कैसे?

इजरायल-हमास की ही तरह रूस और यूक्रेन युद्ध भी 600 से अधिक दिन से चल रहा है। इस युद्ध में दस हजार से अधिक मौतें हो चुकी हैं। इस युद्ध में एक तरफ रूस है तो दूसरी तरफ यूक्रेन है, जिसके पीछे अमेरिका खड़ा है। निःसंदेह हमास ने इजरायल पर जिस तरह की बर्बरता, क्रूरता एवं अमानवीयता की, उसकी जितनी निंदा की जाए उतनी ही कम है। सवाल यह है कि गाजा पट्टी पर इजरायली हमलों में निर्दोष लोग जिस तरह से मारे जा रहे हैं, क्या बदले की कार्रवाई की आड़ में वह भी हमास जैसी बर्बरता एवं अमानवीयता नहीं है? शरणार्थी शिविरों, स्कूलों और अस्पतालों पर बमबारी को तो किसी भी तरह से न्यायसंगत नहीं माना जा सकता। यह भी बर्बरता ही है, जिसका समर्थन नहीं किया जा सकता। इजरायल पर हमले के लिए हमास दोषी है, तो उसे सबक सिखाया जा सकता है। लेकिन, जवाबी कार्रवाई के नाम पर निहत्थे लोगों को निशाना बनाने का तो कोई समर्थन कैसे कर सकता है? ऐसी स्थितियां तो युद्ध नीति के भी विरुद्ध हैं। हिंसा, उन्माद एवं आतंक की धरती पर शांति की पौध नहीं उगायी जा सकती। अशांत विश्व को शांति का सन्देश देने के लिये भारत को अधिक प्रयत्न करने होंगे। क्योंकि युद्ध के भयावह दुष्परिणामों से समस्त विश्व भयाक्रांत है, इसीलिये अब इजरायल-हमास और रूस तथा यूक्रेन में युद्ध-विराम की आवाज चारों ओर से उठ रही है। इन दोनों युद्धों के भयंकर कदमों के पीछे बहुत छोटे कारण, संकीर्णताएं एवं वैचारिक मतभेद रहे हैं। संसार में आज तक कोई भी अच्छा युद्ध एव बूरी शांति कभी नहीं हुई, जब शांति ही अच्छी और युद्ध ही बुरा है तो यह समझ व्यापक बननी ही चाहिए।

संजय सिंह की गिरफ्तारी के खिलाफ 25 लाख घरों में दस्तक देंगे आप कार्यकर्ता

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर।आम आदमी पार्टी ने आज प्रदेश के हर जनपद में घर-घर दस्तक देकर पर्चे बांटे। इन पर्चों में संजय सिंह की गिरफ्तारी का सच बताने का प्रयास किया गया है। गौरतलब है कि पूरे प्रदेश में आज से आम आदमी पार्टी प्रदेश के सभी जिलों में अभियान चलाकर प्रथम चरण में 25 लाख घरों में दस्तक देगी। अभियान के तहत कार्यकता हर घर पहुंच कर अपने सांसद व उप्र प्रभारी संजय सिंह की ईडी द्वारा की गयी अवैध गिरफ्तारी का काला सच उजागर कर रहे हैं।

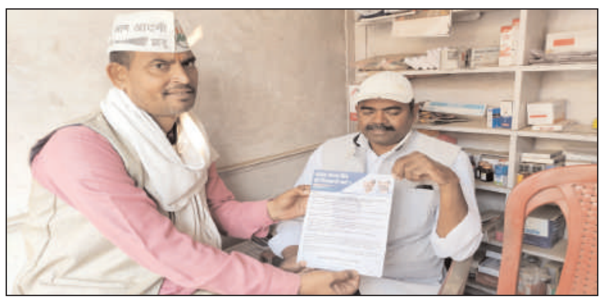

मंगलवार को अभियान के तहत पार्टी कार्यकताओं ने घर-घर दस्तक दी। घर में मौजूद लोगों को दो पेज का दस्तावेज देकर बताया गया कि केंद्र सरकार के इशारे पर की गयी है। पर्चे में नारा दिया गया है कि मरना मंजूर है पर डरना नहीं। मतलब साफ है कि पार्टी नेता,कार्यकता अब दबने व डरने वाले नहीं है। वह संजय सिंह की लड़ाई को आर-पार ले जाना चाहते हैं। पर्चा बांट रहे कार्यकताओं का जोश बढ़ाने के लिए जिलाध्यक्ष के नेतृत्व में टुकड़ियां बनायी गयी हैं। जो अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर दस्तक दे रही हैं।

इस मौके पर जिलाध्यक्ष विवेक राय ने बताया कि संजय सिंह आम आदमी की आवाज, पटरी-रेहड़ी, दुकानदारों, पिछड़ों-दलितों की आवाज को संसद में उठा रहे थे तो उन्हें संसद से निलंबित किया गया। नागेन्द्र यादव प्रदेश सचिव एवं वाराणसी मंडल प्रभारी किसान प्रकोष्ठ नेआवज उठाते हुए रमवल, सोनवल, खजुहा धधनी आदि गांवों में हैंडबिल बटाते हुए बताया कि जब उन्होंने किसानों के संघर्ष की आवाज उठाई तो उन्हें ईडी का डर दिखाया गया। लेकिन संजय सिंह तब और हमलावर हो गये और उन्होने प्रधानमंत्री और अडानी के भ्रष्टाचार का सच उजागर करना शुरू कर दिया। जिला उपाध्यक्ष जावेद खान नेकहा कि संजय सिंह ने जब केंद्र सरकार और उप्र सरकार के भ्रष्टाचार को उजागर करना शुरू किया तो संजय सिंह को जेल भेजने की साजिश रची गयी। वरिष्ठजिलाध्यक्ष सुभाष चंद्र मौर्य ने कहा कि संजय सिंह ने राजनीति का स्वच्छ चेहरा बनने की कोशिश की और काले कारनामों से दूर रहे। कोरोना काल में आम आदमी के लिए संघर्ष करना हो चाहे सबके लिए आगे आकर लड़ना हो, सबमें संजय सिंह सबसे आगे खड़े रहे। उन्होंने कहा कि संजय सिंह ने किसान बिल पर मोदी सरकार को घेरा ।अडानी की लूट का पदार्फाश किया। केंद्र सकरार के भ्रष्ट व संगीन अपराधों का खुलासा करते हुए मोदी-अडानी गठजोड़ के जरिये देश को लूटने की साजिशों का बुलंद आवाज में विरोध किया।

जखनिया विधानसभा अध्यक्ष ने कहा कि संजय सिंह की इन्हीं सब नीतियों और केजरीवाल सरकार के माडल के प्रति लोगों का रुझान बढ़ते देख मोदी सरकार ने अपने दोनों नुमाइंदों ईडी और सीबीआई के जरिये पहले सत्येंद्र जैन और मनीष सिसोदिया को जेल में डाला और शराब नीति के झूठे बवंडर में सबको घेरने की कोशिश कर आम आदमी पार्टी को खत्म करने की साजिश रची। इसी में संजय सिंह को भी घेरा गया। दिलचस्प यह है कि आज तक ईडी और सीबीआई एक भी सुबूत पेश नहीं कर सकी है।

कायस्थ महासभा ने विश्वप्रसिद्ध वैज्ञानिक जगदीश चन्द्र बसु की मनाई पुण्यतिथि

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। गुरुवार को अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के तत्वावधान में महासभा के जिलाध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव की अध्यक्षता में उनके चंदन नगर स्थित आवास पर विश्व प्रसिद्ध वैज्ञानिक डॉ.जगदीश चन्द्र बसु की पुण्यतिथि पर विचार गोष्ठी आयोजित हुई। महासभा के जिलाध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए दुनिया का महान वैज्ञानिक बताया। उन्होंने कहा कि उन्हें भौतिकी, जीव विज्ञान, वनस्पति विज्ञान तथा पुरातत्व का अभूतपूर्व ज्ञान था। वह पहले वैज्ञानिक थे जिन्होंने रेडियो और सुक्ष्म तरंगों की प्रकाशिकी पर कार्य किया। वनस्पति विज्ञान में उन्होंने कई महत्वपूर्ण खोजें की। साथ ही वह भारत के पहले वैज्ञानिक शोधकर्ता थे। उन्हें रेडियो विज्ञान का जनक माना जाता है। गोष्ठी आरंभ होने के पूर्व महासभा के सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया। इस अवसर पर मुख्य रूप से मुक्तेश्वर प्रसाद श्रीवास्तव, चन्द्र प्रकाश श्रीवास्तव, शैल श्रीवास्तव, पियूष श्रीवास्तव, विवेक श्रीवास्तव, मनीष श्रीवास्तव, स्वामी अनिल कुमार श्रीवास्तव शैलेन्द्र श्रीवास्तव, मोहनलाल श्रीवास्तव, प्यारे मोहन श्रीवास्तव,

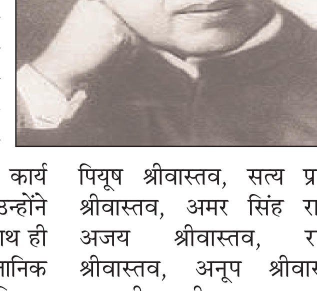

पियूष श्रीवास्तव, सत्य प्रकाश श्रीवास्तव, अमर सिंह राठौर, अजय श्रीवास्तव, राजेश श्रीवास्तव, अनूप श्रीवास्तव, अश्वनी श्रीवास्तव, नवीन श्रीवास्तव आदि उपस्थित थे। इस गोष्ठी की अध्यक्षता महासभा के जिलाध्यक्ष अरुण कुमार श्रीवास्तव एवं संचालन जिला महामंत्री अरूण सहाय ने किया।

राजा बलदेव दास बिड़ला अस्पताल में आठ बेड का डायलिसिस यूनिट का हुआ लोकार्पण

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। मच्छोदरी स्थित राजा बलदेव दास बिड़ला अस्पताल में जनमानस की सेवा भावना के स्वरूप को विस्तारित करते हुए 23 नवम्बर गुरुवार कों नवीनीकृत आधुनिक स्वास्थ सुविधाओं सहित आठ बेड के डायलिसिस यूनिट का लोकार्पण अशोक तिवारी महापौर नगर निगम वाराणसी और शहर दक्षिणी, वाराणसी के लोकप्रिय विधायक एवं पूर्व राज्य मंत्री (उत्तर प्रदेश सरकार) डॉ. नीलकंठ तिवारी के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन कर किया गया` डायलिसिस यूनिट का लोकार्पण करते हुए महापौर अशोक तिवारी ने कहा कि जल्द ही बिड़ला अस्पताल के लीज का नवीनीकरण कराकर मैं अस्पताल प्रबंधन से चिकित्सा सेवा को और विस्तारित करने की अपेक्षा करूंगा `कार्यकम को संबोधित करते हुए डॉ नीलकंठ तिवारी ने बाल रोग विभाग को अत्याधुनिक बनाने का आग्रह करते हुए नए भवन निर्माण हेतु विधायक निधि से सहयोग देने का आश्वासन दिया` पद्मश्री से सम्मानित डॉक्टर सरोज चूड़ामणि गोपाल ने अस्पताल के जनहित कार्यों की सराहना की निरंतर मेरा सहयोग अस्पताल को हमेशा मिलता रहेगा` उक्त अवसर पर ट्रस्ट एवं अस्पताल प्रबंधन समिति के सचिव श्री जगदीश झुनझुनवाला ने अतिथियों का स्वागत करते हुए अस्पताल से जुड़ने का निवेदन किया उन्होंने बताया की आने वाले समय में सबके सहयोग से बिड़ला अस्पताल प्रबंधन द्वारा मरीजों की सेवा और सुविधा को और अधिक विकसित करने का प्रयास किया जाएगा ` लोकार्पण कार्यक्रम का संचालन करते हुए अस्पताल के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉ शेषनाथ राय ने बताया की जनभागीदारी और समन्वित प्रयास से अस्पताल में चिकित्सा सेवा की निरंतरता बनी रहेगी` डॉ राय ने अस्पताल द्वारा चलाए जा रहे जनकल्याणकारी योजना यथा निःशुल्क ओपीडी एक्स-रे और पैथोलॉजी पर 50% की छूट विभिन्न विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता सहित नवीनीकृत आधुनिक सुविधाओ की जानकारी दी। उपस्थित सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापन अस्पताल प्रबन्ध समिति सदस्य किशोर कुमार मुरारका ने किया।

भाजपा कार्यकर्ता आधारित पार्टी है, कार्यकर्ता भाजपा की रीढ़ है : सुनील श्रीवास्तव

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा गाजीपुर की जिला बैठक जिला कार्यालय पर किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष रूद्र प्रताप सिंह की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि क्षेत्रीय मंत्री सुनील श्रीवास्तव ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता आधारित पार्टी है। कार्यकर्ता ही भाजपा की रीढ़ हैं। उन्होंने कहा कि किसान मोर्चा युवाओं में खेल और खेल भावना को प्रेरणा हेतु जनपद में माह दिसम्बर में कबड्डी प्रतियोगिता आयोजित कर रही है। इस कबड्डी प्रतियोगिता को सफल बनाने के लिए सभी कार्यकताओं को प्रयास करने की जरूरत है। जिलाध्यक्ष भाजपा सुनील सिंह ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी समाज के प्रत्येक वर्ग के लोगों को लेकर चलते हुए लोकतंत्र में पूर्ण विश्वास रखती है। भाजपा किसानों की हितैषी है। भाजपा सरकार में किसानों के हित में अनेक योजनाओं का शुभारंभ हुआ है। उन्होंने कार्यकताओं से भाजपा सरकार की योजनाओं को जन-जन तक पहुंचाने का आवाहन किया। किसान मोर्चा जिलाध्यक्ष रुद्रप्रताप सिंह ने कहा कि भाजपा के सभी कार्यक्रमों में किसान मोर्चा की सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित है। किसान मोर्चा जिले में नमो कबड्डी प्रतियोगिता का सफल आयोजन करेगा। कार्यक्रम में कृष्णानंद राय, प्रवीण सिंह, अच्छेलाल गुप्ता, शुभांशु मिश्रा, शैलेन्द्र सिंह, मनोज राय, अशोक सिंह, यशवंत सिंह, रणजीत राजभर शशिकांत शर्मा, धर्मेंद्र यादव, मेठ बिंद सहित जिला पदाधिकारी, मंडल पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।संचालन महामंत्री धनंजय चौबे ने किया।

शहीदों का सम्मान भारतीय जनता पार्टी की पहचान : प्रमोद वर्मा

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। भाजपा कार्यकर्ताओं ने व्यापार प्रकोष्ठ जिलाध्यक्ष प्रमोद वर्मा के नेतृत्व में रेलवे परिसर में स्थापित महावीर चक्र विजेता शहीद राम उग्रह पांडेय का 52वा शहादत दिवस धूमधाम से मनाया गया। वही भूतपूर्व सैनिकों द्वारा पुष्पचक्र अर्पित किया गया। इस मौके पर भाजपा व्यापार प्रकोष्ठ के जिलाध्यक्ष प्रमोद वर्मा ने कहा कि शहीद राम उग्रह पांडेय ने भारत-पाक 1971 के युद्ध में अदम्य साहस का परिचय देते हुए कई बंकर को ध्वस्त किए। पाकिस्तानी सेना को रौंदते हुए देश के मान, सम्मान, स्वाभिमान ऊंचा करने के लिए खुद कंधे पर लांचर लेकर लगातार दागते हुए दुश्मन के सारे बंकरों को ध्वस्त किया और खुद शहीद हो गए। वर्मा ने कहा कि ऐसे वीर सपूत को जन्म देने वाले माता-पिता को भी मैं नमन करता हूं।विधानसभा संयोजक मुराहु राजभर ने कहा रामउग्रह पांडेय ने अपना ही नहीं बल्कि परिवार और जिले का नाम रोशन किया था। ऐसे वीर सपूत को हृदय से श्रद्धा सुमन अर्पित करता हूं । नौजवानों से आग्रह है आप भी देश के लिए इनके साहस पराक्रम से सीख लें। शहीद राम उग्रह पांडेय को मरणोपरांत महावीर चक्र प्रदान किया गया। 26 जनवरी 1972 को तत्कालीन राष्ट्रपति वीवी गिरी ने दिल्ली में गणतंत्र दिवस की परेड में शहीद की पत्नी श्यामा देवी को यह सम्मान प्रदान किया था। हम सभी को अपनी सेना का सम्मान करना चाहिए। इस दौरान भाजपा जिला उपाध्यक्ष विपिन सिंह, मंडल अध्यक्ष उमाशंकर यादव, अशोक गुप्ता, दिनेश यादव, सतीश सिंह, कोतवाल तारावती यादव, ग्राम प्रधान प्रतिनिधि झुन्ना सिंह, विजय गुप्ता, अजय सिंह विक्रम ने शहीद प्रतिमा पर माल्यार्पण कर राष्ट्रगान के साथ श्रद्धांजलि अर्पित किया।

जौनपुर में कानून-व्यवस्था को देखते हुए एसपी ने बदले कई थानेदार

प्रखर जौनपुर। पुलिस अधीक्षक ने देर रात कुछ निरीक्षक व उपनिरीक्षकों को इधर से उधर किया है। पुलिस लाइन में तैनात रहें निरीक्षक मिथलेश कुमार मिश्रा को कोतवाली प्रभारी निरीक्षक बनाया गया है। वहीं दूसरी तरफ निरीक्षक रहें विनय प्रकाश सिंह को कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मड़ियाहू बनाया गया है। खुटहन थानाध्यक्ष रहें रोहित मिश्र को थानाध्यक्ष सुजानगंज बनाया गया है। चौकी सरायपोख्ता उपनिरीक्षक अरविंद सिंह को थानाध्यक्ष खुटहन बनाया गया तो दूसरी ओर पुलिस लाइन उपनिरीक्षक तरून श्रीवास्तव को थानाध्यक्ष सिंगरामउ बनाया गया है।

जननपद में शुरू हुआ सक्रिय टीबी रोगी खोज अभियान, 221 टीम और 43 सुपरवाइजर तैनात

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। प्रधानमंत्री के वर्ष 2025 तक टीबी मुक्त भारत बनाने के संकल्प को लेकर विभाग हर संभव प्रयास कर रहा है। इसी क्रम में बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय क्षय उन्मूलन कार्यक्रम व प्रधानमंत्री टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जनपद में सक्रिय टीबी रोगी खोज अभियान का शुभारंभ किया गया। नगर सहित समस्त 16 ब्लॉक में टीम ने स्क्रीनिंग का कार्य भी शुरू किया गया। इसके साथ ही समस्त सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों को भी अभियान को सफल बनाने के लिए निर्देशित किया गया। सीएमओ डॉ देश दीपक पाल ने जिला क्षय रोग अधिकारी, सरकारी चिकित्सालयों के अधीक्षक एवं जिला कार्यक्रम समन्वयक के साथ बैठक कर तैयारियों के बारे में जाना। सीएमओ ने बताया कि अभियान को सफल बनाने के लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। यह अभियान पाँच दिसंबर तक चलेगा। जनपद की आबादी करीब 44.55 लाख है लेकिन विशेष अभियान के तहत 20 प्रतिशत आबादी की स्क्रीनिंग की जाएगी। उन्होंने कहा कि टीबी के जीवाणु रोगी के खाँसने, छींकने और थूकने से हवा में फैल जाते हैं और साँस लेने से स्वस्थ व्यक्ति के फेफड़े में पहुँचकर रोग उत्पन्न करते हैं। टीबी का रोगी एक वर्ष में 10 से 15 स्वस्थ व्यक्तियों को संक्रमित कर सकता है। इसलिए इस अभियान में टीबी के लक्षण युक्त व्यक्तियों की जांच की जाएगी और जांच में टीबी की पुष्टि होने पर तत्काल उपचार शुरू किया जाएगा। इसके साथ ही निक्षय पोषण योजना के तहत टीबी रोगियों को उनके उपचार के दौरान हर माह 500 रुपये की आर्थिक सहायता डीबीटी के माध्यम से बैंक खाते में प्रदान की जाती है। जिला क्षय रोग अधिकारी डॉ मनोज कुमार सिंह ने बताया कि अभियान के लिए 221 टीम और 43 सुपरवाइजर तैनात किए गए हैं। स्वास्थ्यकर्मी संभावित क्षय रोगियों की जांच करेंगे और टीबी की पुष्टि होने पर 48 घंटे के अंदर उपचार शुरू किया जाएगा। उन्होंने बताया कि अभियान के दौरान आवासीय परिसरों, जैसे अनाथालयों, वृद्धाश्रमों, नारी निकेतन, बाल संरक्षण गृह, मदरसों और छात्रावासों में कैंप आयोजित कर टीबी के प्रति संवेदीकरण किया जाएगा और लक्षण युक्त व्यक्ति के स्पुटम (बलगम) के नमूने एकत्र किए जाएंगे।

डीएम ने कर करेत्तर तथा मासिक बैठक में लापरवाह अधिकारियों के खिलाफ लिया एक्शन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। जिलाधिकारी आर्यका अखौरी की अध्यक्षता में कर-करेत्तर एंव मासिक स्टाफ बैठक रायफल क्लब सभागार सम्पन्न हुआ। बैठक में जिलाधिकारी ने परिवहन, वन विभाग, स्टाम्प, नगर पालिका, आडिट आपत्ति, चकबन्दी, व्यापार कर, विद्युत देय, आबकारी, अंश निर्धारण, मोटर देय, आईजीआरएस, के सम्बन्ध मे विस्तारपूर्वक समीक्षा की। बैठक मे जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों का आह्वान करते हुए उन्हें निर्देश दिया कि राजस्व प्राप्ति के संबंध में जो विभाग कार्य कर रहे हैं उनके द्वारा अपने-अपने लक्ष्य को प्रत्येक माह उसे पूर्ण कर अंतिम रूप प्रदान किया जाए ताकि सभी विभागों में राजस्व प्राप्ति के लक्ष्य पूर्ण किए जा सकें। उन्होने कम राजस्व वसूली वाले विभागो के प्रति नाराजगी व्यक्त करते हुए सम्बन्धित अधिकारियों को अपने लक्ष्य के प्रति प्रत्येक माह कार्य योजना बनाकर मूर्त रूप प्रदान किया जाये, इसमें किसी भी स्तर पर लापरवाही एवं शिथिलता क्षम्य नहीं होगी। उन्होंने स्पष्ट किया है कि जिन विभागीय अधिकारियों के द्वारा अपने राजस्व लक्ष्यों की प्राप्ति नहीं की जाएगी उनके विरुद्ध कार्यवाही प्रस्तावित की जाएगी। जिसकी जिम्मेदारी स्वयं संबंधित विभागीय अधिकारी की होगी। उन्होने आई जीआरएस पोर्टल पर प्राप्त शिकायतो को निर्धारित समयान्तराल मे निस्तारण का निर्देश दिया, उन्होने सख्त लहजे मे कहा कि कोई भी शिकायत पत्र डिफाल्टर न होने , इसकी समीक्षा सीधे शासन स्तर से की जाती है। उन्होने जिला विद्यालय निरीक्षक, बेसिक शिक्षा विभाग मे प्राप्त शिकायत पत्र का समय से निस्तारण न होने तथा डिफाल्टर होने पर स्पष्टीकरण तथा खण्ड विकास अधिकारी कासिमाबाद के द्वारा आई जी आर एस पोर्टल पर शिकायत पत्र निस्तारण न करने/डिफाल्टर होने पर खण्ड विकास अधिकारी का वेतन रोकने का निर्देश दिया। इसके उपरांत जिलाधिकारी ने मासिक स्टाफ बैठक में राजस्व विभाग के अधिकारियों के साथ बैठक ली। बैठक में लंबित प्रकरण एवं विवादित प्रकरण, दाखिल खारिज, विवादित वादो का निस्तारण करने को कहा। नायब तहसील सेवराई के द्वारा राजस्व कार्य मे लापरवाही पर प्रतिकूल प्रतिष्टि का निर्देश दिया। जिलाधिकारी ने समस्त उप जिलाधिकारी, तहसीलदार एवं अन्य संबंधित राजस्व अधिकारियों को निर्देश देते हुए कहा कि राजस्व कार्यों में सभी अधिकारियों द्वारा सरकार की मंशा के अनुरूप चलाए जा रहे प्रत्येक कार्यक्रम में तत्परता दिखाते हुए कार्यों का संपादन किया जाना सुनिश्चित करें ताकि सरकार की राजस्व योजनाओं का लाभ जन सामान्य को आसानी के साथ प्राप्त हो सके।

नगर पालिका सफाई कर्मियों की लापारवाही का खामियाजा भुगत रही जनता

प्रखर जौनपुर। शहरी इलाके में अब सफाई व्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। नगर पालिका के सफाई इंस्पेक्टर और कर्मचारियों से त्रस्त होकर जनता ने अपनी साफ सफाई का जिम्मा खुद ही उठा लिया है। जिसकी एक तस्वीर साफ दिखाई दे रही है। अब धीरे-धीरे लोग पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष दिनेश टंडन के काम को याद कर रहें हैं। नगर के शाही कि ले से लेकर अटाला मस्जिद होकर जिला अस्पताल और भंडारी स्टेशन जाने वाले मार्ग की सफाई का हालत यह है कि नालिया बज बजा रहीं हैं और सड़कों पर कूड़े का अंबार लगा हुआ है। जबकि शहरी इलाके समेत कई स्थानों पर डेंगू वह अन्य संक्रामक बीमारियां फैल रही है। लेकिन शहरी इलाके का नगर पालिका के अधिकारी और अध्यक्ष कुंभकर्ण की नींद सो रहे हैं। इस संबंध में इस क्षेत्र के सफाई इंस्पेक्टर से कई बार लोगों ने शिकायत किया लेकिन वह लोगों की बातों को अनसुनी कर गायब हो जाता है। ऐसी दशा में लोगों ने अपनी दुकानों और मकानों के सामने खुद से सफाई करके और श्रमिकों को लगाकर उन्हें मजदूरी देकर सफाई करा रहें हैं। शहर के कई ऐसे मोहल्ले हैं जहां महीनों से सफाई नहीं होती जिसका खामियांजा नगर की भोली भाली जनता भोग रही है। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि सफाई इंस्पेक्टरों की मनमानी दिन पर दिन बढ़ती चली जा रही है जिस पर रोक लगाने में नई अध्यक्ष पूरी तरह से नाकामयाब साबित हो रही हैं। ऐसे में लोग पूर्व अध्यक्ष रहें दिनेश टंडन को भी याद कर रहे हैं कि उन्हें एक कॉल पर जानकारी होने पर तुरंत सफाई व्यवस्था चुस्त और दुरुस्त हो जाती थी। ऐसा प्रतीत होता है की नई नगर पालिका अध्यक्ष की पकड़ अभी इंस्पेक्टर और सफाई कर्मियों पर नहीं हो पा रही है। जिसका परिणाम जनता झेल रही हैं। शाही किले से लेकर अटाला मस्जिद तक की एक तस्वीर प्रकाशित की जा रही है जिसे देखकर सफाई व्यवस्था का अंदाज आम जनता आसानी से लगा लेगी। लोगों में यह भी चर्चा है कि किनारे लगा कुड़े कचरे का ढेर महीनों तक नहीं उठाया जाता है।

संक्षिप्त खबरें

पारुल यूनिवर्सिटी द्वारा प्रिंसिपल, टीचर्स कार्यक्रम का आयोजन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। पारुल यूनिवर्सिटी बड़ोदरा गुजरात के द्वारा प्रिंसिपल ,टीचर्स कार्यक्रम का आयोजन बीएलडब्लू स्थित ली लोटस ग्राण्ड होटल में हुआ सम्पन्न जिसमें पारुल यूनिवर्सिटी के रजिस्टार डाक्टर पवन दिवेदी द्वारा दीक्षित भारत वर्ष के नागरिक कैसे हो इस विषय पर की गयी चर्चा` डाक्टर पवन दिवेदी ने बताया की इस विश्विद्यालय में 450 से अधिक कोर्सों का संचालन होता है जिसमें इंजीनियरिंग,मैंनेजमेन्ट ,एमबीबीएस ,फामेर्सी ,नर्सिंग ,ला इत्यादि कोर्सों का संचालन होता है` इस कार्यक्रम का उद्देश्य स्कूली छात्रों के बेहतर और उज्जवल भविष्य की दिशा में मार्गदर्शन करना है इस कार्यक्रम में वाराणसी के समस्त शिक्षण संस्थानों के 140 से ज्यादा प्रधानाध्यापकों और शिक्षकों की उपस्थिति में इस कार्यक्रम में चार चाँद लगा दिया` इस कार्यक्रम की सफलता का श्रेय पारुल यूनिवर्सिटी के वाराणसी कार्यालय में कुलदीप सिंह ,अमित सिंह , शशांक शुक्ला एवं निशा सिद्दकी कों जाता है।

देवउठनी एकादशी का पर्व मना

प्रखर पिंडरा वाराणसी। देवउठनी एकादशी पर ग्रामीण क्षेत्रों में भगवान शालिग्राम संग तुलसी महारानी का पाणिग्रहण संस्कार विधि विधान से मंदिरों पर घरों में हुए। सुबह से ही ब्रती महिलायें मन्दिर व घर की साफ सफाई कर तुलसी का श्रृंगार किया। उसके बाद शाम में तुलसी संग शालिग्राम का विवाह विधि विधान के साथ पूर्ण किया। इसके पूर्व महिलाओं द्वारा गीत गाकर नारायण भगवान को प्रसन्न किया। ततपश्चात प्रसाद का वितरण किया गया। ब्रत का प्रारण शुक्रवार को सुबह होगा। क्षेत्र के पिंडरा, सिंधोरा, फूलपुर, कठिराव व थानारामपुर समेत बाजारों व गांवों में धूमधाम से मनाया गया।

जिला पंचायत सदस्य वेलफेयर एसोसिएशन ने दिया सात सूत्री मांग पत्र

प्रखर संतकबीरनगर। जिला पंचायत से सदस्यगणों का चुनाव 50 हजार की मतदाता से होता है। जनता उनसे विकास की काफी उम्मीद रखती है लेकिन उन्हें क्षेत्र के विकास हेतु किसी तरह का कोई निधि नहीं प्राप्त है न ही उन्हें कोई अन्य अधिकार प्राप्त है। जिला पंचायत सदस्यों के 7 सूत्रीय मांगो को लागू की जाय। इन मांगों को लेकर जिला पंचायत सदस्य वेलफेयर एसोसिएशन ने ज्ञापन दिया हैं। लिखित ज्ञापन में यह हैं इनकी मांगें....

1. सदस्य जिला पंचायत को जिला पंचायत की निधि से आवंटित कार्यों के राशि के अतिरिक्त एक करोड़ वार्षिक शासकीय विकास निधि निर्धारित की जाय।

2. सदस्य जिला पंचायतगण को 50 हजार रुपए मासिक मानदेय व भत्ता निर्धारित किया जाय।

3. सदस्य जिला पंचायत को अन्य जन प्रतिनिधि की भाँति पेंशन की व्यवस्था लागू की जाये।

4. सदस्य जिला पंचायतगणों को सुरक्षा/शस्त्र लाइसेंस निर्गत कराया जाये।

5. सदस्य जिला पंचायतगण का 50 लाख रुपए दुर्घटना बीमा दिया जाये।

6. माननीय सांसद सदस्य, मा० विधायक, मा० विधान परिषद सदस्य व अन्य जनप्रतिनिधियों की भाँति राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्यमार्ग पर बने टोल प्लाजों पर जिला पंचायत सदस्य के चार पहिया वाहनों को मुफ्त पास जारी किया जाये।

7. जिला पंचायत के मा० सदस्यों के प्रस्ताव पर शासनादेश सं0-2061/33-सेल/2017 के क्रम में यह निर्देशित किया गया है कि जिला पंचायत सदस्य आबादी के अन्दर विकास कार्य नहीं करा सकते हैं जो कि सर्वथा अनुचित प्रतीत होता है। जबकि मा० विधायक/सांसद/ प्रमुख आदि गाँव के आबादी के अन्दर अपने प्रस्ताव पर कार्य करा सकते हैं तो जिला पंचायत क्यों नहीं। इस मौके पर जिला पंचायत सदस्य वेलफेयर एसोसिएशन की प्रदेश उपाध्यक्ष कायनात फातमा, जिला अध्यक्ष शैलेंद्र यादव जिला पंचायत अध्यक्ष बलिराम यादव, मोहम्मद अहमद, हनुमान कनौजिया, राहुल यादव बादल, सैयद फिरोज अशरफ, राम भवन शर्मा, इकबाल अहमद, ज्ञानमती देवी, राम सुरेश चौरसिया, राम जी फौजी, विक्रम प्रसाद, राम सिंह अख्तर हुसैन खान मौजूद रहे।

सपा ने मनाई लोकबन्धु राजनारायण की जयंती

प्रखर मीरजापुर। समाजवादी पार्टी के जिला कार्यालय लोहियाट्रस्ट पर समाजवादी चिंतक लोकबंधु राजनारायण की 106वीं जयंती मनाई गई। उपस्थित सपा कार्यकर्ता ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया। जिलाध्यक्ष देवी प्रसाद चौधरी के निर्देश पर विचार गोष्ठी का भी आयोजन किया गया। इस मौके पर वक्ताओ ने कहा कि लोकबंधु राजनारायण भारत के एक ऐसे राजनेता थे, जिन्होंने रायबरेली लोकसभा क्षेत्र से तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी को चुनाव हराया था। वे 1977 से 1979 तक भारत के स्वास्थ्य मंत्री के रूप में रहे। लोकबंधु ने हमेशा ही लोकतांत्रिक मूल्यों को सर्वोपरि माना। वह हमेशा ही समाजवाद विचार धारा को आगे बढ़ाने के लिए कार्य करते रहे। गोष्ठी में अनीस खान, श्याम अचल यादव, जमाल अहमद, सलीम बादशाह, अहमद नवाज, विष्णु यादव, संजय, विशाल, सत्यप्रकाश, अखिलेश, राम नरेश यादव, शिवकुमार यादव, विनोद यादव, चन्द्रशेखर यादव, विजय मौर्य आदि ने अपने विचार व्यक्त किया।

रोचक खबरें

एयरपोर्ट पर ही सो गया यात्री कर्मचारी जगाते-जगाते परेशान

नई दिल्ली। यात्रा के दौरान थोड़ी सी राहत मिलते ही नींद आने लगती है। कई बार तो बैठे-बैठे किसी का इंतजार करते हुए झपकी आ जाती है। इस वक्त एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें एक शख्स एयरपोर्ट पर अपने उड़ान का इंतजार करते करते सो गया। जिसे जगाने के लिए स्टाफ आये लेकिन काफी मशक्कत करनी पड़ी। थाईलैंड के फुकेत हवाई अड्डे का एक मजेदार वीडियो वायरल हो रहा है। जिसमें एक यात्री की उड़ान लगभग छूट गई क्योंकि वह गहरी नींद में था। एयरपोर्ट स्टाफ ने यात्री को जगाने के लिए करीब 15 मिनट तक कोशिश की। वह हिला ही नहीं।

सोशल मीडिया पर लोगों की प्रतिक्रियाएं

एक ने लिखा, 'शायद वह घर जाने के लिए इच्छुक नहीं है।' एक अन्य ने लिखा, 'मैं तो यह वीडियो देखकर हैरान रह गया कि कहीं इसे कुछ हो तो नहीं गया।' एक ने लिखा, 'यह वीडियो देखकर मेरी तो हंसी नहीं रुक रही है।' एक अन्य ने लिखा, 'इतनी दयालुता से जगाने के लिए एयरपोर्ट स्टाफ को धन्यवाद तो कहना ही चाहिए।' एक ने लिखा, 'वहां मौजूद लोग किस तरह मजाक उड़ा रहे हैं। यह नहीं होना चाहिए था।' एक अन्य ने लिखा, 'किसी को बाहर निकलने से पहले एक दवाई लेनी चाहिए?

पाकिस्तान के मंदिरों- गुरुद्वारों के हो सकेंगे घर बैठे दर्शन

नई दिल्ली। देशभर में रहने वाले हिंदू और सिख श्रद्धालुओं के लिए खुशखबरी है। अब वो घर बैठे पाकिस्तान के मंदिरों और गुरुद्वारों के दर्शन कर पाएंगे। पाकिस्तान के इवेक्यू ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड (ETPB) ने वर्चुअल टूर की सुविधा शुरू करने की घोषणा की है। जिससे अब श्रद्धालु घर बैठकर ही ऑनलाइन पाकिस्तान स्थित धार्मिक स्थलों के दर्शन कर सकेंगे।

इन स्थलों के होंगे ऑनलाइन दर्शन

पाकिस्तान के इवेक्यू ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड के प्रवक्ता अमर हाश्मी का कहना है कि पाकिस्तान सरकार कटासराज मंदिर, साधूबेला मंदिर समेत 5 अन्य मंदिरों और करतारपुर साहिब, ननकाना साहिब, पंजा साहिब सहित अन्य गुरुद्वारों के दर्शन ऑनलाइन सुविधा शुरू करने वाली है।

अल्पसंख्यकों की वजीफा राशि में भी इजाफा

इसके अलावा इवेक्यू ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड की बैठक में पाकिस्तान में रहने वाले अल्पसंख्यकों की वजीफा राशि बढ़ाने का भी फैसला लिया गया। इसके साथ ही वजीफों की संख्या भी बढ़ाई गई है। पहले पाकिस्तान में केवल 110 अल्पसंख्यकों को वजीफा दिया जाता था. लेकिन अब पाकिस्तान सरकार ने इसमें बड़ा इजाफा किया है। अब करीब एक हजार लोगों को हर महीने 10 हजार रुपए वजीफा दिया जाएगा।

फोन में न रखें स्क्रीन शेयरिंग ऐप्स मिनटों में खाली हो सकता है बैंक खाता

गूगल की ओर से यूजर्स को किया गया अलर्ट

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भारत में टॉप 5 यूपीआई पेमेंट ऐप में गूगल पे का नाम आता है। ये एक ऐसा प्लेटफॉर्म है जिसका इस्तेमाल सबसे ज्यादा किया जाता है। ऑनलाइन लेनदेन के लिए गूगल पे बहुत ज्यादा पसंद किया जाता है। हालांकि, पिछले कई सालों से ऑनलाइन फ्रॉड्स में बढ़ोतरी हो रही है। इसी सूची में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और अन्य धोखाधड़ी के मामले भी शामिल होते जा रहे हैं जिन पर रोक लगाने के लिए गूगल की ओर से यूजर्स को अलर्ट किया गया है। साथ ही कुछ ऐप्स को इस्तेमाल करने की मनाही भी की गई है।

एआई और धोखाधड़ी पर रोकथाम जरूरी

गूगल की ओर से गूगल पे यूजर्स को अलर्ट करते हुए कुछ ऐप्स को इस्तेमाल करने के लिए मना किया गया है। इसके अलावा धोखाधड़ी को रोकने के लिए कंपनी का कहना है कि वो आज के समय में संदिग्ध लेनदेन की पहचान करने के लिए बेस्ट आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और धोखाधड़ी रोकथाम टेक्नोलॉजी का इस्तेमाल कर रहे हैं, लेकिन यूजर्स को भी सावधान रहने की जरूरत है।

न यूज करें स्क्रीन शेयरिंग एप्स

- स्क्रीन शेयरिंग ऐप्स के इस्तेमाल से कोई भी आपका डिवाइस हैक कर सकता है।
- बिना आपकी मर्जी के फोन, लैपटॉप जैसे डिवाइस कंट्रोल किए जा सकते हैं।
- ऐसे में ऑनलाइन लेनदेन की प्रक्रिया भी आपके बिना जानकारी के हो सकती है।

गूगल पे यूजर्स फोन में न करें ऐसे एप्स यूज

गूगल ने गूगल पे यूजर्स के लिए कुछ महत्वपूर्ण बचाव के तरीकों को अपनी वेबसाइट पर शेयर किया है। गूगल ने बताया कि गूगल पे यूजर्स को अपने फोन में स्क्रीन शेयरिंग ऐप्स का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। अगर ऐसे ऐप्स का इस्तेमाल करते हैं तो लेनदेन के समय इन ऐप्स को बंद कर दें।

फोन, लैपटॉप या डेस्कटॉप से हटा दें स्क्रीन शेयरिंग ऐप्स

आजकल कई लोग स्क्रीन शेयरिंग ऐप्स का इस्तेमाल करते हैं, जो सामने वाले यूजर्स को कहीं से भी आपके डिवाइस को मॉनिटर करने की अनुमति देता है। इन ऐप्स में सबसे लोकप्रिय **AnyDesk** और **TeamViewer** हैं। अगर आप भी ऐसे स्क्रीन शेयरिंग ऐप्स का इस्तेमाल अपने फोन, टैबलेट या कंप्यूटर में करते हैं तो ध्यान रहे कि लेनदेन के दौरान ये ऐप्स बंद रहने चाहिए, वरना आपका बैंक खाता भी कोई खाली कर सकता है।

ध्यान रखें ये बातें

गूगल पे की ओर से किसी थर्ड पार्टी ऐप को डाउनलोड करने के लिए नहीं कहा जाता है। इसलिए आपको इस बात का खास ध्यान रखना चाहिए कि गूगल पे से ट्रांजैक्शन के लिए आपको किसी अन्य ऐप को डाउनलोड नहीं करना है। इसके अलावा किसी के साथ भी अपने ओटीपी और पिन नंबर को साझा न करें।

वैज्ञानिकों ने किया दावा

4 लाख लोगों पर शोध में खुलासा, आंतें स्वस्थ तो नहीं होगा अल्जाइमर

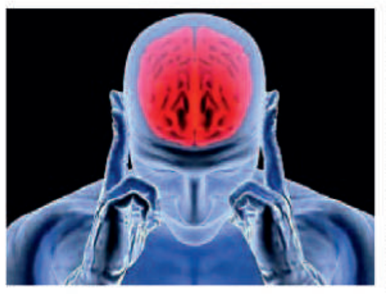

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

बढ़ती उम्र के साथ होने वाली बीमारी अल्जाइमर का गहरा संबंध हमारी आंतों की सेहत से हो सकता है। जिन लोगों की आंतों की सेहत ठीक नहीं, उन्हें अल्जाइमर अपनी चपेट में ले सकता है। यह दावा ऑस्ट्रेलियाई वैज्ञानिकों ने करीब 4 लाख लोगों पर हुए अध्ययन के आधार पर किया है। एडिथ कोवान विश्वविद्यालय के अध्ययनकर्ता इमैनुअल एडवुई ने कम्युनिकेशंस बायोलॉजी जर्नल में प्रकाशित रिपोर्ट में बताया कि पहले भी अल्जाइमर को उदर संबंधी परेशानियों से जोड़ा जाता रहा है, लेकिन इस संबंध के पीछे की वजह सामने नहीं आ रही थी। उन्होंने अल्जाइमर से पीड़ित लोगों और आंतों की परेशानियों से जूझ रहे लोगों से जुड़े अध्ययनों का विश्लेषण किया।

बीमारी पहले से पकड़ने में मदद

इमैनुअल के अनुसार आंतों की सेहत व अल्जाइमर का संबंध सामने आने के बाद हम जान सकेंगे कि किन लोगों पर अल्जाइमर का ज्यादा खतरा है। उनमें यह बीमारी होने की संभावना पहले से जांची जा सकेगी। बीमारी अगर शुरुआती चरण में है तो इसके बढ़ने की रफ्तार कम कर सकेंगे। इलाज के लिए नए रास्ते तलाशने पर भी काम हो सकेगा। समझने की शक्ति व भावनाओं का आंतों से रिश्ता शोध निरीक्षक प्रो. सिमोन लॉज ने बताया कि अल्जाइमर हमारे दिमाग की समझने की शक्ति व भावनाओं से जुड़े हिस्सों पर असर डालता है। इन दोनों का आंतों की सेहत से क्या रिश्ता है, यह हमारे सामने आ चुका है।

2030 तक 8.2 करोड़ पीड़ित होंगे

डिमेंशिया (मस्तिष्क में नुकसान से होने वाली बीमारियां) का सबसे ज्यादा प्रभावित करने वाला रूप अल्जाइमर है। यह याद्दाश्त से लेकर सोचने-समझने की शक्ति खत्म करता है, इसका पूरा इलाज फिलहाल नहीं है। अनुमान हैं कि साल 2030 तक दुनिया में 8.20 करोड़ लोग इसकी चपेट में होंगे। इस वजह से अर्थव्यवस्था पर 2 लाख करोड़ डॉलर का भार पड़ेगा।

कबाड़ में बदलने को तैयार नहीं यहूदी

इजराइल में दफनाई जाएंगी सैकड़ों कारें

एजेंसी ▸▸ तेल अवीव

इजराइल एक साथ सैकड़ों कारों को दफनाने की प्लानिंग में जुटा है। ऐसे में सवाल उठता है कि आखिर ऐसी क्या बात है कि इजराइल इन कारों को रखना नहीं चाहता। वह उन कारों को कबाड़ में बदलने और री-यूज करने की जगह सीधे दफनाने की तैयारी क्यों कर रहा है। दरअसल, ये वो कारें हैं, जो सात अक्टूबर के पहले इजराइल की सड़कों पर फर्राटा भरती थीं। जब 7 अक्टूबर को हमास ने इजराइल पर हमला किया तो इन कारों में बैठे इजरायली नागरिकों की निर्मम तरीके से हत्या कर दी। इनमें से किसी को गोली मारी गई, तो किसी को कार समेत जिंदा जला दिया गया। कई बदनसीब तो ऐसे भी थे, जिनका उनकी कार के अंदर ही हमास के के आतंकियों ने गला रेतकर हत्या कर दी थी।

कारों में फैले हुए हैं इजराइलियों के अवशेष

अब भी इन कारों में खून के धब्बे और जले हुए शरीरों के अंग इधर-उधर बिखरे पड़े हैं। जका ट्रस्ट ने मारे गए लोगों की कारों को दफनाने की सिफारिश की है। जका मध्य इजराइल की एक इमरजेंसी रिस्पांस यूनिट है, जो अपने हजारों वॉलंटियर्स के साथ देश भर ते 21 से अधिक शहरों में सेवा प्रदान कर रही है। इसे इजराइल की आपातकालीन सेवाओं के नागरिक विस्तार और मध्य इजराइल में संचालित करने के लि अधिकृत एकमात्र इमरजेंसी रिस्पॉन्स यूनिट के रूप में मान्यता प्राप्त है। इस संगठन की एक यूनिट मृतकों की गरिमा के साथ दाह संस्कार के लिए पूरी तरह समर्पित है।

कार से लोगों के अवशेषों को निकालना नामुमकिन

रिपोर्ट के अनुसार, जका इजराइल ने कड़ी मेहनत और संकट के बाद निष्कर्ष निकाला कि वे उन वाहनों के अंदर पीड़ितों के सभी अवशेषों का पता नहीं लगा सके या उन्हें साफ नहीं कर सके, जिनमें उनकी हत्या की गई थी। कुछ कारों में खून के धब्बे या राख हैं जिन्हें विभिन्न तकनीकी कारणों से इकट्ठा करना मुश्किल है, जिसका संबंध इन व्यक्तियों की हत्या के तरीके से है। हमास के आतंकियों ने इन लोगों की इस तरह से हत्या की थी कि उनके शरीर के अंग पूरी गाड़ी में फैल गए थे।

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी को बड़ी सफलता

सतलुज नदी में मिला टैंटलम का खजाना, खास है यह दुर्लभ धातु

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (आईआईटी) रोपड़ को बड़ी सफलता मिली है। उसे पंजाब में सतलुज नदी में दुर्लभ धातु टैंटलम मिला है। टैंटलम एक रेयर मेटल है। इसके गुण सोने और चांदी से मिलने के कारण इसे काफी कीमती धातु माना जाता है। इसका इस्तेमाल सेमीकंडक्टर बनाने के लिए किया जाता है। इस धातु की खोज सिविल इंजीनियरिंग विभाग के में असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. रेस्मी सेबेस्टियन के नेतृत्व में की गई है। इस धातु के भंडार से भारत का खजाना एक बार फिर भर सकता है। टैंटलम का इस्तेमाल इलेक्ट्रॉनिक सेक्टर में सबसे अधिक किया जाता है। इस धातु से बने कैपेसिटर सबसे अच्छे माने जाते हैं। स्मार्टफोन से लेकर लैपटॉप और डिजिटल कैमरे जैसे पोर्टेबल इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों में टैंटलम का इस्तेमाल होता है।

टैंटलम क्या है?

टैंटलम दुर्लभ धातु मानी जाती है। यह मौजूदा समय में सबसे जंगरोधी होती है। इसका एटॉमिक नंबर 73 होता है। यह ग्रे कलर का होता है और बेहद सख्त होता है। खास बात है कि जब टैंटेलम शुद्ध होता है, तो वह काफी लचीला होता है। इतना कि इसे खींचा जा सकता है। इसका मेल्टिंग पॉइंट भी काफी ज्यादा होता है। आज इस्तेमाल में आने वाले सबसे अधिक करोजन-रजिस्टेंट मेटल में से यह एक है। इसके करोजन-रजिस्टेंट होने की वजह है। हवा के संपर्क में आने पर यह ऑक्साइड परत बनाता है। इसे हटाना बेहद मुश्किल होता है यह 150 डिग्री सेल्सियस से नीचे के तापमान पर रासायनिक हमले के प्रति लगभग पूरी तरह से सेफ रहता है।

टैंटलम की कब हुई खोज?

टैंटलम की खोज 1802 में स्वीडन के कैमिस्ट एंडर्स गुस्ताफ एकनबर्ग ने की थी। जब इसे खोजा गया तो पाया गया कि एकनबर्ग को सिर्फ नियोबियम किसी अलग रूप में मिला है। यह मुद्दा साल 1866 में हल हो सका था, जब स्विस कैमिस्ट जीन चार्ल्स गैलिसार्ड डी मैरिग्नेक ने यह साबित किया कि टैंटेलम और नियोबियम दो अलग-अलग धातु हैं। इसका नाम टैंटलम होने के पीछे भी एक कहानी है। ग्रीक पौराणिक चरित्र टैंटलस अनातोलिया में माउंट सिपाइलस के ऊपर एक शहर का अमीर लेकिन दुष्ट राजा था। टैंटलस को जीउस से मिली भयानक सजा के लिए जाना जाता है।

जानिए कैसे बेहतर होता है मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य

प्यार जताना ही नहीं गले लगाने के हैं और भी कई सारे फायदे

नई दिल्ली। गले लगाना प्यार जताने का एक तरीका माना जाता है। यही वजह है कि कई बार ज्यादा खुश होने पर हम बिना सोचे सामने वाले इंसान को कसकर जादू की झप्पी दे बैठते हैं। इससे अलग किसी तरह का दुख या परेशानी होने पर भी हम अपने सबसे फेवरेट पर्सन को गले लगाना पसंद करते हैं। अब वो फेवरेट पर्सन आपका पार्टनर, दोस्त, भाई या माता-पिता कोई भी हो सकता है। आपने गौर किया होगा कि प्यार जताने का ये तरीका हर बार ही आपको एक अलग सुकून या राहत दे जाता है। कई बार तो किसी को गले लगाने भर से हमारी आधी टेंशन मानो गायब सी हो जाती है, लेकिन क्या कभी आपने इसके पीछे की वजह जानने की कोशिश की है? क्या कभी आपने सोचा है कि आखिर कैसे एक हग आपको गहरे तनाव में भी राहत दे जाता है? सर एचएन रिलायंस फाउंडेशन अस्पताल की क्लीनिकल मनोवैज्ञानिक महजबीन डोरी ने इंडियन एक्सप्रेस संग हुई एक खास बातचीत में बताया कि गले लगाना मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने का सबसे आसान और असरदार तरीका है।

दर्द से मिलती है राहत

शारीरिक स्पर्श, जैसे मालिश या साधारण गले लगाना, एंडोर्फिन हार्मोन के स्राव को उत्तेजित कर सकता है। वहीं, आपको बता दें कि एंडोर्फिन को दर्द निवारक हार्मोन के नाम से भी जाना जाता है। इसका उत्पादन पिट्यूटरी ग्लैंड और शरीर के बाकी हिस्सों में होता है, जिससे आपको किसी भी तरह के दर्द की अनुभूति कम होने लगती है। आसान भाषा में समझें तो बचपन में कई बार चोट लगने या किसी तरह की पीड़ा में बच्चा अपनी मां की तलाश करता है। वहीं, कई बार मां के गले लगाने भर से ही दर्द का अहसास खुदबखुद कुछ हद तक कम हो जाता है। इसके पीछे एंडोर्फिन हार्मोन जिम्मेदार है।

प्रतिरक्षा प्रणाली को देता है बढ़ावा

महजबीन डोरी बताती हैं कि कई शोध के नतीजों से पता चला है कि सकारात्मक शारीरिक स्पर्श, जैसे गले मिलना, प्रतिरक्षा प्रणाली को मजबूत कर सकता है। तनाव में कमी और ऑक्सीटॉसिन की अच्छी मात्रा प्रतिरक्षा समारोह को बेहतर बनाने में अहम भूमिका निभाते हैं।

तनाव से राहत

किसी को हग करने से ऑक्सीटॉसिन का स्राव भी बढ़ता है। बता दें कि ऑक्सीटॉसिन को 'हैप्पी हार्मोन', 'लव हार्मोन' या 'बॉन्डिंग हार्मोन' भी कहा जाता है। वहीं, जैसा की नाम से साफ है, इस हार्मोन के बढ़ने पर व्यक्ति को अलग खुशी का अहसास होता है, जिससे चंद मिनटों के लिए वह तनाव को भूल बैठता है।

हार्ट को रखता है हेल्दी

मनोवैज्ञानिक के मुताबिक, शारीरिक स्पर्श, विशेषकर गले लगने से रक्तचाप और हृदय गति में कमी आ सकती है। समय के साथ, यह बेहतर हृदय स्वास्थ्य में योगदान कर सकता है।

भारतीय कंपनियों ने अमेरिकी बाजार से दवाएं वापस लीं

■ अमेरिका के मानकों के अनुरूप नहीं थीं ये दवाएं ■ डा.रेड्डीज, ग्लेनमार्क व जायडस ने वापस ली हैं दवाएं

नई दिल्ली (भाषा)।

डा. रेड्डीज लेबोरेटरीज, ग्लेनमार्क फार्मा और जायडस विनिर्माण संबंधी समस्याओं के कारण अमेरिकी बाजार से अपने उत्पादों को वापस मंगा रहे हैं। अमेरिकी खाद्य एवं औषधि प्रशासन (यूएसएफडीए) ने यह जानकारी दी।

यूएसएफडीए ने अपनी नवीनतम प्रवर्तन रिपोर्ट में कहा कि प्रिंसटन स्थित डॉ. रेड्डीज लेबोरेटरीज इंक. अब मोंटेलुकास्ट सोडियम गोलियों की 1,656 बोतलों को वापस ले रही है। मोंटेलुकास्ट सोडियम का इस्तेमाल वयस्कों को अस्थमा के कारण सांस लेने में होने वाली कठिनाई, सीने में जकड़न और खांसी को रोकने के लिए किया जाता है। डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज इंक हैदराबाद स्थित दवा कंपनी की एक इकाई है। यूएसएफडीए के अनुसार, कंपनी '' विदेशी गोलियों तथा कैप्सूल की मौजूदगी'' के

कारण प्रभावित हो रही उसकी खेप को वापस ले रही है। यूएसएफडीए ने बताया महवा स्थित ग्लेनमार्क फार्मास्यूटिकल्स इंक (यूएसए) डेफेरासिरोक्स की गोलियों की 5,856 बोतलें वापस मंगा रही है।

ग्लेनमार्क फार्मा यूएसए मुंबई स्थित ग्लेनमार्क फार्मा की एक इकाई है। डेफेरासिरोक्स का इस्तेमाल रक्त में आयरन की अधिकता 'हीमोक्रोमैटोसिस' के इलाज के लिए किया जाता है। यूएसएफडीए ने कहा कि कंपनी 'विघटन विनिर्देशों के पूर्ण न किए जाने' के कारण प्रभावित खेप को वापस ले रही है। अमेरिकी स्वास्थ्य नियामक के अनुसार, जायडस फार्मास्यूटिकल्स (यूएसए) इंक भी एक निश्चित संख्या में ऑक्सीब्यूटिनिन क्लोराइड को बाजार से वापस ले रहा है।

क्रिसिल ने टाटा पावर की रेटिंग में किया सुधार

नई दिल्ली (भाषा)।

टाटा पावर ने बुधवार को कहा कि क्रिसिल रेटिंग्स ने कंपनी के बारे में अपने परिदृश्य में सुधार करते हुए इसे 'स्थिर' से ''सकारात्मक'' कर दिया है।

टाटा पावर ने शेयर बाजार को दी जानकारी में बताया कि क्रिसिल रेटिंग्स लिमिटेड ने कंपनी (टाटा पावर) पर अपना परिदृश्य 'एए/स्थिर' से बढ़ाकर 'एए/सकारात्मक' कर दिया है।'

क्रिसिल ने टाटा पावर के वाणिज्यिक पत्र कार्यक्रम तथा अल्पकालिक बैंक सुविधाओं की साख को फिर से 'क्रिसिल ए1ए' पर रखने की पुष्टि की है।

डीएटी एक्सपो आज से

■ वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण करेंगी इसका उद्घाटन

नई दिल्ली (भाषा)।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण डिजिटल एक्सेलेरेशन एंड ट्रांसफॉर्मेशन एक्सपो (डीएटीई) का बृहस्पतिवार को उद्घाटन करेंगी।

इसमें भारत की बढ़ती डिजिटल महत्वाकांक्षाओं, उसके प्रौद्योगिकी बदलाव पर जोर दिया जाएगा और नए युग के नवाचारों पर चर्चा की जाएगी। प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, दो दिवसीय कार्यक्रम में इलेक्ट्रॉनिक्स व आईटी राज्य मंत्री राजीव चंद्रशेखर मुख्य अतिथि और वक्ता के रूप में उभरती प्रौद्योगिकियों के बढ़ते प्रभाव तथा भारत की डिजिटल आकांक्षाओं के बारे में बात करेंगे। यह कार्यक्रम ट्रेसकॉन द्वारा आयोजित किया जा रहा है। यह ऐसे समय में हो रहा है जब देश की डिजिटल उपलब्धियां तथा अभूतपूर्व समाधानों को तेजी से अपनाना आर्थिक परिदृश्य को नया आकार दे रहा है, जिससे भारत नई विश्व व्यवस्था तथा वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में एक ताकत के रूप में स्थापित हो रहा है।

डीएटीई राष्ट्रीय राजधानी स्थित यशोभूमि (आईआईसीसी द्वारका) में आयोजित होगी।

संक्षिप्त खबरें

टाटा टेक को पूर्ण अभिदान

नई दिल्ली। इंजीनियरिंग एवं उत्पाद विकास संबंधी डिजिटल सेवाएं देने वाली कंपनी टाटा टेक्नोलॉजीज के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को बुधवार को खुलने के कुछ मिनट बाद ही पूर्ण अभिदान मिला। एनएसई के आंकड़ों के अनुसार, पूर्वाह्न 11 बजकर 21 मिनट तक 3,042.5 करोड़ रुपये के आईपीओ के प्रस्ताव पर 4,50,29,207 शेयरों के मुकाबले 8,73,22,890 शेयरों के लिए बोली मिली। उसे 1.94 गुना अभिदान मिला। टाटा टेक ने मंगलवार को एंकर निवेशकों से 791 करोड़ रुपये जुटाए थे।

एसएबी में नई नियुक्ति

कोच्चि (केरल)। बैंकिंग क्षेत्र के अग्रणी लोगों में से एक लक्ष्मी रामकृष्ण श्रीनिवास को साउथ इंडियन बैंक का अतिरिक्त निदेशक नियुक्त किया गया है। लक्ष्मी को 20 नवम्बर 2023 से तीन साल की अवधि के लिए बैंक का गैर-कार्यकारी स्वतंत्र निदेशक नियुक्त किया गया है। साउथ इंडियन बैंक की ओर से जारी एक बयान के अनुसार, लक्ष्मी के पास बैंकिंग क्षेत्र में 38 साल का अनुभव है। वह भारतीय स्टेट बैंक की मुख्य महाप्रबंधक के तौर पर सेवाएं दे चुकी हैं। बयान में कहा गया, वह स्टेट बैंक स्टाफ कॉलेज के निदेशक सहित कई वरिष्ठ पदों पर सेवाएं दे चुकी हैं।

गांधार ऑयल को अभिदान

नई दिल्ली। गांधार ऑयल रिफाइनरी (इंडिया) के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के बुधवार खुलने के कुछ ही घंटों के भीतर पूरी तरह से पूर्ण अभिदान मिल गया। एनएसई के पास पूर्वाह्न 11 बजकर 45 मिनट तक के आंकड़ों के अनुसार, 500.69 करोड़ रुपये के आईपीओ के प्रस्ताव पर 2,12,43,940 शेयरों के मुकाबले 2,96,40,864 शेयरों के लिए बोलियां मिलीं। उसे इससे 1.40 गुना अभिदान मिला। आईपीओ में 302 करोड़ रुपये तक के ताजा निर्गम और 1,17,56,910 इक्विटी शेयर का बिक्री प्रस्ताव है।

यूएसटी का नया केंद्र खुला

मुंबई। डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन सॉल्यूशंस कंपनी यूएसटी ने हैदराबाद के इंटरनेशनल टेक पार्क में एक नई उन्नत सुविधा खोली है। कंपनी की योजना अगले तीन वर्षों में अपने कर्मचारियों की संख्या दोगुनी कर चार हजार करने की है। यूएसटी की ओर से बुधवार को जारी एक बयान के अनुसार, अमेरिका केंद्रित कंपनी के कर्मचारियों की संख्या अभी 2,000 है। उसकी योजना अगले दो-तीन वर्षों में इसे दोगुना करने की है। हैदराबाद के इंटरनेशनल टेक पार्क में फैली इस 1,18,000 वर्ग फुट में फैली इस सुविधा में दूरसंचार, हाईटेक, खुदरा तथा बीमा सहित कई क्षेत्रों में अनुसंधान संबंधी काम किए जाएंगे।

एसडब्ल्यूपीई को मिला ठेका

नई दिल्ली। साउथ वेस्ट पिनेकल एक्सप्लोरेशन लिमिटेड (एसडब्ल्यूपीई) को राजस्थान में 'डायमंड कोर ड्रिलिंग' के लिए सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी हिंदुस्तान कॉपर से 38 करोड़ रुपये का ठेका मिला है। एसडब्ल्यूपीई ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी जानकारी में कहा, 'हमें राजस्थान में 'डायमंड कोर ड्रिलिंग' के लिए हिंदुस्तान कॉपर लिमिटेड से कार्य आदेश प्राप्त हुआ है। इसका कुल मूल्य जीएसटी सहित 38 करोड़ रुपये है।' खनन उद्योग में जमा वस्तुओं की जांच के लिए 'डायमंड कोर ड्रिलिंग' की जाती है। एसडब्ल्यूपीई की ड्रिलिंग क्षमता 300 मीटर से 2,000 मीटर के बीच है।(एजेंसियां)

जीएसटी : अभी फेसलेस आकलन में लगेगा वक्त

नई दिल्ली (भाषा)।

माल एवं सेवा कर (जीएसटी) के तहत कर रिटर्न के आकलन को लेकर करदाता और अधिकारी के आमने-सामने आये बिना जांच व्यवस्था शुरू करने में कुछ समय लग सकता है। जीएसटी नेटवर्क के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी।

करदाता और कर अधिकारी के आमने-सामने आये बिना (फेसलेस) आकलन की व्यवस्था सबसे पहले आयकर विभाग ने शुरू की थी। बाद में सीमा शुल्क विभाग ने इसे अपनाया। 'फेसलेस' आकलन जांच में कर अधिकारी और करदाता आमने-सामने नहीं आते और इसमें दस्तावेज को भौतिक रूप से पेश करने की भी जरूरत नहीं होती। जीएसटी नेटवर्क के उपाध्यक्ष (सेवा) जगमाल सिंह ने यहां उद्योग मंडल फिक्की के एक कार्यक्रम में कहा, 'हमें जीएसटी में 'फेसलेस' आकलन शुरू करने में कुछ समय लग सकता है। जीएसटी आकलन एक विशेष क्षेत्राधिकार अधिकारी या इकाई से जुड़ा हुआ है। इसे बदलने में कुछ समय लग सकता है। इसे प्रभावी बनाने के लिये नीतिगत स्तर पर कुछ बदलावों की भी जरूरत होगी।' जीएसटी एक जुलाई, 2017 को लागू किया गया। इसमें उत्पाद शुल्क, सेवा कर, मूल्यवर्धित कर (वैट) और उपकर सहित 17 स्थानीय शुल्क शामिल किये गये हैं।

> 'फेसलेस' के तहत करदाता और कर अधिकारी के आमने सामने आए बिना पूरी हो जाती है टैक्स की अदायगी से जुड़ी सारी प्रक्रिया

एनबीएफसी की वृद्धि 18% से कम रहने का अनुमान

नई दिल्ली (भाषा)।

बिना गारंटी (असुरक्षित) वाले खुदरा कर्ज पर भारतीय रिजर्व बैंक के हालिया निर्देश के बाद चालू वित्त वर्ष में भारत के गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी (एनबीएफसी) क्षेत्र की वृद्धि 16-18 प्रतिशत के अनुमान से कम रह सकती है। क्रिसिल रेटिंग्स ने बुधवार को यह अनुमान जताया है।

रेटिंग एजेंसी ने बयान में कहा कि देश की गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों की प्रबंधन-अधीन संपत्तियां (एयूएम) तमाम खुदरा ऋण क्षेत्रों में लगातार मजबूत मांग रहने से अगले वित्त वर्ष में 14-17 प्रतिशत की स्वस्थ वृद्धि दर्ज कर सकती हैं। हालांकि चालू वित्त वर्ष में वृद्धि दर 16-18 प्रतिशत के अनुमान से मामूली रूप से कम रह सकती है, क्योंकि एनबीएफसी एयूएम में अब तक सबसे तेजी से बढ़ने वाले असुरक्षित खुदरा ऋण खंड में अपेक्षाकृत धीमी वृद्धि होने की आशंका है।

क्रिसिल ने कहा कि आगे चलकर उत्पाद पेशकश एनबीएफसी की वृद्धि में अहम भूमिका निभाएंगे। रेटिंग एजेंसी के मुताबिक, एनबीएफसी की खुदरा ऋण वृद्धि ठोस अंतर्निहित व्यापक एवं सूक्ष्म आर्थिक कारकों से संचालित होती रहेगी। क्रिसिल रेटिंग्स के प्रबंध निदेशक गुरप्रीत चटवाल ने एक वेबिनार में कहा कि हालिया नियामकीय उपाय असुरक्षित खुदरा ऋणों पर लक्षित हैं।

कर्ज के नियम कड़े करना ऐहतियाती कदम : दास

■ आरबीआई गवर्नर ने कहा, यह कदम बैंकिंग व्यवस्था सुचारू बनाए रखने में मददगार

मुंबई (भाषा)।

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के गवर्नर शक्तिकांत दास ने बुधवार को कहा कि असुरक्षित माने जाने वाले कुछ कर्ज के मानदंडों को हाल ही में कड़ा करना सोच-समझकर लिया गया एहतियाती और लक्षित कदम है। यह बैंक व्यवस्था को सुचारू बनाये रखने के हित में है। दास ने यह भी कहा कि हमारी बैंकिंग प्रणाली मजबूत बनी हुई है और फिलहाल इसको लेकर चिंता का कोई कारण नहीं है। हालांकि, उन्होंने बैंकों को ज्यादा सतर्क रहने और किसी भी तरह के जोखिम का समय रहते पता लगाने की सलाह दी। आरबीआई गवर्नर ने उद्योग मंडल फिक्की (फेडरेशन आफ इंडियन चैंबर आफ कामर्स एंड इंडस्ट्री) और भारतीय बैंक संघ (आईबीए) के संयुक्त रूप से आयोजित सालाना एफआई-बीएसी कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा, 'हमने हाल ही में व्यवस्था को सुचारू बनाये रखने को ध्यान में रखकर सोच-विचारकर कुछ उपायों की भी घोषणा की है। ये उपाय एहतियाती हैं।'

उल्लेखनीय है आरबीआई ने पिछले सप्ताह बैंकों और गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) के लिए व्यक्तिगत और क्रेडिट कार्ड कर्ज जैसे असुरक्षित माने जाने वाले ऋण के नियमों को कड़ा किया था। संशोधित मानदंड में जोखिम भार में 25 प्रतिशत की वृद्धि की गई है। उच्च जोखिम भार का मतलब है कि व्यक्तिगत कर्ज के मामले में बैंकों को अलग से ज्यादा राशि का प्रावधान करना होगा। इससे बैंक किसी प्रकार के दबाव की स्थिति में उससे निपटने में ज्यादा सक्षम होंगे। साथ ही इस कदम से लोगों के लिये व्यक्तिगत कर्ज और क्रेडिट कार्ड के जरिये ऋण लेना महंगा होगा।

दास ने कहा कि आरबीआई ने आवास और वाहन खरीद के अलावा छोटे कारोबारियों द्वारा लिये जाने वाले कर्जों को इससे अलग रखा है। इसका कारण इसके जरिये जो वृद्धि हो रही है, उसे बनाए रखना है। उन्होंने यह भी कहा कि इस खंड में उन्हें दबाव बनने की स्थिति नहीं दिख रही। आरबीआई गवर्नर ने बैंकों से अपनी जोखिम प्रबंधन व्यवस्था को मजबूत करने और व्यापार चक्र प्रतिकूल होने पर किसी भी स्थिति का सामना करने के लिए अतिरिक्त उपाय करने को कहा।

दास ने कहा, 'हालांकि, बैंक और एनबीएफसी अब अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं, लेकिन इसे बनाए रखने के लिए ठोस प्रयासों की जरूरत है। ऐसे अच्छे समय में, बैंकों और एनबीएफसी को इस बात पर विचार करने और आत्मनिरीक्षण करने की जरूरत है कि संभावित जोखिम कहां से उत्पन्न हो सकते हैं।'

कंपनी में लौटेंगे ओपन आई के अपदस्थ सीईओ

■ कंपनी ने पिछले सप्ताह सैम ऑल्टमैन को निकालने का किया था ऐलान

सैन फ्रांसिस्को (एपी)

कृत्रिम मेधा (एआई) पर आधारित मंच चैटजीपीटी का निर्माण करने वाली कंपनी ओपन एआई ने कहा कि अपदस्थ किए गए मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) सैम ऑल्टमैन कंपनी में वापस लौट रहे हैं।

कंपनी ने पिछले सप्ताह उन्हें निकाले की घोषणा कर सभी को चौंका दिया था। सैन फ्रांसिस्को स्थित कंपनी की ओर से मंगलवार देर रात जारी एक बयान में कहा गया है, हम सैम ऑल्टमैन को नए प्रारंभिक बोर्ड के जरिए सीईओ के रूप में ओपनएआई में वापस लाने के लिए सैद्धांतिक रूप से एक समझौते पर पहुंच गए हैं।' इस निदेशक मंडल में सेल्सफोर्स के पूर्व सह-सीईओ ब्रेट टेलर, पूर्व अमेरिकी मंत्री लैरी समर्स और क्वोरा के सीईओ एडम डी'एंजेलो शामिल होंगे। कंपनी की ओर से गत शुक्रवार को जारी एक बयान में कहा गया था, 'ओपन एआई का नेतृत्व करने की आल्टमैन की क्षमता पर अब बोर्ड को भरोसा नहीं है।'

सैम आल्टमैन

> ■ आल्टमैन की जगह कंपनी ने मीरा मुराती को बनाया था अपना नया सीईओ

ओपन एआई की मुख्य प्रौद्योगिकी अधिकारी मीरा मुराती को तत्काल प्रभाव से अंतरिम सीईओ नियुक्त किया गया था।

बजाज फिनसर्व का बैलेंस्ड एडवांटेज फंड NFO कल

नई दिल्ली (एजेंसी)।

बजाज फिनसर्व एसेट मैनेजमेंट ने बैलेंस्ड एडवांटेज फंड का एनएफओ लांच करने की घोषणा की है। यह एक ओपन-एंडेड डायनेमिक एसेट एलोकेशन फंड है, जो डेरिवेटिव के साथ इक्विटी और फिक्स्ड इनकम के विकल्पों में निवेश करना चाहते हैं।

बजाज फिनसर्व बैलेंस्ड एडवांटेज फंड एक अनूठे निवेश मॉडल का उपयोग करता है जो व्यवहार विज्ञान पर आधारित है। फंड का प्रबंधन इक्विटी पक्ष पर निमेश चंदन व सौरभ गुप्ता और डेट पक्ष पर सिद्धार्थ द्वारा संयुक्त रूप से किया जाएगा। न्यू फंड आफर सब्सक्रिप्शन के लिए 24 नवम्बर को खुलेगा और 8 दिसम्बर को बंद होगा।

पश्चिमी बंगाल में निवेश के लिए उद्योग प्रतिबद्ध

■ व्यापार सम्मेलन में मिले ₹3.76 लाख करोड़ के प्रस्ताव

कोलकाता (भाषा)। प.बंगाल में निवेश आकर्षित करने को आयोजित व्यापार शिखर सम्मेलन के दौरान राज्य को 3.76 लाख करोड़ रुपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव मिले हैं। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने सम्मेलन के समापन सत्र को बुधवार को संबोधित करते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल में निवेश के लिए मिले ये प्रस्ताव विभिन्न क्षेत्रों से संबंधित हैं। बनर्जी ने कहा कि दो दिन के सम्मेलन में कुल 188 समझौता ज्ञापनों (एमओयू) और आशय पत्रों (एलओआई) पर हस्ताक्षर किए गए। इस सम्मेलन की शुरुआत मंगलवार को हुई थी। उद्घाटन सत्र में रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी, आरपीजी समूह के संजीव गोयनका और विप्रो के रिशद प्रेमजी समेत कई कारोबारी दिग्गज शामिल हुए थे।

ब्रिटेन के पेचीदा नियमों से मेडिकल इक्विपमेंट का निर्यात प्रभावित

नई दिल्ली (भाषा)।

ब्रिटेन की लंबी नियामक अनुमोदन प्रक्रियाएं उसके बाजार में भारत के चिकित्सकीय उपकरणों के निर्यात को प्रभावित करती हैं। शोध संस्थान जीटीआरआई ने बुधवार को यह बात कही। जीटीआरआई के अनुसार, इन उपकरणों के निर्यात को बढ़ावा देने के वास्ते भारत को ब्रिटेन के बाजार में इन उपकरणों के प्रवेश में तेजी लाने के लिए एक पारस्परिक मान्यता समझौते पर बातचीत करनी चाहिए। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन का लाइसेंस या क्वालिटी काउंसिल ऑफ इंडिया का इंडियन सर्टिफिकेशन आफ मेडिकल डिवाइसेज प्रमाणन पर।

ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) के सह-संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा, 'एमआरए विनियामक अनुपालन और लेखापरीक्षा आवश्यकताओं को कम करेगा संभावित रूप से भारत के निर्यात को बढ़ाएगा।' यह सुझाव महत्वपूर्ण है क्योंकि दोनों देश मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं और यह क्षेत्र उसका एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। शोध संस्थान के अनुसार, ब्रिटेन में चिकित्सकीय उपकरणों पर मौजूदा शून्य आयात शुल्क का एफटीए के तहत भारत के लिए कोई प्रत्यक्ष शुल्क-संबंधी लाभ नहीं है। इसका मतलब है कि भारत के चिकित्सकीय उपकरण उद्योग को शुल्क रियायतें नहीं मिलती हैं, जबकि ऐसे व्यापार समझौतों में यह एक विशिष्ट लाभ होता है। जीटीआरआई ने कहा, 'ब्रिटेन में शून्य शुल्क के बावजूद वहां भारत का चिकित्सकीय उपकरण निर्यात देश की लंबी नियामक अनुमोदन प्रक्रियाओं के कारण सीमित है।'

सेंसेक्स 92 अंक चढ़ा

मुंबई (भाषा)।

बेहद उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी बुधवार को मामूली बढ़त के साथ बंद हुए। इस दौरान बाजार को इन्फोसिस, आईटीसी और रिलायंस जैसे प्रमुख शेयरों में खरीदारी से मदद मिली।

विदेशी कोषों की शेयर बाजारों में लगातार बिकवाली के चलते बाजार में बढ़त सीमित रही। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 92.47 अंक या 0.14 प्रतिशत चढ़कर 66,023.24 अंक पर बंद हुआ। दिन के कारोबार में इसने 65,664.85 के निचले स्तर और 66,063.43 के ऊपरी स्तर को छुआ। निफ्टी 28.45 अंक या 0.14 प्रतिशत बढ़कर 19,811.85 अंक पर बंद हुआ।

एयर इंडिया पर 10 लाख रुपये का जुर्माना

■ यात्रियों को मानकों के अनुरूप सुविधाएं न देने पर डीजीसीए ने लगाया यह जुर्माना

नई दिल्ली (भाषा)।

विमानन क्षेत्र के नियामक डीजीसीए ने यात्रियों को जरूरी सुविधाएं देने से संबंधित मानकों का अनुपालन न करने के लिए एयर इंडिया पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है।

नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने बुधवार को बयान में कहा कि दिल्ली, कोच्चि और बेंगलुरु के हवाई अड्डों पर एयर इंडिया की इकाइयों का निरीक्षण करने के बाद यह पाया गया कि एयरलाइन नागर विमानन प्रावधानों (सीएआर) का ठीक से पालन नहीं कर रही है। इस संदर्भ में एयर इंडिया को तीन नवम्बर को नियामक की तरफ से कारण बताओ नोटिस भी जारी किया गया था।

डीजीसीए ने कहा कि नोटिस पर एयर इंडिया से मिले जवाब के आधार पर यह पाया गया कि वह यात्रियों को सुविधाएं देने के मानकों से संबंधित सीएआर का अनुपालन नहीं कर रही है। इस संबंध में एयरलाइन पर 10 लाख रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

एयर इंडिया पर उड़ानों में देरी होने पर यात्रियों को होटल में ठहराने, अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में सुविधाजनक सीटें न पाने वाले यात्रियों को मुआवजा देने और ग्राउंड स्टाफ के समुचित प्रशिक्षण से संबंधित मानकों पर ध्यान न देने की बात कही गई है।

'डीपफेक' पर शिकंजा कसने को तैयार है सरकार

■ संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव सोशल मीडिया मंचों के प्रतिनिधियों के साथ आज करेंगे बैठक

नई दिल्ली (भाषा)।

केंद्रीय संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने 'डीपफेक' के मुद्दे पर सोशल मीडिया मंच के प्रतिनिधियों के साथ बृहस्पतिवार को एक बैठक बुलाई है। एक सूत्र ने यह जानकारी दी। यह कदम प्रौद्योगिकी के दुरुपयोग पर चिंताओं और 'डीपफेक' पर नकेल कसने के लिए डिजिटल मंचों को प्रोत्साहित करने के सरकार के संकल्प को दर्शाता है।

'डीपफेक' में कृत्रिम मेधा (एआई) का इस्तेमाल करते हुए किसी तस्वीर या वीडियो में मौजूद व्यक्ति की जगह किसी दूसरे को दिखा दिया जाता है। इसमें इतनी समानता होती है कि असली और नकली में अंतर करना काफी मुश्किल होता है। एक सूत्र के मुताबिक, वैष्णव 23 नवम्बर को 'डीपफेक' के मुद्दे पर सोशल मीडिया मंच के प्रतिनिधियों से मुलाकात करेंगे। हाल ही में, बॉलीवुड के कई कलाकारों को निशाना बनाने वाले कई 'डीपफेक' वीडियो सोशल मीडिया मंच पर प्रसारित हो गए थे। इसपर कई लोगों ने नाराजगी जाहिर की थी। इससे नकली सामग्री बनाने के लिए प्रौद्योगिकी तथा उपकरणों के दुरुपयोग को लेकर भी कई सवाल खड़े हो गए।

> **क्या है 'डीपफेक'**
> डीप फेक में एआई के जरिए किसी की भी वीडियो पर उसका फोटो या वीडियो हटाकर अपना वीडियो लगाया जा सकता है।

> ■ सोशल मीडिया पर डाले गए वीडियो को डाउनलोड करने के बाद उस पर एंकर की जगह अपना वीडियो लगा सोशल मीडिया पर दुबारा अपलोड कर रहे हैं लोग

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को आगाह किया था कि कृत्रिम मेधा (एआई) से बनाए गए 'डीपफेक' बड़े संकट का कारण बन सकते हैं। समाज में असंतोष उत्पन्न कर सकते हैं। उन्होंने मीडिया से इसके दुरुपयोग को लेकर जागरूकता बढ़ाने और लोगों को शिक्षित करने का आग्रह भी किया था। वहीं वैष्णव ने आगाह किया कि अगर मंच 'डीपफेक' को हटाने के लिए पर्याप्त कदम नहीं उठाते हैं, तो उन्हें आईटी अधिनियम के तहत वर्तमान में जो 'सुरक्षित हार्बर प्रतिरक्षा' मिली है, वह नहीं दी जाएगी।

सरकार ने इस मुद्दे पर कंपनियों को एक नोटिस जारी किया था। मंत्री ने साथ ही स्पष्ट किया था कि कंपनियों को ऐसी सामग्रियों से निपटने के लिए, अधिक आक्रामक कदम उठाने होंगे। वैष्णव ने भी पिछले सप्ताहांत में पत्रकारों से बात करते हुए कहा था कि इस मुद्दे पर सभी मंचों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक बुलाई जाएगी।

भारत का ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 मैच आज शाम 7 बजे

नए प्रारूप में नई शुरुआत, अनुभवियों के सामने युवा टीम की कड़ी परीक्षा

एजेंसी ▸▸ विशाखापट्टनम

सूर्यकुमार यादव को विश्व कप फाइनल में मिली हार की निराशा को भुलाकर ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ गुरुवार से यहां शुरू होने वाली पांच मैचों की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में भारत के युवा खिलाड़ियों से सजी टीम का नेतृत्व करना होगा। विश्व कप की हार को भुलाना इतना आसान काम नहीं है और फिर सूर्यकुमार को केवल 96 घंटे के अंदर मजबूत ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टीम की अगुवाई करनी है। उन्हें आत्ममंथन करने का मौका भी नहीं मिलेगा लेकिन टी20 उनका पसंदीदा प्रारूप है और वह इसमें खेलने के लिए तैयार होंगे। टीम का कप्तान होने के नाते उनकी जिम्मेदारी केवल जीत दर्ज करना ही नहीं बल्कि उन खिलाड़ियों की पहचान करना भी होगा जो अगले साल वेस्टइंडीज और अमेरिका में होने वाले आईसीसी टी20 विश्व कप के लिए अपना दावा पेश कर सकते हैं।

युवाओं के सामने अनुभवी खिलाड़ी

यशस्वी जायसवाल, रिंकू सिंह, तिलक वर्मा, जितेश शर्मा और मुकेश कुमार जैसे खिलाड़ियों ने हाल के महीनों में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया है। लेकिन उनकी पहली परीक्षा ऑस्ट्रेलिया की मजबूत टीम के खिलाफ होगी। इसमें विश्व कप में भाग लेने वाले कुछ खिलाड़ी जैसे सलामी बल्लेबाज ट्रैविस हेड, ग्लेन मैक्सवेल, लेग स्पिनर एडम जम्पा और पूर्व कप्तान स्टीव स्मिथ शामिल हैं। इसके अलावा आईपीएल में अच्छा प्रदर्शन करने वाले मार्कस स्टोइनिस, नाथन एलिस, टिम डेविड जैसे खिलाड़ी भी ऑस्ट्रेलिया की टीम में शामिल हैं।

रोहित, विराट और राहुल टीम में नहीं

पिछले साल टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में मिली हार के बाद कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली और केएल राहुल के नाम पर सबसे छोटे प्रारूप में खेलने के लिए विचार नहीं किया जा रहा है और ऐसे में चयनकर्ताओं को इस श्रृंखला से अगले साल होने वाले टी20 विश्व कप के लिए टीम का खाका तैयार करने में मदद मिलेगी।

ऑस्ट्रेलिया के सामने होगी असली परीक्षा

रिंकू सिंह ने अभी तक भारत की तरफ से जितने मैच खेले हैं उनमें उन्होंने प्रभावित किया है। यही बात यशस्वी, तिलक और मुकेश पर लागू होती है जबकि एशियाई खेलों के दौरान पदार्पण करने वाले जितेश को इशान किशन की मौजूदगी के कारण इंतजार करना होगा। भारत के इन खिलाड़ियों ने अभी तक वेस्टइंडीज, आयरलैंड और एशियाई खेलों में औसत दर्जे के आक्रमण का सामना किया है। ऐसे में केन रिचर्डसन, नाथन एलिस, सीन एबॉट और बाएं हाथ के जेसन बेहरनडोर्फ जैसे गेंदबाजों की मौजूदगी वाले ऑस्ट्रेलियाई आक्रमण के सामने उनकी असली परीक्षा होगी।

अफ्रीका सीरीज में काफी विकल्प

अंतरिम कोच वीवीएस लक्ष्मण बल्लेबाजी क्रम पर काम कर रहे हैं तथा शुभमन गिल की दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ श्रृंखला के लिए वापसी के बाद भारत के पास शीर्ष क्रम में काफी विकल्प होंगे। पूरी संभावना है कि रुतुराज गायकवाड़ के साथ जायसवाल या किशन में से कोई एक पारी का आगाज करेगा। हार्दिक पंड्या के खेलने पर उप कप्तान की भूमिका निभाने वाले सूर्यकुमार तीसरे या चौथे नंबर पर बल्लेबाजी के लिए उतरेंगे।

टीम इस प्रकार हैं

भारत : सूर्यकुमार यादव (कप्तान), रुतुराज गायकवाड़ (उपकप्तान), इशान किशन, यशस्वी जायसवाल, तिलक वर्मा, रिंकू सिंह, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), वाशिंगटन सुंदर, अक्षर पटेल, शिवम दुबे, रवि बिश्नोई, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, अवेश खान, मुकेश कुमार।

ऑस्ट्रेलिया : मैथ्यू वेड (कप्तान), आरोन हार्डी, जेसन बेहरेनडोर्फ, सीन एबॉट, टिम डेविड, नाथन एलिस, ट्रैविस हेड, जोश इंग्लिस, ग्लेन मैक्सवेल, तनवीर सांघा, मैट शॉर्ट, स्टीव स्मिथ, मार्कस स्टोइनिस, केन रिचर्डसन, एडम जम्पा।

खबर संक्षेप

छह फ्रेंचाइजी ने नीलामी में 3.90 करोड़ रुपए खर्चे

भुवनेश्वर। अल्टीमेट खो खो के बुधवार को यहां हुए दूसरे सत्र के ड्राफ्ट के दौरान छह फ्रेंचाइजी टीम ने 290 के पूल में से 145 खिलाड़ियों को खरीदा। इन खिलाड़ियों को खरीदने में फ्रेंचाइजी ने 3.90 करोड़ रुपए का खर्चा किया जिसमें से 18 खिलाड़ियों को रिटेन किया गया। इनमें 16 से 18 साल की उम्र के 33 युवा खिलाड़ी भी शामिल थे। गुजरात जायंट्स और राजस्थान वारियर्स ने अपनी टीम पूरी करने के लिए क्रमशः 25 और 22 खिलाड़ियों को शामिल किया। गत चैम्पियन ओडिशा जगरनॉट्स ने युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का संयोजन सुनिश्चित किया। राजस्थान वारियर्स, तेलुगु योद्धाज और चेन्नई क्विक गन्स ने क्रमशः विजय हजारे, अधित्या गनपुले और लक्ष्मण गवास जैसे स्टार खिलाड़ियों को चुना। मुंबई खिलाडीज और चेन्नई क्विक गन्स ने भी युवा खिलाड़ियों को खरीदने में तवज्जो दी।

लक्ष्य सेन और श्रीकांत चाइना मास्टर्स में हारे

शेनझेन। भारत के स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन और किदाम्बी श्रीकांत बुधवार यहां सत्र के अंतिम बीडब्लूएफ सुपर 750 टूर्नामेंट चाइना मास्टर्स में हारकर बाहर हो गए। दुनिया के 17वें नंबर के खिलाड़ी सेन को चीन के सातवें वरीय शि युकी से 19-21, 18-21 से हार का सामना करना पड़ा जबकि श्रीकांत (24वें नंबर के खिलाड़ी) को थाईलैंड के विश्व चैंपियन कुनलावुत विदितसवर्ण से 15-21, 21-14, 13-21 से पराजय मिली। श्रीकांत विश्व टूर पर लगातार तीसरी बार पहले दौर में बाहर हुए। वह इस सत्र में चार बार क्वार्टरफाइनल में पहुंचे।

10 टीम का टूर्नामेंट हो सकता है हंड्रेड

लंदन। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड भारत और अमेरिका के निवेशकों को लुभाने के लिए अपनी क्रिकेट लीग 'द हंड्रेड' का विस्तार करके उसे 10 टीम का टूर्नामेंट बना सकता है। रिपोर्ट के अनुसार ईसीबी आगामी वर्षों में हंड्रेड में दो नई टीम जोड़ने से पहले बैठकों का दौर जारी रखेगा। रिपोर्ट में कहा गया है, 'यह समझा जाता है कि भारत और अमेरिका के खरीदार मौजूदा आठ टीमों में रुचि दिखा रहे हैं। अगले पांच वर्षों में हंड्रेड का विस्तार करके इसे 10 टीम का टूर्नामेंट बनाया जा सकता है। इसमें जुड़ने वाली दो नई टीम ब्रिस्टल, टॉटन या डरहम की हो सकती हैं।

फुटबॉल : राउंड रोबिन मैच में ब्राजील की यह लगातार तीसरी हार

अर्जेंटीना ने विश्व कप क्वालीफाइंग मैच में ब्राजील को 1–0 से हराया

एजेंसी ▸▸ रियो डी जेनेरियो

विश्व चैंपियन अर्जेंटीना ने निकोलस ओटामेंडी के गोल की मदद से विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट के क्वालीफाइंग मैच में अपने चिर प्रतिद्वंदी ब्राजील को 1-0 से हराया। मकराना स्टेडियम में हजारों दर्शक लियोनेल मेसी को संभवतः ब्राजील में आखिरी बार खेलते हुए देखने के लिए पहुंचे थे लेकिन वह ओटामेंडी थे जिनके 63वें मिनट में किए गए गोल ने मैच का परिणाम तय किया। दर्शकों के बीच झगड़े के कारण खेल देर से शुरू हुआ। ब्राजील की यह विश्व कप क्वालीफाईंग में अपने घरेलू मैदान पर पहली हार है। राउंड रोबिन आधार पर खेली जा रही इस प्रतियोगिता में ब्राजील की यह लगातार तीसरी पराजय है जो नए कोच फर्नांडो डिनिज के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं। मेसी जब 78वें मिनट में मैदान छोड़कर बाहर निकले तो ब्राजील के प्रशंसकों ने भी तालियां बजाकर उनका स्वागत किया। मकराना स्टेडियम में कई ऐसे बच्चे पहुंचे थे जिन्होंने बार्सिलोना की जर्सी पहन रखी थी। मेसी लंबे समय तक बार्सिलोना के लिए खेलते रहे लेकिन वह वर्तमान में अमेरिका के क्लब इंटर मियामी की तरफ से खेल रहे हैं।

मैच से पहले हुआ विवाद

मैच शुरू होने से ठीक पहले राष्ट्रीय गान के बाद दर्शक एक दूसरे से भिड़ गए जिसके कारण मैच निर्धारित समय से 27 मिनट देर से शुरू हुआ। इस बीच अर्जेंटीना की टीम 22 मिनट तक लाकर रूम में रही। रियो पुलिस ने कहा कि उसने इस झगड़े के लिए जिम्मेदार आठ लोगों को गिरफ्तार किया है।

15 अंक से शीर्ष पर अर्जेंटीना

अर्जेंटीना 10 टीमों के दक्षिण अमेरिकी क्वालीफाइंग प्रतियोगिता में छह मैच में 15 अंक लेकर शीर्ष पर है। उसके बाद उरुग्वे और कोलंबिया का नंबर आता है। ब्राजील के सात अंक हैं और वह छठे स्थान पर है।
अन्य मैचों में कोलंबिया ने पराग्वे को 1-0 से, उरुग्वे ने बोलीविया को 3-0 से और इक्वाडोर ने चिली को 1-0 से हराया।

क्रोएशिया यूरो 2024 के लिए क्वालीफाई

वाशिंगटन। क्रोएशिया ने कुछ विषम पलों से गुजरने के बाद आर्मेनिया को 1-0 से हराकर अगले साल जर्मनी में होने वाली यूरोपीय चैंपियनशिप फुटबॉल प्रतियोगिता के लिए क्वालीफाई किया। ग्रुप डी में शीर्ष पर काबिज तुर्की के बाद दूसरे स्थान पर रहकर सीधे क्वालीफाई करने के लिए क्रोएशिया को जीत की जरूरत थी। जग्रेब में खेले गए इस मैच में उसकी तरफ से महत्वपूर्ण गोल मिडफील्डर एंटे बुदिमीर ने 43वें मिनट में बोर्ना सोसा के क्रॉस पर हेडर से किया। इस ग्रुप पर एक अन्य मैच में तुर्की ने वेल्स को 1-1 से बराबरी पर रोका।

आईपीएल-2024

पड्डिकल राजस्थान में शामिल लखनऊ के लिए खेलेंगे आवेश

एजेंसी ▸▸ नई दिल्ली

भारतीय तेज गेंदबाज आवेश खान अगले साल आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स के लिए खेलेंगे जबकि उनकी पूर्व टीम लखनऊ सुपर जाइंट्स ने उनकी जगह रॉयल्स के देवदत्त पड्डिकल को खरीदा है।

आवेश गुरुवार से विशाखापत्तनम में आस्ट्रेलिया के खिलाफ शुरू हो रही टी20 श्रृंखला में भारतीय टीम का हिस्सा हैं। वह आईपीएल में अब तक 47 मैचों में 55 विकेट ले चुके हैं। आवेश को लखनऊ टीम ने 2022 की मेगा नीलामी में दस करोड़ रुपए में खरीदा था। लखनऊ के लिए 22 मैचों में 26 विकेट ले चुके आवेश को इसी कीमत पर रॉयल्स ने खरीदा। वहीं पड्डिकल को सात करोड़ 75 लाख रुपए में खरीदा गया था और इसी कीमत पर वह लखनऊ टीम में गए। दोनों खिलाड़ियों को इस साल उनकी टीमों ने रिटेन रखा था। बाएं हाथ के बल्लेबाज पड्डिकल ने 57 आईपीएल मैचों में 1521 रन बनाए हैं जिसमें एक शतक और नौ अर्धशतक शामिल है। उन्होंने रॉयल्स के लिए 28 मैचों में 637 रन बनाए हैं। मध्यक्रम के बल्लेबाज सरफराज खान और मनीष पांडे को दिल्ली कैपिटल्स ने फारिग कर दिया है। सरफराज को 20 लाख रुपए और पांडे को दो करोड़ 40 लाख रुपए में खरीदा गया था।

राष्ट्रीय हॉकी में जीते छत्तीसगढ़, बंगाल

चेन्नई। छत्तीसगढ़, बंगाल और तेलंगाना ने सीनियर पुरुष राष्ट्रीय हॉकी चैंपियनशिप के छठे दिन अपने अपने मुकाबले जीत लिए। छत्तीसगढ़ ने गुजरात को 11-3 से हराया। वहीं बंगाल ने जम्मू कश्मीर को 10-0 से और तेलंगाना ने अरुणाचल को 15-0 से मात दी। अन्य मुकाबलों में दादरा और नगर हवेली और दमन और दीयू की संयुक्त टीम ने बिहार को 7-1 से मात दी जबकि झारखंड ने चंडीगढ़ को 2-0 से हराया।

फिनलैंड ने सेमीफाइनल में बनाई जगह, चैंपियन कनाडा को हराया

एजेंसी ▸▸ मलागा

फिनलैंड ने पिछली बार के चैंपियन और दुनिया की नंबर एक टीम कनाडा को हराकर पहली बार डेविस कप टेनिस टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

दक्षिणी स्पेन के शहर में खेली जा रही प्रतियोगिता के पहले क्वार्टर फाइनल में ओटो वर्टेनन और हैरी हेलियोवारा ने निर्णायक युगल मैच में एलेक्सिस गैलारन्यू और वासेक पोस्पिसिल को 7-5, 6-3 से हराकर 14वीं रैंकिंग वाले फिनलैंड को जीत दिलाई। वर्टेनन ने दूसरे एकल मैच में गैब्रियल डायलो को

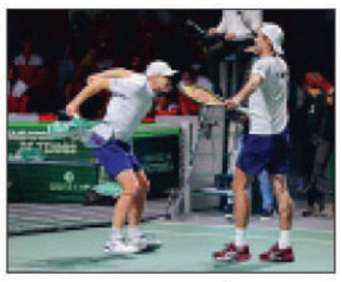

6-4, 7-5 से हराकर फिनलैंड की उम्मीदों को जीवंत रखा था। इससे पहले मिलोस राओनिच ने पैट्रिक कौकोवल्टा पर 6-3, 7-5 से जीत के साथ कनाडा को शुरुआती बढ़त दिलाई थी।

भारत को एशियाई पैरा चैंपियनशिप में नौ पदक

बैंकॉक। विश्व रैंकिंग में पांचवें स्थान पर काबिज राकेश कुमार ने स्वर्ण पदकों की हैट्रिक लगाई जिसके दम पर भारत ने एशियाई

पैरा तीरंदाजी चैंपियनशिप में बुधवार को नौ पदक जीतकर दक्षिण कोरिया जैसे दिग्गज पर बढ़त बनाई। भारत को चार स्वर्ण, चार रजत और एक कांस्य पदक मिला। वहीं दक्षिण कोरिया तीन स्वर्ण, एक रजत और एक कांस्य जीतकर दूसरे स्थान पर रहा। हांगझोउ पैरा एशियाई खेलों के रजत पदक विजेता राकेश ने पुरुषों के कंपाउंड वर्ग में इंडोनेशिया के केन एस को 145-144 से हराया।इससे पहले राकेश और सूरज सिंह ने पुरुषों के कंपाउंड वर्ग में चीनी ताइपै के पुंग हुंग वू और चिह चियांग चांग को 147-144 से हराकर टीम स्पर्धा का स्वर्ण जीता। राकेश ने शीतल देवी के साथ इंडोनेशिया के टी आडी आयुडिया फेरेली और केन एस को 154-149 से हराकर मिश्रित टीम वर्ग में भी स्वर्ण हासिल किया।

जीत का जश्न...

ढाका। ढाका डिवीजन के खिलाड़ी बुधवार को ढाका मेट्रोपोलिस के खिलाफ ड्रा मैच के बाद अपने 2023-24 एनसीएल खिताब जीतने के बाद जश्न मनाते हुए।

केकेआर ने गंभीर की कप्तानी में ही जीता था खिताब

गंभीर ने लखनऊ का साथ छोड़ा, केकेआर से जुड़े

एजेंसी ▸▸ लखनऊ

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर ने आईपीएल की फ्रेंचाइजी लखनऊ सुपर जायंट्स के मेंटर पद से इस्तीफा दे दिया है और अब वह इसी पद पर अपनी पुरानी टीम कोलकाता नाइट राइडर्स से जुड़ गए हैं। केकेआर ने गंभीर की कप्तानी में ही 2012 और 2014 में आईपीएल का खिताब जीता था।

गंभीर ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर बुधवार को डाली गयी पोस्ट में कहा, 'मैं लखनऊ सुपरजायंट्स के साथ अपने शानदार सफर के अंत की घोषणा करता हूं। मैं सभी खिलाड़ियों,

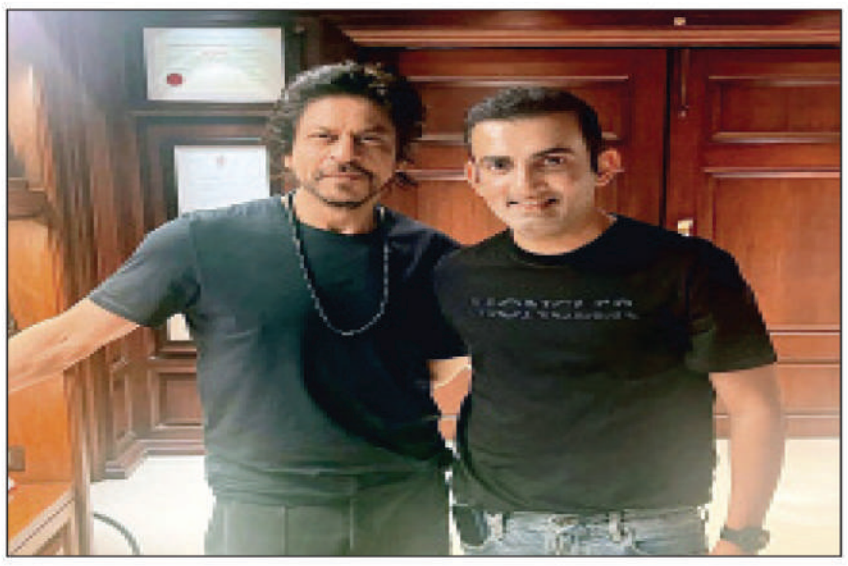

प्रशिक्षकों, सहयोगी स्टाफ और हर उस व्यक्ति का बेहद शुक्रगुजार हूं जिसने इस सफर को यादगार बनाया।' वर्ष 2022 में लखनऊ सुपर जायंट्स से बतौर मार्गदर्शक जुड़े गंभीर ने एक अन्य पोस्ट में अब कोलकाता नाइट राइडर्स से जुड़ने का भी ऐलान किया। केकेआर ने अपने आधिकारिक हैंडल पर इसकी पुष्टि की है। केकेआर ने 'एक्स' पर लिखा, 'घर में आपका स्वागत है, मेंटर गौतम गंभीर।' वर्ष 2011-17 तक गम्भीर का केकेआर के साथ पिछला जुड़ाव ऐतिहासिक था। इस दौरान टीम ने दो बार खिताब जीता, पांच बार प्लेऑफ़ के लिए क्वालीफाई किया और 2014 में चैंपियंस लीग टी20 के फाइनल में पहुंची।'

एसजी ब्रिगेड को शुभकामनाएं

गंभीर ने एक्स पर एलएसजी को अपने विदाई संदेश में कहा, 'मैं संजीव गोयनका को उनके प्रेरणादायक नेतृत्व और मेरे सभी लक्ष्यों को हासिल करने में बेहतरीन सहयोग के लिए धन्यवाद देता हूं। मुझे पूरा भरोसा है कि यह टीम भविष्य में आश्चर्यजनक परिणाम देगी और लखनऊ सुपरजायंट्स के हर एक प्रशंसक को गौरवान्वित करेगी। एसजी ब्रिगेड को बहुत-बहुत शुभकामनाएं।' गंभीर वर्ष 2012 से 2014 तक कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान रह चुके हैं और उनकी अगुवाई में केकेआर ने 2012 और 2014 में दो बार आईपीएल का खिताब जीता था।

श्वसन संबंधी संक्रमण नहीं रोकते एयर प्यूरिफायर

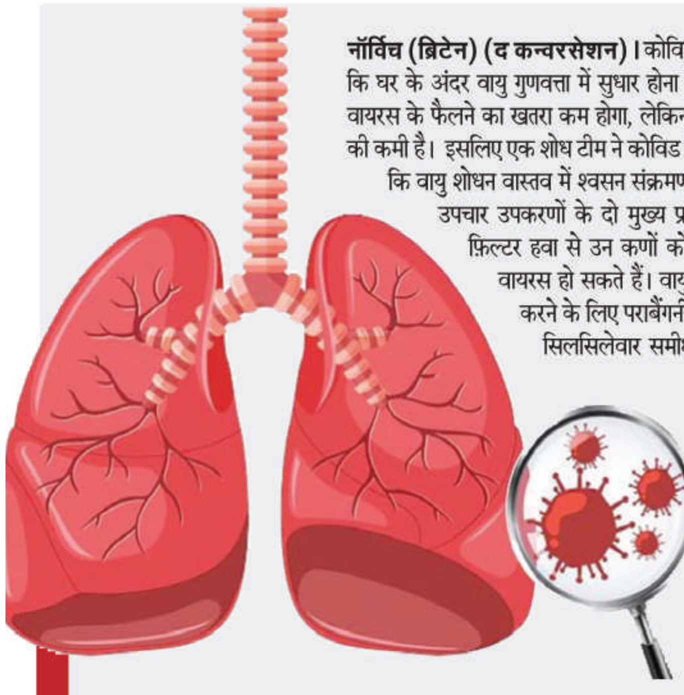

नॉर्विच (ब्रिटेन) (द कन्वरसेशन)। कोविड-19 के दौरान इस तरह की बातें सामने आई कि घर के अंदर वायु गुणवत्ता में सुधार होना चाहिए , साथ ही दावा किया गया कि इससे वायरस के फैलने का खतरा कम होगा, लेकिन इन दावों का समर्थन करने के लिए साक्ष्यों की कमी है। इसलिए एक शोध टीम ने कोविड से पहले के साक्ष्यों की समीक्षा की और पाया कि वायु शोधन वास्तव में श्वसन संक्रमण संबंधी बीमारियों को कम नहीं करता। वायु उपचार उपकरणों के दो मुख्य प्रकार हैं: फिल्टर और वायु कीटाणुनाशक। फ़िल्टर हवा से उन कणों को हटाने का काम करता है जिनमें संक्रामक वायरस हो सकते हैं। वायु कीटाणुनाशक हवा में वायरस को निष्क्रिय करने के लिए पराबैंगनी विकिरण या ओजोन का इस्तेमाल करते हैं। सिलसिलेवार समीक्षा में इस विषय पर 1970 और 2022 के बीच किए गए 32 अवलोकन और प्रयोगात्मक अध्ययन मिले। साक्ष्यों से यह बात सामने आई कि इन प्रौद्योगिकियों ने बीमारी और वायरस से संक्रमण की गंभीरता को कम नहीं किया। समीक्षा से यह निष्कर्ष निकला कि इस बात का कोई पुख्ता सबूत नहीं है कि वायु उपचार प्रौद्योगिकियां श्वसन संबंधी बीमारियों के जोखिम को कम करती हैं।

किसी संक्रमित व्यक्ति के एक मीटर के दायरे के अंदर पहुंचने वाले व्यक्ति में संक्रमण का खतरा उससे एक मीटर से अधिक दूर रहने वाले व्यक्ति की तुलना में लगभग पांच गुना अधिक होता है।

वेंटिलेशन कैसा है?

इस अध्ययन में बीमारी के जोखिम पर वेंटिलेशन के प्रभाव, जैसे खिड़कियां खुली रखने आदि पर विचार नहीं किया गया। हाल ही में कोविड संक्रमण पर वेंटिलेशन के प्रभाव की एक सिलसिलेवार समीक्षा की गई है। हालांकि इस बात के कुछ सुबूत मिले हैं कि वेंटिलेशन से संक्रमण कम हुआ है। यदि वायु शोधन से बीमारी का खतरा कम नहीं होता है, तो ऐसा क्यों है? ठोस तथ्य है कि कई कारण हैं जिसके कारण वायु उपचार प्रौद्योगिकियां कभी भी रामबाण नहीं बन पाएंगी जैसा कि कुछ लोग दावा कर रहे थे। सर्वप्रथम श्वसन वायरस के संचरण का जोखिम इस बात पर निर्भर करता है कि आप संक्रमित व्यक्ति के कितने करीब हैं। महामारी की शुरुआत में वैज्ञानिकों के एक समूह ने दिखाया कि किसी संक्रमित व्यक्ति के संपर्क में आने से संक्रमण का खतरा तब कम हो जाता है जब आप उससे एक निश्चित सीमा तक दूर हों। किसी संक्रमित व्यक्ति के एक मीटर के दायरे के अंदर पहुंचने वाले व्यक्ति में संक्रमण का खतरा उससे एक मीटर से अधिक दूर रहने वाले व्यक्ति की तुलना में लगभग पांच गुना अधिक होता है।

दूसरा यह कि भले ही वायु शोधन किसी विशेष इनडोर स्थान के भीतर संक्रमण को रोकने में प्रभावी था, लोग नियमित रूप से यहां वहां आते-जाते रहते हैं। ऐसे में ये आपकी रक्षा नहीं कर सकेंगे। अंत में, उन संक्रमणों से होने वाली महामारी अहम मुद्दा है जिनकी प्रतिरक्षा की अवधि कम होती है। जैसा कि दो साल पहले चर्चा की गई थी, कोविड जैसे संक्रमण में प्रतिरक्षा की अपेक्षाकृत कम अवधि होती है। ऐसे में मानक महामारी मॉडल की भविष्यवाणी की तुलना में अलग व्यवहार करते हैं क्योंकि लोग अपनी प्रतिरक्षा कमजोर होने के कारण बार बार संक्रमित हो सकते हैं।

कोविड जैसे संक्रमणों को 'एसईआईआरएस' (अतिसंवेदनशील, उजागर, संक्रमित, ठीक हो चुका, अतिसंवेदनशील) मॉडल द्वारा बेहतर ढंग से समझा जाता है। इस मॉडल में, वायु निस्पंदन या मास्क पहनने जैसे उपाय कम प्रभावी हो जाते हैं क्योंकि अधिकतर लोग पुनः संक्रमित हो जाते हैं। कमजोर प्रतिरक्षा तंत्र भी संक्रमण को बार बार होने का मौका देता है।

कार्तिक आर्यन करण जौहर की अगली फिल्म में नजर आएंगे

मुंबई (भाषा)। अभिनेता कार्तिक आर्यन फिल्म निर्माता करण जौहर की अगली फिल्म में नजर आएंगे। फिल्म निर्माताओं ने बुधवार को यह जानकारी दी। फिलहाल, फिल्म के नाम की घोषणा नहीं की गई है। फिल्म निर्माण कंपनी 'धर्मा प्रोडक्शंस' और 'बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड' के बैनर तले बनने वाली इस फिल्म का निर्माण हीरू यश जौहर, करण जौहर, अपूर्व मेहता, शोभा कपूर, एकता आर. कपूर तथा निर्देशन संदीप मोदी करेंगे। करण जौहर ने कार्तिक आर्यन के 33वें जन्मदिन के मौके पर एक इंस्टाग्राम पोस्ट में यह जानकारी दी। फिल्म 15 अगस्त 2025 को रिलीज होगी।उन्होंने लिखा, 'आज एक विशेष मौके पर संदीप मोदी तथा 'धर्मा प्रोडक्शंस' और 'बालाजी टेलीफिल्म्स लिमिटेड' के एक साथ आने की घोषणा करते हुए बहुत रोमांचित हूं।' करण जौहर (51) ने लिखा, 'मैं इस फिल्म के नायक के रूप में कार्तिक आर्यन के नाम की घोषणा करते हुए बहुत उत्साहित महसूस कर रहा हूं। यह फिल्म 15 अगस्त 2025 को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी। इसका निर्देशन संदीप मोदी करेंगे।'

बाबी देओल को अपना स्टाइल आइकॉन मानते हैं रणबीर कपूर

मुंबई (वार्ता) बॉलीवुड अभिनेता अभिनेता रणबीर कपूर ,बॉबी देओल को अपना स्टाइल आइकॉन मानते है। संदीप रेड्डी वांगा निर्देशित एनिमल में रणबीर कपूर,अनिल कपूर, रश्मिका मंदाना, बॉबी देओल और तृप्ति डिमरी जैसे कलाकार प्रमुख भूमिका में है। फिल्म एनिमल के प्रमोशन के दौरान रणबीर कपूर ने बॉबी देओल को अपना स्टाइल बताया है। रणबीर ने बताया कि वह देओल के वॉर्डरोब के दीवाने है खासकर के उन आइकॉनिक सनग्लासेज के जो उन्होंने फिल्म सोल्जर और बरसात में पहना था।

जिग्ना वोरा ने कहा बिग बॉस में सना रईस खान का अस्तित्व ही नहीं

मुंबई (आईएएनएस)। 'बिग बॉस 17' की प्रतियोगी और पूर्व पत्रकार जिग्ना वोरा उस समय काफी परेशान नजर आई, जब 'दिमाग' के हाउस मेंबर्स ने बताया कि दो अन्य लोगों के अलावा वह भी शो में ग्रेस पीरियड पर हैं। इसके बाद नोमिनेशन टास्क में वह बदला लेने के मोड आ गई। जिग्ना ने घर में ग्रेस पीरियड के बारे में बात करते हुए शो के शुरुआती दिनों को याद किया जब वह वास्तव में सभी के साथ अच्छा व्यवहार करती थीं। अगर सदस्य बीमार थे तो वह उनकी देखभाल करती थी, किसी न किसी तरह से सभी की मदद करती थी - चाहे सभी के लिए खाना बनाना हो या उन्हें कपड़े धोने में मदद करना। फिर भी वह इस हफ्ते नॉमिनेट हो गई। इस बारे में बातचीत के दौरान ही उन्होंने अरुण, तहलका और रिंकू को बयान दिया कि सना का अस्तित्व ही नहीं है इस शो में।

सबसे लोकप्रिय भारतीय सितारों की सूची में शीर्ष पर शाहरुख

नई दिल्ली,(आईएएनएस)। आईएमडीबी 2023 की सबसे लोकप्रिय भारतीय सितारों की शीर्ष 10 सूची में बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान सबसे आगे हैं। 2023 में बॉलीवुड के बादशाह ने दो प्रमुख ब्लॉकबस्टर, जवान और पठान दी, जो दुनिया भर में क्रमशः नंबर 2 और 3 सबसे बड़ी हिंदी फिल्में हैं। अभिनेत्री आलिया भट्ट और दीपिका पादुकोण नंबर 2 और नंबर 3 पर जगह बनाने में सफल रही हैं। आलिया ने कहा, मैं आज जिस मुकाम पर हूं, वहां तक पहुंचने के लिए मैं अपने दर्शकों को धन्यवाद देती हूं। मैं उनका मनोरंजन करना जारी रखने की उम्मीद करती हूं, लेकिन मैं केवल प्यार और कृतज्ञता से भरी हूं। मैं कड़ी मेहनत जारी रखने, अधिक प्रेरक कहानियों और पात्रों को स्क्रीन पर लाने का वादा करती हूं। चौथे स्थान पर अभिनेत्री वामीका गब्बी हैं, जिन्होंने कहा, आईएमडीबी की सबसे लोकप्रिय भारतीय सितारों की सूची में मेरी पहली फिल्म है, और मैं बहुत खुश हूं। आईएमडीबी वैश्विक दर्शकों की भावनाओं का प्रतिनिधित्व करता है, यह मेरे लिए इसे और भी खास बनाता है। उन्होंने कहा, विभिन्न शैलियों और भाषाओं में काम करने में मेरा पूरा साल व्यस्त रहा। यह मुझे खुश और आभारी बनाता है कि मेरे प्रशंसकों ने इसकी सराहना की है। मैं अपनी आगामी प्रोजेक्ट्स पर उसी समर्पण के साथ काम करने और मुझ पर बरसाए गए प्यार को लौटाने के लिए उत्सुक हूं। नयनतारा, तमन्ना भाटिया, करीना कपूर खान और शोभिता धूलिपाला क्रमशः पांचवें, छठे, सातवें और आठवें स्थान पर हैं। बॉलीवुड के 'खिलाड़ी' अक्षय कुमार नौवें स्थान पर हैं। अक्षय के बाद दसवें स्थान पर स्टार विजय सेतुपति हैं।

शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा की शादी के 14 साल पूरे

मुंबई (वार्ता)। शिल्पा शेट्टी और राज कुंद्रा की शादी को पूरे 14 साल हो गए है । इस खास मौके पर शिल्पा और राज ने एक-दूसरे के लिए एक रोमांटिक वीडियो भी शेयर किया है। 22 नवम्बर 2009 में शिल्पा शेट्टी ने राज कुंद्रा के साथ मुंबई में धूमधाम से शादी की थी। शादी की 14वीं सालगिरह पर शिल्पा ने इंस्टाग्राम एक प्यार भरा वीडियो शेयर कर पति को शादी की सालगिरह विश की है।

शिल्पा शेट्टी ने अपने पति राज के साथ अपनी तस्वीरों का एक वीडियो पोस्ट किया है और इस वीडियो के बैकग्राउंड में 'तेरे बिना जिया जाये ना' गाना भी लगाया हुआ है कैप्शन में उन्होंने लिखा, 14 साल...तुम्हें अनंत प्यार, मेरी कुकी। यू आर माई हैप्पी प्लेस, राज कुंद्रा, एनिवर्सरी, ग्रैटिट्यूड, टुगेदरनेस, हसबैंडलव। शिल्पा के पति राज कुंद्रा ने भी शादी की सालगिरह के मौके पर इंस्टाग्राम पर शिल्पा के साथ अपना वीडियो शेयर कर लिखा है, 14 साल एंड यू स्टिल जस्ट लुकिंग लाइक ए वॉऊ! 14वीं सालगिरह मुबारक हो शिल्पा शेट्टी, ब्लेस्ड, वाइफ, एंजल लव।

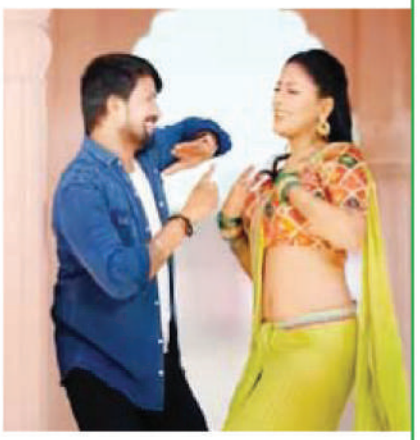

भोजपुरी लोकगीत 'सड़ियां जस लिपट जा' रिलीज

मुंबई (वार्ता)। गायिका शिवानी सिंह और अभिनेत्री माही श्रीवास्तव का भोजपुरी लोकगीत 'सड़ियां जस लिपट जा' रिलीज हो गया है। वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स प्रस्तुत भोजपुरी लोकगीत 'सड़ियां जस लिपट जा' के निर्माता रत्नाकर कुमार हैं। सिंगर शिवानी सिंह ने इसे गाया है और माही श्रीवास्तव पर फिल्माया गया है। इस गाने के गीतकार आशुतोष तिवारी हैं। संगीतकार आर्या शर्मा हैं। वीडियो निर्देशक विझेल, कोरियोग्राफर गोल्डी जायसवाल और स्व0 बॉबी, डीओपी राजन वर्मा हैं। इस गाने का आल राइट्स वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स के पास है।

'राम राज्य' पर म्यूजिक एल्बम जल्द होगा रिलीज

अयोध्या (आईएएनएस)। उत्तर प्रदेश सरकार जल्द ही वनवास से लौटने के बाद अयोध्या में भगवान राम के जीवन के 11 प्रसंगों पर केंद्रित एक म्यूजिक एल्बम जारी करेगी। म्यूजिक एल्बम का थीम राम का आदर्श शासन- 'राम राज्य' होगा। मंडलायुक्त गौरव दयाल की अध्यक्षता वाली अयोध्या संरक्षण एवं विकास निधि समिति एल्बम का निर्माण करेगी।

अयोध्या के जिलाधिकारी नितीश कुमार, मुख्य विकास अधिकारी अनीता यादव और संत कबीर नगर के जिलाधिकारी महेंद्र सिंह तंवर समिति के सदस्य हैं। अधिकारियों ने कहा कि लोकप्रिय गायकों के अलावा, संगीत एल्बम पर काम करने की सहमति के लिए प्रसिद्ध संगीतकारों से भी संपर्क स्थापित किया गया है। दयाल ने कहा, मेरे कार्यालय में समिति की एक बैठक हुई और भगवान राम के जीवन पर आधारित संगीत एल्बम बनाने के पहले चरण की योजना पर चर्चा की गई।

सोशल मीडिया से दूरी बनाना इतना भी अच्छा नहीं

सोशल मीडिया का अत्यधिक इस्तेमाल करने लगते हैं तो समझ लीजिए कि आपके इससे दूर जाने का समय आ गया है। इस दौरान आप कुछ दिन के लिए पूरी तरह से सोशल मीडिया से दूरी बना सकते हैं। लेकिन हमारे नए अध्ययन में पता चला है कि इस दृष्टिकोण से सोशल मीडिया के सकारात्मक प्रभाव में भी उतनी ही कमी आ सकती है, जितनी नकारात्मक प्रभावों में।

डरहम (ब्रिटेन) (द कन्वरसेशन)। चाहे आप 'इनफ्लुएंसर' हों, कभी-कभी कुछ पोस्ट साझा करने वाले हों या फिर किसी चर्चा में हिस्सा न लेकर सिर्फ गतिविधियों पर नजर रखने वाले हों, आप संभवतः सोशल मीडिया पर अपनी इच्छा से अधिक समय बिताते हैं। दुनियाभर में इंटरनेट तक पहुंच रखने वाले कामकाजी लोग हर दिन इंस्टाग्राम, फेसबुक और 'एक्स' (ट्विटर) पर ढाई घंटे से अधिक समय बिताते हैं। सोशल मीडिया का उपयोग स्कूल या काम में हस्तक्षेप होने पर समस्याग्रस्त हो सकता है, यह आपके रिश्तों में टकराव का कारण बनता सकता है या आपके मानसिक स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचा सकता है। हालांकि सोशल मीडिया के अत्यधिक इस्तेमाल को औपचारिक रूप से मानसिक स्वास्थ्य विकार नहीं माना जाता, लेकिन कुछ वैज्ञानिकों का मानना है कि यह एक "लत" है।

जब आप सोशल मीडिया का अत्यधिक इस्तेमाल करने लगते हैं तो समझ लीजिए कि आपके इससे दूर जाने का समय आ गया है। इस दौरान आप कुछ दिन के लिए पूरी तरह से सोशल मीडिया से दूरी बना सकते हैं। लेकिन हमारे नए अध्ययन में पता चला है कि इस दृष्टिकोण से सोशल मीडिया के सकारात्मक प्रभाव में भी उतनी ही कमी आ सकती है, जितनी नकारात्मक प्रभावों में। और वास्तव में, हम इस बात से आश्चर्यचकित हैं कि जब हमने अध्ययन में हिस्सा लेने वाले लोगों से सोशल मीडिया से दूर रहने के लिए कहा तो उनमें से बहुत कम प्रतिभागियों ने सोशल मीडिया का रुख किया। हमने अपने हालिया अध्ययन में लोगों से सोशल मीडिया से दूरी बनाने के लिए कहा। इनमें से 51 व्यक्ति एक सप्ताह तक सोशल मीडिया से दूर रहने का प्रयास किया । हमने उनके व्यवहार और अनुभवों का आकलन किया। हमने पाया कि बहुत ही कम संख्या में लोग सोशल मीडिया से पूरी तरह दूर रहे। हालांकि अधिकतर लोगों ने पहले की तुलना में सोशल मीडिया का कम इस्तेमाल किया। ये लोग अध्ययन शुरू होने से पहले एक दिन में औसतन तीन से चार घंटे सोशल मीडिया इस्तेमाल करते थे, जबकि अध्ययन के दौरान उन्होंने महज आधे घंटे इसका इस्तेमाल किया। सोशल मीडिया से दूरी बनाने की अवधि समाप्त होने के बाद भी प्रतिभागियों ने पहले की तुलना में इसका काफी कम इस्तेमाल किया।

इस अध्ययन के दौरान हमें सोशल मीडिया कम इस्तेमाल करने से पड़ने वाले प्रभावों के बारे में भी पता चला। हालांकि इस तरह के पिछले कुछ अध्ययनों के विपरीत हमने अपने प्रतिभागियों की आदतों में कोई सुधार नहीं देखा। इसके उलट, उन्होंने सोशल मीडिया से दूरी की अवधि के दौरान सकारात्मक भावनाओं पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने के बारे में बताया। सोशल मीडिया पर लाइक, शेयर और फॉलोअर्स हासिल होने से लोग खुद को शक्तिशाली और सामाजिक मानने लगते हैं।इसके अलावा सोशल मीडिया से लोगों का मनोरंजन भी होता है। शोध से पता चलता है कि सोशल मीडिया पर मिलने वाली सराहना की वजह से ही लोग इसका इस्तेमाल करने के आदी हो जाते हैं। मनुष्य सामाजिक प्राणी हैं - एक समूह का हिस्सा महसूस करना, स्वीकार किया जाना और प्रशंसा प्राप्त करना सार्वभौमिक आवश्यकताएं हैं। सोशल मीडिया इन जरूरतों को कभी भी और कहीं भी पूरा करने के लिए सुविधाजनक और सुलभ है, और लोगों से जुड़ने का एक अवसर प्रदान करता है।

सपा कार्यकर्ताओं ने मनाई लोकबंधु राजनारायण की जयंती, गोष्ठी का किया आयोजन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। गुरुवार को समाजवादी पार्टी के तत्वाधान में जिलाध्यक्ष गोपाल यादव की अध्यक्षता में पार्टी कार्यालय समता भवन पर लोकबंधु के नाम से दुनिया में विख्यात स्व0 राजनारायन जी की जयंती के अवसर पर माल्यार्पण कार्यक्रम एवं विचार गोष्ठी आयोजित हुई । गोष्ठी आरंभ होने के पूर्व कार्यकताओं ने उनके चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए लोकतंत्र की रक्षा करने एवं देश की सत्ता पर हुकूमत कर रही तानाशाह भाजपा सरकार को उखाड़ फेंकने का संकल्प लिया ।

इस गोष्ठी को संबोधित करते हुए जिलाध्यक्ष गोपाल यादव ने उनके व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तृत रूप से प्रकाश डालते हुए कहा कि राजनारायन जी इस मुल्क के आम आवाम की आवाज थे । वह आजीवन अन्याय,जुल्म और शोषण के खिलाफ संघर्ष करते रहे । राजनारायन जी ने आम आदमी की खातिर एक दो नहीं बल्कि 17 साल जेल में गुजार दिए। ऐसा कोई मुद्दा नहीं रहा आम जन से जुड़ा जिस पर राजनारायन ने आवाज न बुलंद की हो। आजाद भारत में जब अंग्रेजियत बढ़ रही थी तब अंग्रेजी हटाओ आंदोलन शुरू किया। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय से शुरू इस आंदोलन को देश भर में फैला दिया। नेताओं ने राजनारायण के व्यक्तित्व और कृतित्व की चर्चा की। उन्होंने कहा कि राज नारायण जी का निधन 69 साल की उम्र में हुआ। लेकिन इस सात दशक के जीवनकाल में वह 80 बार जेल गए। उन्होंने कुल 17 साल जेल में बिताए। इसमें 3 साल आजादी के पहले और 14 साल आजादी के बाद। उनकी जेल यात्राएं ये बताती हैं कि वह आम जन के सरोकारों से किस हद तक जुड़े रहे। लोकतंत्र के सच्चे सिपाही के तौर पर वह हमेशा गरीबों, मजलूमों, किसानों और कमजोर तबकों के लिए खड़े रहेऔर लड़ते रहे। जहां कहीं अन्याय और जुल्म देखा वहीं उसके खिलाफ तन कर खड़े हो गए। उन्होंने कहा कि राज नारायण ने एक ओर जहां राजनीतिक संघर्ष को धारदार बनाया, वहीं विचार व आचरण से कार्यकताओं की फौज भी खड़ी की।

प्रदेश कार्यसमिति के आमंत्रित सदस्य रामधारी यादव ने गोष्ठी को संबोधित करते हुए कहा कि आम आदमी के सवालों पर सड़क से संसद तक जूझने वाले अप्रतिम योद्धा राज नारायण ने एक ओर जहां कांग्रेस की सबसे ताकतवर नेता इंदिरा गांधी को कोर्ट और चुनाव दोनों में हराया। वहीं 1977 में जनता पार्टी के शासनकाल में दोहरी सदस्यता के खिलाफ सवाल खड़ा कर आरएसएस के विरोध में मोर्चा खोला। ये वही सख्श रहे जिन्होंने दलितोद्धार के लिए बड़ा आंदोलन चलाया। काशी विश्वनाथ मंदिर में दलितों का प्रवेश उन्होंने ही कराया। इसी बेनियाबाग मैदान में राज नारायण ने सत्याग्रह कर महारानी विक्टोरिया की मूर्ति तोड़ी थी। इस गोष्ठी में मुख्य रूप से डा.नन्हकू यादव,सुरज राम बागी,निजामुद्दीन खां, मारकन्डेय यादव, सदानंद यादव,अरुण कुमार श्रीवास्तव, रविन्द्र नाथ राय,राजेंद्र यादव,अमित ठाकुर, रमेश यादव,दिनेश यादव, राहुल सिंह , वंशराज सिंह यादव, हरिनाथ कुशवाहा, राजेश गोड़, रामाशीष यादव, अशोक यादव, टंगरई बिंद, हीरा बिंद ,उपेन्द्र यादव, मो.अख्तर अंसारी, राकेश यादव, नितिल यादव, गोपाल यादव आदि उपस्थित थे । गोष्ठी का संचालन जिला महामंत्री कन्हैयालाल विश्वकर्मा ने किया ।

तीन दिवसीय वैदिक धर्म महोत्सव आज से

प्रखर वाराणसी। जिला आर्य प्रतिनिधि सभा वाराणसी-चन्दौली व महर्षि दयानन्द काशी शास्त्रार्थ स्मृति न्यास के संयुक्त तत्वावधान में वेदोद्धारक, आर्य समाज के संस्थापक महर्षि दयानन्द सरस्वती जी का विश्व प्रसिद्ध ऐतिहासिक शास्त्रार्थ कार्तिक शुक्ल द्वादश विक्रम संवत १९२६ तदनुसार १६ नवम्बर १८६९ ईस्वी में तत्कालीन काशी नरेश महाराज ईश्वरी नारायण सिंह जी की उपस्थिति में हुए शास्त्रार्थ के १५४वें वार्षिक स्मृति के उपलक्ष्य में महर्षि दयानन्द काशीशास्त्रार्थ स्मृति स्थल, आनन्दबाग दुगार्कुण्ड में तीन दिवसीय वैदिक धर्म महोत्सव का कार्यक्रम आज से होगा । इस ऐतिहासिक शास्त्रार्थ के स्मृति में इन कार्यक्रमों के मध्य में वाराणसी के प्रथम नागरिक माननीय महापौर श्री अशोक कुमार तिवारी जी व उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा नामित सदस्य वीडीए तथा प्रभारी हि.यु.वा. वाराणसी मण्डल के श्री अम्बरीश सिंह भोला जी ने उपस्थित होने की सहमति प्रदान किये हैं । इस वैदिक धर्म महोत्सव के कार्यक्रम में आर्य जगत के सुप्रसिद्ध वैदिक प्रवक्ता आचार्य रामप्रसाद आर्य जी (कानपुर), पण्डित विश्वव्रत शास्त्री जी (लखनऊ), शोध छात्रा द्वय बीएचयू की आचार्या दिव्यकिरण आर्या जी व आचार्या दामिनी आर्या जी एवं भजनोपदेशक श्रीमती अलका आर्या जी (नोएडा) व श्री सोमेन्द्र आर्य जी (चन्दौली) से पधार रहे हैं। इसमें प्रतिदिन यज्ञ, भजन तथा प्रवचन के कार्यक्रम प्रातः व सायंकालीन बेला में होंगे। दिनांक २६ नवम्बर, रविवार को दिन में ११ बजे से २ बजे तक आर्य महिला सम्मेलन व आर्य बालोत्सव तथा पुरस्कार वितरण का आकर्षक कार्यक्रम होगा।

केरल के राज्यपाल का हुआ जौनपुर में भव्य स्वागत

प्रखर जौनपुर। सिपाह स्थित बलौच टोला में मौलाना अनवार कासमी चेयरमैन,जामिया ग्रुप ऑफ एजुकेशन के यहाँ एक भेंटवार्ता करते हुए रात्रि भोज पर केरल के राज्यपाल आमंत्रित थे। इस मौके पर श्री आरिफ मोहम्मद खान राज्यपाल केरल ने मीडिया के एक सवाल पर उन्होंने कहा की संविधानिक पद पर रहते हुए लोग संविधानिक मूल्यों की रक्षा करे,क्युकी संविधान ही हर इंसान को उसका हक दिला सकता है। श्री आरिफ मोहम्मद खान का जन्म 1951में गावं मोहम्मदपुर बरवाला तहसील स्याना जिला बुलंदशहर, उत्तर प्रदेश में हुआ था वह एक भारतीय राजनीतिज्ञ तथा वर्तमान में केरल के राज्यपाल हैं। वे भारत के पूर्व कैबिनेट मंत्री भी रह चुके है उनके पास ऊर्जा से लेकर नागरिक उड्डयन तक के कई पोर्टफोलियो थे, श्री आरिफ आजमगढ़ में स्व राम नरेश यादव (पूर्व मुख्यमंत्री उ.प्र., एवम पूर्व राज्यपाल म.प्र.) की 8वीं पुण्यतिथि पर जनता इंटर कॉलेज, अम्बारी, आजमगढ़ में एक श्रद्धांजलि सभा के रूप में आयोजित गई थी जिसके मुख्य अतिथि महामहिम श्री आरिफ मोहम्मद खान राज्यपाल-केरल थे। जौनपुर से जाते वक्त वो मौलाना अनवार कासमी के आवास पर रुके जहा उनका भव्य स्वागत किया गया इस मौके पर मुख्य रूप से हाजी वसीम अहमद सेंट अल्हनीफ एजुकेशनल सेंटर के चेयरमैन, अंसार अहमद कासमी, डॉ अबु अकरम, अबू ओबैदा, अबूजर, रियाजुल आदि लोग मौजूद रहे।

स्वं लोकबंधु राजनारायण की जयंती के अवसर पर गोष्ठी का हुआ आयोजित

प्रखर जौनपुर। समाजवादी पार्टी कार्यालय पर निवर्तमान जिलाध्यक्ष डां अवधनाथ पाल के अध्ययता में स्वं लोकबंधु राजनारायण की जयंती के अवसर पर गोष्ठी आयोजित किया गया सर्व प्रथम उनके चित्र पर उपस्थित लोगों ने पुष्पांजलि अर्पित किया उनके जीवनी पर चर्चा करते हुए डां पाल ने कहा भारतीय राजनीति में जिद और जूनून की अनूठी मिसाल का नाम है लोकबंधु राजनारायण बाल सुलभ संवाद करने के लिए चर्चित राजनारायण गलती पर किसी की भी मिट्टी पलीद करने से भी पीछे नहीं रहते थें इसी स्वभाव के कारण उन्हें मोरारजी देसाई सरकार में स्वास्थ्य मंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था लोक बंधु के लिए समाज और गरीब वर्ग ही प्रमुख लक्ष्य था इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए वह इस कदर समर्पित थे कि वह वर्षों अपने घर नहीं जाते थे 1977 के चुनाव में इंदिरा गांधी को हराने के बाद पूरे देश में उनका कद बहुत ऊंचा हो गया था पदासीन प्रधानमंत्री को धूल चटाने के उनके रिकॉर्ड की बहुत बडी कीमत चुकानी पड़ी है सार्वाधिक बार जेल जाने का उनका अनूठा रिकॉर्ड भी अचर्चित रहा है एक बार मिलने पहुंचीं अपने पत्नी को पहचान नहीं पाए उनसे पूछ बैठे आप कौन वह अपने बेटे की शादी में शामिल नहीं हुए। जंयती के अवसर पर मुख्य रूप से श्रवण जयसवाल, राहुल त्रिपाठी, इर्शाद मंसूरी, दिनेश फौजी, अनील दूबे, अजय विश्कर्मा, सुभाष पाल, धर्मेंद्र सोनकर,राशिद अल्वी, अमजद अली, विक्की यादव, आदि संचालन निवर्तमान जिलामहाचिव अखण्ड प्रताप यादव ने किया।

कुसमैनी, महुआरी, लौकीलाला, कुर्थिया व कोहरियहवा में हुई सोशल ऑडिट टीम की बैठक

प्रखर संतकबीरनगर। शासन के निर्देश पर गांवो में मनरेगा एवं अन्य योजनाओं से हुए विकास कार्यो का प्रतिवर्ष सत्यापन कार्य सोशल ऑडिट टीम द्वारा किया जाता है। इसी कड़ी में गुरुवार को सेमरियावां विकास खंड के कुशमैनी,लौकी लाला, कुर्थियां, कोहरियावा एवं महुआरि गांव में सोशल आडिट टीम की बैठक आयोजित हुई। जिसमे सोसल आडिट टीम ने पीएम आवास, शौचालय, सड़क निर्माण सहित सभी विकास कार्यो का ऑडिट टीम द्वारा जमीनी हकीकत को परखने के साथ ही बैठक के माध्यम से ग्रामीणों संग संवाद भी किया गया। टीम द्वारा लोगों को बैठक के मूल उद्देश्यो को बताया गया व जन जागरूक किया। गुरुवार को कुसमैनी गांव स्थित पंचायत भवन के परिसर में सोशल ऑडिट की बैठक आयोजित हुई। जिसमें उपस्थित गांव के ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान राम जी चौधरी के द्वारा करवाये गए विकास कार्यो पर मोहर लगाई। इस दौरान रोजगार सेवक,पंचायत सहायक मोहमद तारिक, हीरालाल,अहमद अली, चुन्नीलाल, हरिशचंद, प्यारी देवी,बसंती, महंत प्रसाद के साथ ही सोशल ऑडिट टीम के कोऑर्डिनेटर आदि अनेकों लोग उपस्थित रहे। इसी के साथ लौकी लाला गांव के पंचायत भवन में ग्राम पंचायत प्रधान इरफान अहमद, , रोजगार सेवक हीरामति,पंचायत सहायक अजय कुमार, केयर टेकर शारदा, अबू तलहा,राज मंगल, बदरूहाजा बीडीसी,रामजीत,राम शाबद,मोहमद अनस ,अकुब आदि लोग की उपस्थिति गांव में विकास कार्यों पर ग्रामीणों के साथ सोशल ऑडिट टीम के कोऑर्डिनेटर ने सभी आवश्यक कार्यवाही को पूर्ण किया। इसके साथ ही महुआरी गांव में ग्राम प्रधान साहिना खातून के साथ ही आये दर्जनो

ग्रामीण ने बैठक में प्रधान के कार्यो पर मोहर लगाई। इसी क्रम में ग्राम प्रधान के साथ प्रधान प्रतिनिधि मोहमद सफीक और अन्य गणमान्य लोगों की उपस्थिति में सोशल ऑडिट की बैठक संपन्न हुई। जहाँ पर उपस्थित ग्रामीणों ने ग्राम प्रधान के द्वारा करवाये गए विकास कार्यो पर सहमति जताई।

उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम में 56 प्रतिभागी हुए शामिल

प्रखर कसया, कुशीनगर। सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय, भारत सरकार और भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान अहमदाबाद के कुशीनगर शाखा कार्यालय द्वारा कुशीनगर के वत्स कम्प्युटर एडुकेशन सेंटर में एक दिवसीय उद्यमिता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में उद्यमिता के मुख्य विषय जैसे उद्यमी के गुण, उद्यमी बनने के फायदे, उद्यम अवसर की पहचान एवं चयन, उद्यम स्थापना प्रक्रिया, समस्या समाधान, मार्केटिंग, किस कार्य के लिए किससे मिले, केवीआईसी, जिला उद्योग केंद्र, बैंक आदि के माध्यम से सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओ, ऋण-प्रक्रिया, उपलब्धि अभिप्रेरणा, कार्यशील पूजीं प्रबंधन, लेखा-जोखा, प्रोजेक्ट रिपोर्ट, एवं औद्योगिक भ्रमण, ग्राहक प्रबंधन आदि विषयों की जानकारी दी गयी तथा उनके द्वारा उद्यम स्थापना हेतु बैंक से वित्तीय सहयोग, लोन प्रोसेस, सरकारी स्कीम इत्यादि के बारे में बताया गया। कार्यक्रम में जिला उद्योग केन्द्र कुशीनगर रंजीत कुमार वर्मा ने उद्यमिता विकास पर प्रकाश डाला। मुकुल वेदी ने भी उद्यमिता के बारे जानकारी दी गई। ईडीआई के परियोजना अधिकारी विजय कुमार पाण्डेय ने कहा कि परम्परागत शिक्षा प्राप्त कर रहे छात्रों को नौकरी प्राप्त करना काफी मुश्किल है। ऐसे में स्वरोजगार कर न सिर्फ अपने लिए रोजगार पैदा करेगे बल्कि दुसरे लोगो को भी रोजगार देंगे। श्री पाण्डेय ने ईडीआई द्वारा देश भर में चलाये जा रहे अन्य कार्यक्रमों की भी जानकारी दी। श्री पाण्डेय द्वारा अभिनव, ऊष्मायन और सक्रियण जैसे स्टार्टअप के लिए केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओ पर प्रकाश डाला गया। मनोज कुशवाहा ने अतिथियों एवं प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि रोजगार पैदा करने का सबसे महत्वपूर्ण तंत्र और उपकरण उद्यमिता है। इसके साथ ही इस कार्यशाला मे छात्रो को ये भी बताया गया कि कैसे सरकार किसी भी स्टार्टअप की लिए छात्रो के विचारों का समर्थन करती है। इस अवसर पर 56 प्रतिभागी मौजूद रहे।

95 बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल एवं सृजन सामाजिक विकास न्यास के संयुक्त तत्वावधान में हुआ वृक्षारोपण कार्यक्रम

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। 95 बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल एवं सृजन समाज विकास न्यास के संयुक्त तत्वाधान में गुरुवार कों अनिल कुमार वृक्ष कमांडेंट 95 बटालियन के दिशा निर्देश में गंगा ग्राम टिकरी में पर्यावरण विद अनिल कुमार सिंह द्वारा 14 वीं सृजन वाटिका का शुभारंभ उन्नतिशील कृषक अशोक सिहं द्वारा दी गई पांच बिघा जमीन में लगायी गयी जिसमें आम की प्रजाति लंगड़ा, दशहरी, चौसा आम्रपाली आदि के पौधे, अमरूद, नींबू, आंवला, मौसमी आदि के पौधे लगाए गए जो 95 बटालियन सीआरपीएफ के कमान्डेंट की अध्यक्षता मे मुख्य अतिथि गंगा हरितिमा अभियान के ब्रांड अम्बेसडर एवं सृजन सामाजिक विकास न्यास के अध्यक्ष अनिल कुमार सिंह ने सीआरपीएफ 95 बटालियन के साथ मिलकर लगवाया` जिसका संयोजन अशोक सिंह टिकरी, संचालन सौरभ सिंह पटेल भाजपा ने सभी ग्राम वासियों को पर्यावरण के प्रति जागरूक भी किया जिसमें मुख्य रुप से सीआरपीएफ के इन्स्पेक्टर विशिष्ट अतिथि एवं युनियन बैंक के टिकरी शाखा प्रबंधक सिद्ध नाथ झा 95 बटालियन सीआरपीएफ के प्रवीण सिंह,सब इंस्पेक्टर अरविंद कुमार,आर बी मिश्रा , प्रदीप करकेंटा, कपिल यादव साथ साथ में 95 बटालियन जवानों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया तथा सृजन सामाजिक विकास न्यास के सदृस्य एवं सम्मानित ग्राम वासियों ने पौध रोपण कर सृजन संस्था के अध्यक्ष अनिल कुमार सिंह से पौध रोपण, पर्यावरण संरक्षण,जल संरक्षण एवं स्वच्छता का गुण सीखा और किसानों को निःशुल्क पौधे देकर लगवाने हेतु प्रेरित भी किया।

अपर पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार सिंह के द्वारा पुलिस कार्यालय पर मनाया गया प्रदेश पुलिस झण्डा दिवस

प्रखर संतकबीरनगर। प्रदेश पुलिस झंडा दिवस के अवसर पर अपर पुलिस अधीक्षक संतकबीरनगर संतोष कुमार सिंह द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय संतकबीरनगर में ध्वजारोहण किया गया साथ ही स्वंय व अन्य पुलिसकर्मियों के वर्दियों पर प्रतीकात्मक पुलिस फ्लैग चिन्ह लगाया गया, इस दौरान अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा उपस्थित समस्त पुलिस अधिकारी तथा कर्मचारीगणों को पुलिस महानिदेशक उत्तर प्रदेश के द्वारा जारी किए गए संदेश को पढ़कर अवगत कराया गया व उपस्थित अधिकारी एवं कर्मचारीगणों को अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए राष्ट्र ध्वज व पुलिस ध्वज की गरिमा बनाये रखने हेतु प्रेरित किया गया । इसी क्रम में रिजर्व पुलिस लाइन्स संतकबीरनगर में स्थित क्वार्टर गार्ड व समस्त थानों सहित सभी कार्यालय में पुलिस झंडा दिवस मनाया गया।

समाजवादी चिंतक राज नारायण जी की 106वीं जयंती जिला समाजवादी पार्टी कार्यालय खलीलाबाद में मनाई गई

प्रखर संतकबीरनगर। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अखिलेश यादव जी के निर्देशन पर आज दिनांक 23 11 2023 को समाजवादी चिंतक राज नारायण जी की 106वीं जयंती जिला समाजवादी पार्टी कार्यालय पुरानी सब्जी मंडी जिला कार्यालय पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर मनाया गया और उनके विचारों पर चलने का संकल्प लिया गया। जिला अध्यक्ष अब्दुल कलाम ने कहा कि राज नारायण एक भारतीय स्वतंत्रता सेनानी और राजनीतिज्ञ थे। उन्होंने तत्कालीन प्रधान मंत्री इंदिरा गांधी के खिलाफ एक प्रसिद्ध चुनावी कदाचार मामले में जीत हासिल की, जिसके कारण उन्हें अयोग्य ठहराया गया और 1975 में भारत में आपातकाल लगाया गया। उन्होंने 1977 के लोकसभा चुनावों के दौरान इंदिरा गांधी को हराया। कार्यक्रम में उपस्थित रामदरस यादव, जयराम पांडे, आलोक यादव सोनू, राहुल यादव बादल, शैलेंद्र यादव, विक्रम प्रसाद, श्याम जी विश्वकर्मा, अवधेश यादव, चंद्रभूषण पाण्डे, ध्रुप यादव, नन्हेंलाल प्रजापति, यादवेंद्र यादव पप्पू, अजय यादव, शकुंतला यादव, प्रिया पाठक, सुगीता निषाद, श्याम मुरारी यादव, डॉक्टर महफूजुरहमान अब्बासी, मनोहर सिंह सहित तमाम लोग उपस्थित रहे।

संक्षिप्त खबरें

खेलकूद का आयोजन आगामी 25 नवंबर को जवाहर नवोदय विद्यालय नाथनगर में किया जाएगा

प्रखर संतकबीरनगर। युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल विभाग संत कबीर नगर के खेल कूद कबड्डी का आयोजन 25 नवंबर 2023 को नाथनगर विकासखंड के जवाहर नवोदय विद्यालय नाथनगर के प्रांगण में किया गया है, कुछ संबंध में क्षेत्रीय कल्याण अधिकारी आराधना द्विवेदी ने बताया कि उक्त आयोजन में वॉलीबॉल कबड्डी एथलीट जैसे खेलों का आयोजन किया जाएगा विजई प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र के साथ-सा द उन्हें सम्मानित भी किया जाएगा खेलकूद से संबंधित छात्र-छात्राएं विशेष जानकारी अपने क्षेत्र युवा लोक कल्याण अधिकारी से संपर्क कर खेलकूद आयोजन जवाहर नवोदय विद्यालय नाथनगर में शामिल होने के लिए कर सकते हैं।

नेता जी धरतीपुत्र के साथ लोकसभा के पितामह भी रहे - शशिप्रताप सिंह

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। नेता जी मुलायम सिंह की मनायी गयी 84वीं जयंती नेशनल इक्वल पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शशिप्रताप सिंह ने मुर्दहा स्थित जिला कार्यालय पर नेता जी मुलायम सिंह के फोटो पर चंदन त्रीकुंड्ड फूल अर्पित किया। शशि प्रताप सिंह ने कहा की नेता जी धरतीपुत्र के साथ लोकसभा के पितामह रहे जिन्होंने लोकहित में पहलवानी कुस्ती कबड्डी दंगल बिरहा जैसे कार्यक्रमों को भारत की मिट्टी से जोड़कर दुनिया में ख्याति दिलाई थी उनको सत सत नमन करते है। मुख्य रूप से प्रदेश अध्यक्ष रामबचन यादव, विनोद यादव, सतेंद्र सिंह, जितेंद्र पटेल, रवि सिंह पटेल, राजू पटेल, राजनाथ पटेल, दिनेश यादव गायक, प्रेम सिंह आदि लोग उपस्थित रहे।

रोटरी क्लब वाराणसी रॉयल्स ने सदस्यों और उनके परिवार के साथ क्रिकेट वाली मनायी दिवाली

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। रोटरी क्लब वाराणसी रॉयल्स ने अपने 60 से अधिक सदस्यों और उनके परिवार के साथ क्रिकेट वाली दिवाली मनाई एक ओर जहां सदस्यों और उनके परिवार ने दिवाली मनाई वहीं दूसरी ओर उन्होंने क्रिकेट विश्व कप फाइनल का आनंद लिया बच्चों के लिए विशेष खेल जैसे पेंटिंग कंप्लीशन, रैंडम क्विज आदि का भी आयोजन किया गया जिसमें सभी बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और आनंद लिया ` क्रिकेट मैच के क्रेज के कारण पहली पारी के बाद सदस्यों का आना शुरू हो गया और शाम 6 बजे तक पार्टी पूरे जोरों पर थी सदस्यों ने शानदार भोजन और क्रिकेट का भी आनंद लिया` लकी ड्रा, क्रिकेट क्विज, तंबोला, पंक्चुअल्टी अवार्ड आदि जैसे कार्यक्रमों ने सदस्यों को बांधे रखा और मंत्रमुग्ध कर दिया` कार्यक्रम का संचालन रोटेरियन विवेक शाह, गरिमा शाह, रोटेरियन अभिषेक कपूर, मल्लिका कपूर द्वारा किया गया रोटरी क्लब वाराणसी सेंट्रल के अध्यक्ष कुशाग्र अग्रवाल एवं स्तुति अग्रवाल ने सभी सदस्यों एवं उनके परिवार का स्वागत किया। अध्यक्ष कुशाग्र अग्रवाल ने क्लब की उपलब्धि और भविष्य के सामुदायिक सेवा कार्यक्रमों पर भी चर्चा की क्लब सचिव रोटेरियन रीतेश टिबरेवाल ने धन्यवाद भाषण दिया` क्लब के कोषाध्यक्ष आरटीएन अभिनव पांडे, चार्टर अध्यक्ष तन्मय जैन, निशांत नेवार, वरुण मुंद्रा, दिवस अग्रवाल, ध्रुव बर्मन, कई धवन, तुषार अग्रवाल दीपक माहेश्वरी आदि अपने परिवार के साथ उपस्थित थे।

पूर्वोत्तर रेलवे कर्मचारी संघ वाराणसी मंडल द्वारा दूसरे दिन धरने में कर्मचारियों ने कहा ओपीएस लागू करने का एक यही विकल्प है कि भारतीय रेलवे में हड़ताल हो

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। पूर्वोत्तर रेलवे कर्मचारी संघ वाराणसी मंडल द्वारा दूसरे दिन बुधवार कों मंडल के स्टेशनो,गेटो,गैंग हटो, डीजल लांबी, औड़िहार डेमू शेड, इलेक्ट्रिक शेड, प्रयागराज खण्ड, मऊ - भटनी, भटनी - सीवान, छपरा-थावे और विभिन्न खण्डों में कार्यकर्ता सीक्रेट स्ट्राइक बैलेट से कर्मचारियो ने ओपीएस लागू कराने के मत प्रदान किये है यदि ओपीएस लागू नही होता है तो हम रेलवे में हड़ताल करने के लिये तैयार है इस हड़ताल जनमत में कर्मचारियो ने खुले मन से मतो के माध्यम से बताया है कि ओपीएस लागू करने का एक यही विकल्प है कि भारतीय रेलवे में हड़ताल हो` मंडल के विभिन्न क्षेत्रों में 12 हजार से अधिक कर्मचारी कार्यरत है जिसमे से नौ हजार सात सौ नवासी (9789) कर्मचारीयो ने अपने मतों का प्रयोग किया है उन मतों मे हड़ताल के पक्ष में 9748 तथा विपक्ष में मात्र 41कर्मचारीयों ने सहमति दी है` पूर्वोतर रेलवे कर्मचारी संघ के केन्द्रीय कार्यकारी अध्यक्ष एवं जोनल सचिव रमेश मिश्रा के नेतृत्व में दो दिवसीय हड़ताल जनमत की कार्यवाही हुई जिसमें मंडल मंत्री मुरारी लाल मिश्रा,राधेश्याम मिश्रा, रामप्यारे शर्मा, परविन्दर श्रीवास्तव,दिगविजय नाथ पान्डेय,मो जावेद,श्याम झा, श्री नारायण चतुवेर्दी, अब्दुल अख्तर, संजय तिवारी, जितेन्द्र, आजाद, रामभुवन,अमरनाथ सिंह, सुभाष यादव, आशुतोष , राकेश भाटिया एवं अन्य स्थलों पर भूपेंद्र सिंह, रहमान,एल के शर्मा, प्रेम नाथ सिंह इत्यादि सदस्यों ने कार्य किया है।

प्रखर पूर्वांचल
RNIUPHIN/2016/68754
मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह'
द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस'
सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001
से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित
सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001
सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802
सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।
ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com
सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं